# हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 5 अक्टूबर 2025



13 महिला विश्व कप : भारत आजमाएगा बेंच स्ट्रेंथ...

आज कल

8 शेयर बाजार बन रहा सांप...



inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366


## खबर संक्षेप

### नवी मुंबई एयरपोर्ट का नाम बदला

**मुंबई।** मुंबई वालों को 8 अक्टूबर को एक नया एयरपोर्ट मिलने वाला है। सीएम फडणवीस ने बताया कि

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बदलकर 'लोकनेते डीबी पाटिल नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा' किया जाएगा। यह सम्मान दिवंगत राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता डीबी पाटिल को समर्पित है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मंजूरी मिल चुकी है।

### केजरीवाल नहीं जाएंगे राज्यसभा

**नई दिल्ली।** दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के पंजाब से राज्यसभा जाने की अटकलों पर

विराम लग गया है। अब आप पार्टी ने ट्राइडेंट ग्रुप के मालिक बिजनेसमैन राजेंद्र गुप्ता को राज्यसभा के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है। यह कदम पंजाब की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव है, जहां आप अब बड़े उद्योगपतियों को भी चुनावी मैदान में उतार रही है।

### अब टोल पर यूपीआई पर नहीं लगेगा जुर्माना

**नई दिल्ली।** सरकार ने टोल टैक्स पेमेंट को लेकर नया नियम पेश किया है, जो 15 नवंबर से लागू

होगा। सरकार ने डिजिटन पेमेंट को बढ़ावा देने और टोल प्लाजा पर कैश पेमेंट को कम करने के लिए यह नियम पेश किया है। नेशनल हाईवे पर नॉन-फास्टैग वाले किसी भी वाहनों के एंट्री पर उसके पेमेंट के आधार पर अलग-अलग तरह का चार्ज वसूला जाएगा।

### स्कूल मेटाडोर में लगी आग बच्चों को सुरक्षित निकाला

**इंदौर।** इंदौर के समीप पंचडेहरिया में एक स्कूली मेटाडोर में आग लग गई। हादसे के समय उसमें

बच्चे भी सवार थे। समय रहते बच्चों को मेटाडोर से सुरक्षित निकाला गया। डीजल टैंक के लीक होने के कारण मेटाडोर में आग लगी थी। उसका आगे का हिस्सा जलने लगा था। ड्रायवर को जैसे ही पता चला कि मेटाडोर में आग लगी है।

## मुख्यमंत्री मप्र के निवेश के प्रमुख सेक्टरों और उद्योग-अनुकूल नीतियों के बारे में जानकारी देंगे

# असम में सीएम डॉ. यादव ने किए मां कामाख्या देवी के दर्शन, आज निवेशकों से करेंगे वन टू वन संवाद

### सेशन को रॉयल भूटान काउन्सलेट के काउंसिल जनरल जिग्मे थिनायल नामग्याल भी करेंगे संबोधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को गुवाहाटी प्रवास के दौरान मां कामाख्या देवी मंदिर में दर्शन कर राष्ट्रवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि और मध्यप्रदेश एवं असम की निरंतर उन्नति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव ने भी मां कामाख्या देवी मंदिर के दर्शन किए। गुवाहाटी के मां कामाख्या मंदिर परिसर में मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को असम के गुवाहटी में पूर्वोत्तर राज्यों के निवेशकों सहित भूटान के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन चर्चा करेंगे। सेशन को रॉयल भूटान काउन्सलेट के काउंसिल जनरल जिग्मे थिनायल नामग्याल भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश के निवेश के प्रमुख सेक्टरों और उद्योग-अनुकूल नीतियों के बारे में जानकारी देंगे।

### मप्र में आर्थिक विकास और स्थायी अवसरों का रास्ता बन रहा

यह अवसर पूर्वोत्तर और मध्यप्रदेश के उद्योगों के लिए साझी संभावनाओं का नया मार्ग खोलेगा। मध्यप्रदेश की केंद्रीय भौगोलिक स्थिति, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा और बाजार तक आसान पहुंच इसे निवेशकों के लिए सर्वाधिक अनुकूल और एक अनूठा केंद्र बनाती है। मध्यप्रदेश ने उद्योग-अनुकूल नीतियां और क्लस्टर आधारित विकास मॉडल तैयार किए हैं, जिससे निवेशक अपने नए उद्योग की योजना को तेजी से क्रियान्वित कर सकते हैं। राज्य के एग्रो और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में निवेशकों को कृषि उत्पादन और प्रोसेसिंग क्षमताओं का लाभ मिलता है। टैक्सटाइल्स और अपैरल सेक्टर राज्य की परंपरागत और आधुनिक क्षमता का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है, जिससे निर्यात और रोजगार दोनों में वृद्धि संभव होती है।

## छिंदवाड़ा में 10 बच्चों की मौत पर सीएम का कड़ा रुख, कहा-दोषियों को छोड़ेंगे नहीं

# प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर प्रतिबंध सिरप जब्त करने के लिए ताबड़तोड़ छापे

### 'मौत के सौदागर' पर शिकंजा

◆ तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक, द्वारा कोल्ड्रिफ सिरप को 'नॉट ऑफ़स्टैंडर्ड क्वालिटी (एनएसक्यू)' घोषित किया गया है

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा

**सिरप बनाने** वाली फैक्ट्री तमिलनाडु के कांचीपुरम में

**शनिवार की** सुबह जांच रिपोर्ट में सिरप के नमूने अमान्य पाए गए

**कंपनी ने** यह सिरप राजस्थान मप्र और पुडुचेरी में सप्लाई किया था

**राज्य स्तर** पर इस मामले में संयुक्त जांच टीमें बनाई गईं

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कारण बच्चों की मृत्यु कड़ा रुख अपनाया है। सिरप की जांच रिपोर्ट आने पर मध्यप्रदेश में इसकी बिक्री को पूर्णता प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रदेश में अभियान के तौर पर छापेमारी कर कोल्ड्रिफ सिरप को जब्त किया जा रहा है। डॉ. यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा में सिरप के कारण जिन 11 बच्चों की मृत्यु हुई है, उनके परिजन को 4-4 लाख रूपए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही उपचाररत बच्चों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी।

### तमिलनाडु सरकार ने भी सिरप बैन की

इस रिपोर्ट के बाद तमिलनाडु सरकार ने भी पूरे राज्य में कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री और उपयोग पर तुरंत रोक लगा दी। इसके थोक और रिटेल दुकानों से स्टॉक फ्रीज करने के आदेश दिए गए। कंपनी को स्टॉप प्रोडक्शन ऑर्डर जारी किया गया और मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस कैंसिल करने के लिए शो-कॉज नोटिस भेजा गया है।

#### एनआईवी, आईसीएमआर-नीरी, सीडीएससीओ और एम्स, नागपुर के विशेषज्ञों की टीम भी जांच में लगी

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने भी बयान जारी किया है। मंत्रालय का कहना है कि मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध पर, तमिलनाडु एफडीए ने तमिलनाडु के कांचीपुरम में मेसर्स श्रीसन फार्मा के विनिर्माण परिसर से कोल्ड्रिफ कफ सिरप के नमूने लिए थे। इन नमूनों के परीक्षण के परिणाम सामने आए हैं। नमूनों में डीईजी अनुमेय सीमा से अधिक पाया गया।

#### 48.6 फीसदी डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा

*तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक, द्वारा कोल्ड्रिफ सिरप को 'नॉट ऑफ़ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एनएसक्यू)' घोषित किया गया है। शासकीय औषधि विश्लेषक, औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, चेन्नई के परीक्षण अनुसार इस सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा पाई गई 48.6 फीसदी पाई गई है, जो एक जहरीला तत्व है और स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से हानिकारक है। ये जहर किडनी को नष्ट करता है। इसका इस्तेमाल एंटीफ्रीज, पेंट, ब्रेक द्रव और प्लास्टिक में किया जाता है। यह तत्व गुर्दे, यकृत और तंत्रिका तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। छोटे बच्चों में इसके शुरुआती लक्षण मतली, पेट दर्द और कम पेशाब से शुरू होते हैं। ज्यादा गंभीर मामले में यह तेजी से गुर्दे को फेल कर देता है।*

## यूपीएससी ने किया बड़ा बदलाव

# प्रारंभिक परीक्षा के 'तुरंत' बाद जारी होगी उत्तर कुंजी

### आपत्ति दर्ज करने का भी मिलेगा मौका

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सुप्रीम कोर्ट को सिविल सेवा परीक्षा प्रक्रिया में बड़े बदलाव की जानकारी दी है। आयोग ने बताया है कि अब सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा की उत्तर कुंजी परीक्षा के तुरंत बाद जारी की जाएगी।

इसके साथ ही उम्मीदवारों को ऑब्जेक्शन दर्ज करने का मौका भी दिया जाएगा। यह जानकारी आयोग द्वारा दायर एक हलफनामे में दी गई, जो पारदर्शिता बढ़ाने की मांग वाली एक याचिका के जवाब में दाखिल किया गया था। अब तक यूपीएससी की परंपरा रही है कि वह उत्तर कुंजी, अंक और कट-ऑफ केवल पूरी परीक्षा प्रक्रिया समाप्त होने और अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद ही प्रकाशित करता है। लेकिन इन नए फैसले के बाद उम्मीदवारों को परीक्षा के तुरंत बाद अपनी प्रतिक्रियाएं चेक करने का अवसर मिलेगा।

#### हर आपति के पक्ष में कम से कम तीन प्रमाण देने होंगे

*हलफनामें में कहा गया है कि परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों से उत्तर कुंजी के संबंध में अभ्यावेदन या आपत्तियां मांगी जाएंगी। हर आपति के साथ कम से कम तीन प्रामाणिक स्रोतों का हवाला देना अनिवार्य होगा। सभी आपत्तियों की समीक्षा विषय विशेषज्ञों की एक समिति करेगी, जो अंतिम उत्तर कुंजी को तैयार करेगी। इसके आधार पर परिणाम घोषित किए जाएंगे। हालांकि, आयोग यह तय करेगा कि प्रस्तुत स्रोत प्रामाणिक हैं या नहीं। हलफनामे में कहा गया है कि आयोग इन प्रक्रियाओं का पालन यथाशीघ्र शुरू करना चाहता है। गौरतलब है कि पूरी परीक्षा प्रक्रिया लगभग एक वर्ष तक चलती है, ऐसे में जो उम्मीदवार मुख्य परीक्षा में शामिल नहीं हो पाते, उन्हें अपने अंकों, कट-ऑफ या मूल्यांकन के बारे में जानकारी नही मिल पाती थी। इससे उन्हें अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करने का अवसर नहीं मिल पाता। यूपीएससी के इस नए फैसले से लाखों अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी।*

## मीराबाई चानू का कमाल

# विश्व चैंपियनशिप में जीत लिया सिल्वर मेडल, गोल्ड से चूकीं

**उन्होंने कुल 199 किग्रा वजन उठाया**

एजेंसी ⏭ फोर्डे (नॉर्वे)

भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने यहां विश्व चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता।

इसके साथ ही इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में उनका शानदार रिकॉर्ड और मजबूत हो गया, जहां वह पहले भी दो बार पदक जीत चुकी हैं। चानू 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता हैं, उन्होंने कुल 199 किग्रा (स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा) वजन उठाया। पिछली बार उन्होंने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में 115 किग्रा भार उठाया था, जहां उन्होंने रजत पदक जीता था। उत्तर कोरिया की री सोंग गम ने 213 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक और थाईलैंड की थान्याथॉन सुकचारोन ने 198 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक जीता है।

## इधर, टीम इंडिया का कमाल

# भारत ने वेस्टइंडीज को धोया पारी और 140 रन से 'जीत'

**वेस्टइंडीज को 146 पर ही समेटा**

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत ने पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से शिकस्त दे दी। कप्तान के रूप में शुभमन गिल की यह घर में पहली टेस्ट जीत है। स्पिनर्स ने मिलकर कुल 7 विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज की दूरी पारी 146 रन पर सिमट गई। भारत के लिए उप-कप्तान रवींद्र जडेजा ने सर्वाधिक चार विकेट चटकाए। तीन विकेट सिराज के नाम रही। कुलदीप को दो तो सुंदर के नाम एक सफलता रही। इससे पहले भारत ने पहली पारी, केएल राहुल के बाद ध्रुव जुरैल और रवींद्र जडेजा के शतकों की मदद से भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट मैच में दूसरे दिन भी अपना दबदबा बनाए रखा। पहले दिन मेहमान टीम को 162 रनों पर ढेर करने के बाद भारत ने दूसरे दिन शुक्रवार का अंत पांच विकेट के नुकसान पर 448 रन बनाए।

## 87 साल का जीवन, सिनेमा को समर्पित एक आत्मा संध्या शांताराम का गमन

### गायकी से सफर शुरु किया, अभिनय और नृत्य ने बना डाला था लीजेंड

# 'अरे जा हट नटखट' से दिलों में बसने वाली संध्या अब यादों में रहेंगी

एजेंसी ⏭ मुंबई

बॉलीवुड और मराठी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री संध्या शांताराम का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने शनिवार को अंतिम सांस ली, और मुंबई के शिवाजी पार्क स्थित बैकुंठ धाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। संध्या अपने शानदार अभिनय और नृत्य कौशल के लिए जानी जाती थीं।

'अरे जा हट नटखट, 'झनक झनक पायल बाजे', 'दो आंखें बारह हाथ', 'नवरंग' और 'पिंजरा' जैसी क्लासिक फिल्मों में उनके अभिनय को सिनेप्रेमी आज भी याद करते हैं।

### और विजया का नाम संध्या हो गया

उनका असली नाम था विजया देशमुख। वे महाराष्ट्र के एक साधारण परिवार से थीं। उनकी आवाज बहुत मधुर थी और उन्हें गायन में खास रुचि थी। साल 1951 में मशहूर फिल्मकार वी. शांताराम अपनी फिल्म 'अमर भूपाली' के लिए नई प्रतिभाओं की तलाश कर रहे थे। उसी दौरान उनकी मुलाकात विजया (बाद में संध्या) से हुई। शांताराम उनकी आवाज और नैसर्गिक अभिनय से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने विजया को फिल्म में एक गायिका के किरदार में कास्ट किया और यहीं से उनका नाम संध्या रखा गया। यही नाम बाद में उनकी पहचान बन गया।

#### अभिनय से नृत्य तक... संध्या की पहचान

*संध्या ने फिल्मों में भरतनाट्यम और कथक जैसे शास्त्रीय नृत्यों को लोकप्रिय बनाया। उनके भावों की अभिव्यक्ति और स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें 50-60 के दशक की सबसे गरिमामयी अभिनेत्रियों में शामिल किया। वी. शांताराम ने अपनी दूसरी पत्नी जयश्री से अलग होने के बाद संध्या से विवाह किया। दोनों ने साथ में कई यादगार फिल्में बनाईं, जिनमें कला, संगीत और नृत्य का अनोखा संगम देखने को मिला।*


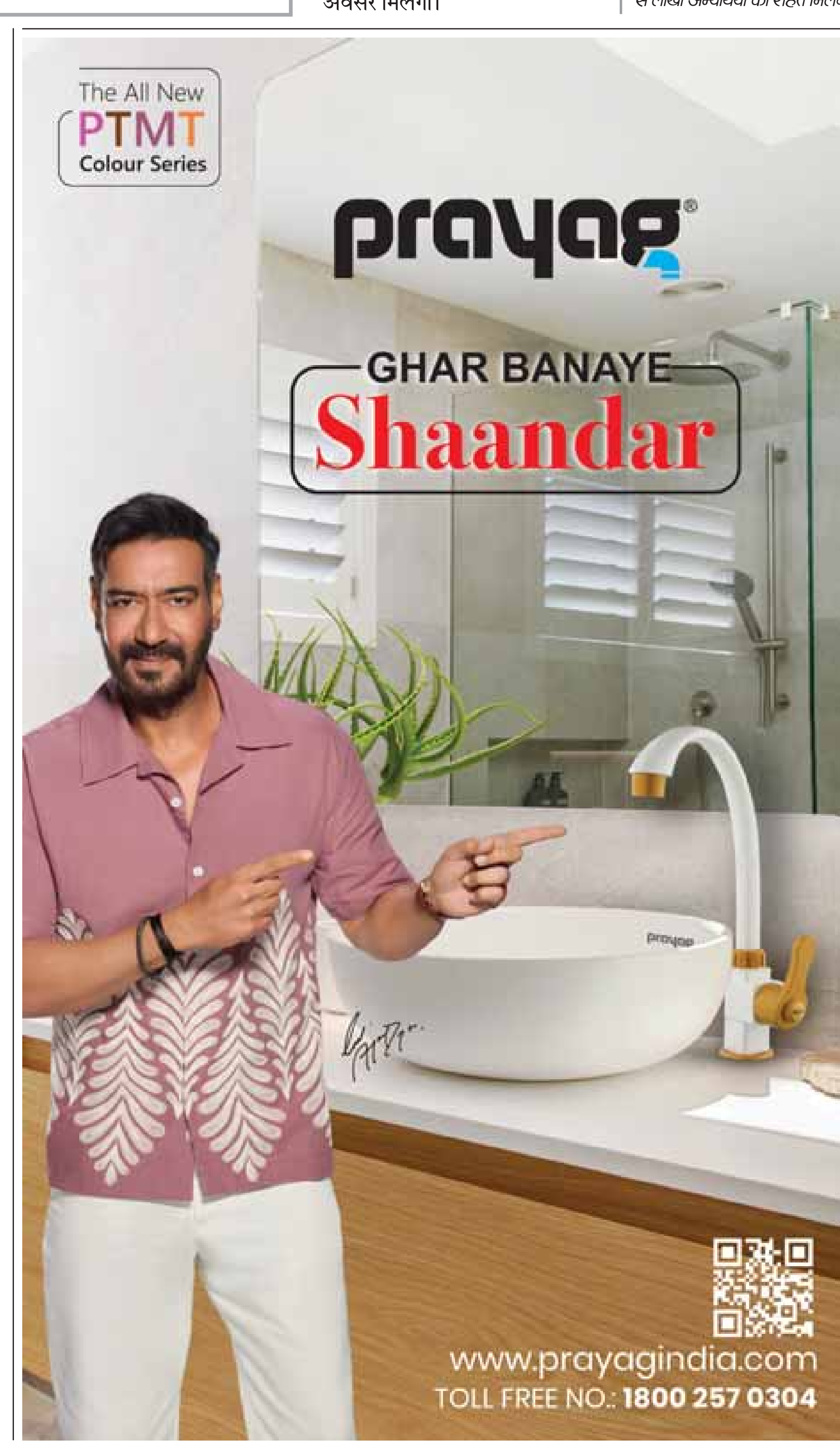

केंद्रीय गृहमंत्री शाह की नक्सलियों को अंतिम चेतावनी

# अब बात करने का कोई मतलब नहीं, हथियार डालने ही होंगे

एजेंसी ▶▶ जगदलपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के दौरे पर बस्तर में मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने बस्तर ज़िले के मुख्यालय जगदलपुर में 'बस्तर दशहरा लोकोत्सव' और 'स्वदेशी मेला' को संबोधित भी किया, इसके साथ ही उन्होंने नक्सलियों को आखिरी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खतरे को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई है। शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों के साथ बातचीत की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की लाभदायक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को स्वीकार करने के बाद उन्हें (नक्सली) हथियार डालने होंगे।

जगदलपुर में 'बस्तर दशहरा लोकोत्सव' और 'स्वदेशी मेला' को संबोधित भी किया

नक्सलियों को हथियार छोड़ मुख्यधारा में लौटने की चेतावनी , विकास को प्राथमिकता

## केंद्र और राज्य सरकार प्रभावित इलाकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध

उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने (नक्सलियों से) बातचीत का आह्वान किया है। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर दूं कि छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार, दोनों ही बस्तर और सभी नक्सल प्रभावित इलाकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब बात करने की क्या बात है? एक आकर्षक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति लागू की गई है। आगे आइए और अपने हथियार डाल दीजिए। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 10 वर्षों में छत्तीसगढ़ को विकास कार्यों के लिए 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक दिए हैं।

### शांति भंग की तो मिलेगा करारा जवाब

शाह ने चेतावनी देते हुए कहा कि हथियारों के बल पर बस्तर की शांति भंग करने वालों को सुरक्षा बल करारा जवाब देंगे। शाह ने का कि दिल्ली में कुछ लोग वर्षों से यह गलत सूचना फैलाते रहे हैं कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई के लिए हुआ था। मैं आदिवासी भाइयों को बताने आया हूँ कि पूरा बस्तर विकास से वंचित रहा है। इसका मूल कारण नक्सलवाद है।

### जगदलपुर में स्वदेशी मेले के स्टॉल का किया अवलोकन

केंद्रीय गृह मंत्रीाँ शाह बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शामिल होने के लिए जगदलपुर पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री मुरिया दरबार, लाल बाग में प्रदर्शनी का अवलोकन, बस्तर दशहरा लोकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। गृह मंत्री के साथ में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी पहुंचे हैं।

## गृहमंत्री शाह ने दंतेश्वरी मंदिर में की पूजा

शाह ने मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना करने के साथ ही बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने व मिशन 2026 की सफलता की कामना की। ये बस्तर की कुलदेवी हैं और शक्ति का अवतार मानी जाती हैं, यह 14वीं शताब्दी में बना एक महत्वपूर्ण शक्तिपीठ है, जो दक्षिण भारतीय वास्तुकला शैली में बना है, मंदिर का महत्व धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक है, जो बस्तर के लोक जीवन का अभिन्न अंग है और बस्तर दशहरा व मड़ई जैसे त्योहारों का केंद्र है।

**बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया**

लालबाग मैदान में शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना 2025 के तहत बस्तर संभाग के जिलों में संचालित होने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शाह ने लालबाग में आयोजित स्वदेशी मेला के स्टॉल का भी अवलोकन किया।

---

## खबर संक्षेप

### गोवा में केजरीवाल ने भरे मंच से मांगी माफी

**पणजी।** आप राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ोवा के माएम में आम आदमी पार्टी के ऑफिस का उद्घाटन किया। उन्होंने भाजपा पर सरकार पर खूब निशाना साधा और गोवा की जनता को लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने मायेम में भी एक क्लीनिक खोलने का वादा किया है। इस दौरान दांव भी चला और लोगों से माफी मांगी।

### पूजा का महामंडलेश्वर पद खत्म किया

**प्रयागराज।** अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पूरी महाराज ने कहा कि पूजा शकुन को निरंजनी अखाड़े में सदस्यता के साथ यह गरिमामयी पद दिया गया था। उनके कृत्यों से निरंजनी अखाड़ा व अखाड़ा परिषद बेहद आहत हुआ है। उन्हें अखाड़ा व महामंडलेश्वर के पद से निष्कासित करने का निर्णय लिया।

### नायडू राइड बुकिंग एप लाएंगे, 15,000 रु.देंगे

**अमरावती।** आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को 'ऑटो चालक सेवालो' योजना का शुभारंभ किया, जिसके तहत राज्य के प्रत्येक ऑटो चालक को 15,000 रुपए की वित्तीय सहायता मिलेगी। नायडू ने आंध्र प्रदेश में ऑटो चालकों के लिए ओला-उबर जैसे नए सरकारी एप की भी घोषणा की।

### 6.5 करोड़ महिलाओं ने कराई स्वास्थ्य जांच

**नई दिल्ली।** पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू किए गए 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत देशभर में आयोजित लगभग 18 लाख स्वास्थ्य शिविरों में 6 करोड़ 50 लाख महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच कराई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने इस अभियान को ऐतिहासिक बताया है।

---

पीएम ने 62,000 करोड़ की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का किया अनावरण

# आज का भारत कौशल को दे रहा प्राथमिकता बिहार को नया कौशल विश्वविद्यालय मिला

केंद्र ने आईटीआई छात्रों के लिए दीक्षांत समारोह की परंपरा शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली पटना

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) के टॉपर्स को सम्मानित किया। पीएम ने कौशल दीक्षांत समारोह 2025 के दौरान 62,000 करोड़ की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का भी अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान पटना से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी जुड़े। प्रधानमंत्री कहा कि कुछ वर्ष पहले हमारी सरकार ने आईटीआई छात्रों के लिए व्यापक स्तर पर दीक्षांत समारोह आयोजित करने की नई परंपरा शुरू की थी। मैं भारत के कोने-कोने से हमारे साथ जुड़ने वाले सभी युवा आईटीआई छात्रों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। यह समारोह इस बात का प्रतीक है कि आज का भारत कौशल को कितनी प्राथमिकता देता है।

## आईटीआई टॉपर्स को सम्मानित कर बोले- बिहार को यह तोहफा

पटना से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीएम और छात्रों से बात भी की

### 10 से ज्यादा छात्र शामिल रहे, 45 टॉपर्स को किया सम्मानित

पीएम मोदी ने कहा कि इस साल भी 10 लाख से ज्यादा छात्र ऑल इंडिया ट्रेड में शामिल हुए। इनमें से 45 टॉपर्स साथियों को मुझे सम्मानित करते का अवसर मिला। इसमें बड़ी संख्या में वो नौजवान शामिल हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। इन्हें देखकर मुझे इनमें लघु भारत नजर आता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की वर्कशॉप है। साल 2014 तक हमारे देश में 10 हजार आईटीआई बने थे। देश आजाद होने के बाद 2014 तक 10 हजार और मोदी के आने के बाद नई 5,000 आईटीआई बने। आज पीएम सेतु योजना का भी शुभारंभ हुआ।

**एनडीए ने बिगड़ी व्यवस्था को पटरी पर लाया**

पीएम मोदी ने कहा कि इस पीढ़ी को शायद अंदाजा नहीं होगा कि ढाई दशक पहले बिहार की शिक्षा व्यवस्था कितनी जर्जर थी। न ईमानदारी से स्कूल खुलते थे, न ही भर्तियां होती थीं। मजबूरी में लाखों बच्चे बिहार छोड़कर वाराणसी, दिल्ली और मुंबई जाने को मजबूर हुए। बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को सरकार की जिम्मेदारी सौंपी औरएनडीए टीम ने मिलकर बिगड़ी हुई व्यवस्था को पटरी पर लाया। कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय मिला है।

### कौशल और परिश्रम का कोई विकल्प नहीं हो सकता

पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भारत में ग्रोथ कम थे। रोजगार भी बहुत कम थे। लेकिन, आज भारत दुनिया के टॉप तीन अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। बड़े उद्योग से लेकर हमारे एमएसएमई में अभूतपूर्व बदलाव हुआ। मुद्रा योजना ने करोड़ों युवाओं को अपना रोजगार शुरू करने में मदद की। पीएम मोदी ने कहा कि हर चीज का विकल्प हो चुका है लेकिन कौशल और परिश्रम का कोई विकल्प नहीं हो सकता है।

पीएम ने युवाओं से किया वर्चुअल संवाद

### यह युवाओं के बेहतर भविष्य की गारंटी

पीएम मोदी नें बिहार के युवाओं के साथ ऑनलाइन संवाद किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार नेतृत्व में बिहार का काफी विकास हुआ है। युवा आयोग, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड समेत कई योजना बिहार के युवाओं के बेहतर भविष्य की गारंटी है। आज बिहार के युवाओं के सशक्तिकरण का यह मेगा प्रोग्राम है। यह दिखाता है कि एनडीए सरकार बिहार के नौजवानों और महिलाओं को कितनी प्राथमिकता देती है। आज 21वीं सदी की मांग है कि हम देश की जड़ों को ध्यान में रखें।

### सीएम नीतीश कुमार ने दिया पीएम मोदी को धन्यवाद

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आज 11 विकास योजनाओं की सौगात मिल रही है। बिहार के युवाओं को नियुक्ति पत्र और 25 लाख छात्रों को छात्रवृति का वितरण किया जा रहा है। सरकार की योजनाओं से बिहार के युवाओं को काफी फायदा होगा। इन सबके लिए मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं। स्टूडेंट क्रेडिट कार्य योजना, स्वयं सहायता भत्ता योजना समेत कई योजना चलाई। 10 लाख नौकरी 40 लाख रोजगार बिहार के युवाओं को दिया गया है।

### छात्र-छात्राओं ने दिया सरकार को धन्यवाद

पीएम मोदी के संवाद कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी समेत बिहार के कई वरिष्ठ मंत्री और सांसद इस कार्यक्रम में जुड़े। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने नीतीश सरकार की उपलब्धियां गिनाई। कहा कि आने समय में एक करोड़ लोगों को बिहार सरकार सरकारी नौकरी और रोजगार देगी। मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ लेने वाली कुमारी संजना ने कहा कि इस योजना के तहत हजार रुपए प्रतिमाह मिलने से काफी लाभ मिला। मैं पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार को धन्यवाद देता हूं। वैशाली निवासी अतुल राज ने कहा कि मैंने पटना सायंस कॉलेज से स्नातक किया है।

---

बिहार चुनाव पर ईसी की दलों के साथ चर्चा

# चुनाव को सौहार्द्र से मनाएं व वोटरों का सम्मान करें

गांधीनगर में राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान के शुभारंभ के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अन्य लोगों के साथ।

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर चुनाव आयोग की टीम और सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के बीच पटना में बैठक हुई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु एवं चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी और बिहार के मुख्य चुनाव अधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल के साथ बिहार के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ यह चर्चा हुई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में बिहार के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ चर्चा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान आयोग ने सभी दलों को सुना और उनकी मांगों पर भी विचार कियाए साथ ही सभी दलों को आगाह भी किया।

### इन अहम मुद्दों पर की बात

- चुनाव आयोग ने कहा कि राजनीतिक दल जनतंत्र की आधारशिला हैं, सभी दलों को पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया के हर पड़ाव पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए
- आयोग ने कहा कि चुनाव के पर्व को सौहार्द से मनाएं, मतदाताओं का सम्मान करें
- आयोग ने आह्वान किया कि चुनाव की पारदर्शिता का अनुभव करें, हर बूथ पर राजनैतिक दल अपने पोलिंग एजेंट नामित करना न भूलें
- राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग के मतदाता लिस्ट को अपडेट करने के लिए एसआईआर के ऐतिहासिक, पारदर्शी और दृढ़ कदम उठाने के लिये धन्यवाद किया और चुनावी प्रक्रिया के प्रति अपनी पूरी निष्ठा और विश्वास को दोहराया
- राजनीतिक दलों ने मतदान केंद्र पर 1,200 मतदाताओं की अधिकतम संख्या निर्धारित करने के लिए आयोग का धन्यवाद किया

### 1-2 चरणों में चुनाव कराएं: भाजपा

सभी दलों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने सुझाव और मांग को चुनाव आयोग के सामने रखा। भाजपा ने चुनाव आयोग के सामने 16 सूत्री मांग और सुझाव रखे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा ने 1-2 चरणों में चुनाव कराने की मांग की है। भाजपा ने मतदाताओं को चुनाव प्रारंभ होते ही वोटर स्लिप सही तरीके से बांटने की मांग की है। भाजपा ने चुनाव के एक दिन पूर्व विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय पैरामिलिट्री फोर्स का फ्लैग मार्च कराने की भी मांग रखी तथा चुनाव के दिन जिला और विधानसभा क्षेत्र का बोर्डर सील कराने की मांग की।

---

बरेली बवाल पर कार्रवाई

# नफीस के 'बरातघर' पर चला बुलडोजर, फरहत का घर सील

एजेंसी ▶▶ बरेली

यहां बवाल के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद जिला प्रशासन ने उनकी अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई तेज कर दी है। बीडीए ने शनिवार को आरोपी डॉ. नफीस के जखीरा स्थित बरातघर रज़ा पैलेस पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। उधर, फाइक एन्कलेव में मौलाना तौकीर रजा को शरण देने वाले फरहत के मकान को सील कर दिया गया है। वहीं सैलानी में अतिक्रमण पर नगर निगम का बुलडोजर से चला है। डॉ. नफीस और उसके बेटे को जेल भेजा जा चुका है। उसकी मार्केट को बवाल के बाद सील कर दिया गया था। अब उसके बरातघर पर कार्रवाई हुई है। मौके पर पहुंचे किला इंस्पेक्टर सुभाष ने बताया कि आला अधिकारियों के निर्देश पर फोर्स तैनात की गई है। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी या सीलिंग की इसकी जानकारी नहीं है। इस दौरान अधिकारी मौजूद रहे।

## गंगा के ऊपर पुल पर लटकी बस

**सभी 16 यात्री सुरक्षित**

**प्रयागराज।** दिल्ली जा रही रामपुर डिपो की एक यूपी रोडवेज बस अचानक अनियंत्रित होकर गंगा पुल पर रैलिंग से टकरा गई। बस रैलिंग से बाहर निकलकर गंगा की ऊपर झूल गई। थोड़ी रफ्तार और तेज होती तो बस गंगा में समा सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे के वक्त बस में 16 यात्री सवार थे। चीख पुकार के बीच आसपास के लोगों ने यात्रियों को बाहर निकाला।

शिवराज ने लालू परिवार पर बोला हमला

# किडनी देने वाली बेटी का भी तिरस्कार विपक्ष परिवारवाद और कुर्सीवाद में उलझा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लालू परिवार को निशाने पर लिया है। चौहान ने कहा कि बिहार में हो रहे विकास को देखकर विपक्ष कुंठित है। उन्होंने लालू की बेटी रोहिणी आचार्य का नाम लिए बिना लालू परिवार में चल रही लड़ाई पर बयान दिया। चौहान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विपक्ष परिवारवाद और कुर्सीवाद में उलझ गया है। किडनी देने वाली बेटी का भी तिरस्कार हो रहा है, कौन होगा इसी पर महाभारत मची हुई है, एक यहां है, एक वहां है और वहां से भी तय नहीं कर रहे हैं कि कौन होगा यहां?

### राहुल की कुंठा विदेश में निकल रही

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कुंठा देश में नहीं विदेश में निकल रही है। शिवराज ने कहा, कि वह विदेश में जाकर देश को बदनाम करने का पाप और अपराध कर रहे हैं और जो देश को दुनिया में बदनाम करते हैं, जनता उनको कभी स्वीकार नहीं करती है।

---

दिल्ली में कोर्ट में बाधा डालने का एक अजीबोगरीब मामला

पुलिस ने किया गिरफ्तार

# सुनवाई में सिगरेट और शराब पीता रहा हिस्ट्रीशीटर, बदन पर सिर्फ अंडरवियर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में कोर्ट की कार्यवाही में बाधा डालने का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है जो सिगरेट और शराब पीते हुए अंडरवियर पहनकर कोर्ट की सुनवाई में पेश हुआ। इस पर कोर्ट के रिकॉर्ड कीपर ने शिकायत दर्ज कराई थी। दिल्ली पुलिस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हो रही कोर्ट की सुनवाई में बाधा डालने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह सिगरेट और शराब पीते हुए

अंडरवियर में सुनवाई में पेश हुआ था। पुलिस ने बताया कि गोकुलपुरी निवासी 32 साल का मोहम्मद इमरान एक हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ दिल्ली भर में लूट, झपटमारी और अन्य अपराधों के 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। तीस हजारी कोर्ट के रिकॉर्ड कीपर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था।

### बार-बार निर्देश के बावजूद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मौजूद रहा

नार्थ दिल्ली के डीसीपी राजा बंठिया ने कहा कि आरोप है कि 16 और 17 सितंबर को एक अज्ञात व्यक्ति अकीब अखलाक नाम से अदालत की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुआ। वह सिगरेट और शराब पीते हुए अपने अंडरवियर में दिखाई दिया। बार-बार जाने के निर्देश दिए पर भी मौजूद रहा, जिससे कार्यवाही में व्यवधान पैदा हुआ। आईपी एड्रेस और कॉल डेटा रिकॉर्ड की जांच से पता चला कि संदिग्ध ने कई फर्जी ईमेल आईडी का इस्तेमाल किया।

---

सीतारमण ने लॉन्च किया 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' कैंपेन

# 1.84 लाख करोड़ की वित्तीय संपत्तियां मालिकों को ही मिलेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कैंपेन लॉन्च किया है। 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' अभियान के जरिए बैंकों और रेगुलेटरी के पास बिना दावे वाली संपत्तियों को उनके मालिकों को दिया जाएगा। यह अभियान 3 महीने तक चलेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने शनिवार को कहा कि बैंकों और नियामकों के पास 1.84 लाख करोड़ की वित्तीय संपत्तियां बिना दावे के पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये संपत्तियां उनके असली मालिकों तक पहुंचें।

## केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि यह अभियान 3 महीने चलेगा

ये संपत्तियां बैंकों में बिना दावे के पड़ी

### आपकी सारी राशि सुरक्षित

सीतारमण ने कहा कि दावे के बिना धनराशि बैंकों, आरबीआई या आईईपीएफ (निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष) के पास पड़ी है। हमें इन निधियों के असली मालिकों और दावेदारों का पता लगाना होगा और उन्हें धन सौंपना होगा। उन्होंने भरोसा दिया कि वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के अनुसार, 1,84,000 करोड़ वहां पड़े हैं। यह राशि सुरक्षित है। मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि यह पूरी तरह सुरक्षित है। आप जब चाहें उचित कागजात के साथ आएं। आपको धन दिया जाएगा। सरकार इसकी संरक्षक है। मंत्री ने कहा कि अगर किसी वजह से संपत्ति पर लंबे समय तक दावा नहीं किया जाता है, तो उसे एक संस्था से दूसरी संस्था में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

### अधिकारियों से 3 पहलुओं पर काम करने को कहा

केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री ने कहा कि बैंकों और नियामकों के पास बैंक जमा, बीमा, भविष्य निधि या शेयरों के रूप में 1.84 लाख करोड़ रुपएकी वित्तीय संपत्तियां बिना दावे के पड़ी हैं। उन्होंने अधिकारियों से तीन महीने के अभियान के दौरान इन बिना दावे वाली संपत्तियों को उनके असली मालिकों तक पहुंचाने के लिए तीन पहलुओं- जागरूकता, पहुंच और कार्रवाई - पर काम करने का आग्रह किया।

### पोर्टल के जरिए आसानी से मिलेगा पैसा

उन्होंने कहा कि जमा राशि के मामले में यह बैंकों से आरबीआई के पास जाता है, और शेयर या इसी तरह की संपत्तियों के मामले में यह सेबी से 'किसी अन्य केंद्र या आईईपीएफ'में जाता है। सीतारमण ने कहा कि आरबीआई ने यूडीजीएएम (अनक्लेम्ड डिपॉजिट्स गेटवे टू एक्सेस इन्फॉर्मेशन) पोर्टल बनाया है। इसलिए, यह एक बिना दावे वाले क्षेत्र से दूसरे बिना दावे वाले क्षेत्र में जा रहा है। जैसे ही आप दावा करेंगे, आपको यह मिल जाएगा। इसलिए, मुझे सच में लगता है कि अब समय आ गया है कि हम सभी इस बारे में सभी को बताएं।

जबलपुर

रविवार, 5 अक्टूबर 2025

आश्विन मास शुक्ल पक्ष–12

वर्ष : 20, अंक : 158

पृष्ठ : 14 मूल्य : 3 .00 *

मौसम

अधि. 31

न्यून. 24

# हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com


### बैतूल आईटीआई की छात्रा त्रिशा सेंट्रल जोन में टॉपर

## राष्ट्रीय मेरिट में प्रदेश की एकमात्र छात्रा, पीएम के हाथों सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल

बैतूल की शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई की छात्रा त्रिशा तावड़े ने सेंट्रल जोन इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने 1200 में से 1187 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। राष्ट्रीय मेरिट सूची में नाम दर्ज करने वाली त्रिशा प्रदेश की एकमात्र छात्रा हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 अक्टूबर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर पीएम सेतु योजना सहित अन्य कौशल विकास कार्यक्रमों का भी शुभारंभ हुआ। समारोह में केंद्रीय मंत्री और क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उईके भी उपस्थित रहे।

■ 1200 में से 1187 अंक हासिल किए

### पीएम मोदी ने राहुल और राजद पर साधा निशाना

# ‘जननायक पद’ की चोरी हो रही, बिहार वाले सावधान!

**पिछले दिनों वोटर अधिकार यात्रा के समय कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी को तो पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने तेजस्वी यादव को जननायक बताया था**

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पीएम सेतु योजना की लांचिंग और आईटीआई दीक्षांत समारोह के मौके पर आयोजित युवा संवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन से राहुल गांधी और बिहार की लालू-राबड़ी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के जननायक पद की चोरी की कवायद की जा रही है। बिहार के लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

### भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के नाम पर विवि

पिछले दिनों वोटर अधिकार यात्रा से समय कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी को तो पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने तेजस्वी यादव को जननायक बताया था। कांग्रेस के ट्विटर हैंडल पर राहुल गांधी को जननायक बताकर पोस्ट किया गया था। युवा संवाद को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को नई स्किल यूनिवर्सिटी मिली है। नीतीश सरकार ने इस यूनिवर्सिटी का नाम भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के नाम पर रखा है। मैं बिहार के लोगों को कहूंगा चौकन्ने रहिए। यह जननायक पद कर्पूरी ठाकुर से ही शोभाएमान है। बिहार की जनता ने उनकी कृति को देखते हुए यह सम्मान दिया। आजकल कुछ लोग जननायक की भी चोरी करने में लग गए हैं। इसलिए बिहार के लोगों से जागृत रहने का आग्रह करता हूं।

### राजद ने बिहार नाम के पेड़ की जड़ों में कीड़ा लगा दिया था

पीएम ने कहा कि भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर ने अपना पूरा जीवन समाज की सेवा और शिक्षा विस्तार के लिए लगा दिया। उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति भी आगे बढ़े। उनके नाम पर बनने वाले इसके लिए यूनिवर्सिटी इस सपने को आगे बढ़ने का माध्यम है। बिहार के हजारों युवा हमारे साथ जुड़े हैं। दो-ढाई दशक पहले बिहार में शिक्षा व्यवस्था कैसी थी, इसका अंदाजा उन्हें नहीं होगा। एक भी ढंग के संस्थान नहीं थे। ईमानदारी से स्कूल नहीं खुलते थे। कोई भर्ती नहीं होती थी। मजबूरी में लाखों बच्चों को बिहार छोड़कर दूसरे राज्यों में पढ़ने जाना पड़ता था। असली पलायन यहीं से शुरू होता था। पीएम ने कहा कि जिस पेड़ की जड़ों में कीड़ा लग जाता है उसे फिर से जीवित करना बहुत बड़ा पराक्रम होता है। राजद के कुशासन में बिहार की हालत उसी पेड़ की तरह हो गई थी। सौभाग्य से बिहार के लोगों ने नीतीश कुमार को मौका दिया और एनडीए की पूरी टीम मिलकर बेपटरी बिहार को फिर पटरी पर ले आया। आज यहां इस कार्यक्रम में भी इसकी झलक दिख रही है।

## खबर संक्षेप

### मंच टूटा, एक महिला की मौत 15 हुए घायल

**जबलपुर**। शहर के उपनगरीय क्षेत्र गढा के दशहरा चल समारोह के दौरान अप्रिय दुर्घटना हो गई।

समारोह के स्वागत के लिए बनाए गए एक मंच का टेंट टूट गया, जिसकी चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई। शुक्रवार को रात को क्षेत्र में स्थापित की गई देवी प्रतिमाओं के विसर्जन से पूर्व चल समारोह निकला। इस दौरान चल समारोह के स्वागत के लिए सड़क पर जगह-जगह मंच बनाए गए थे और टेंट लगाए गए थे।

### प्रेमानंद महाराज की तबीयत बिगड़ी

**मथुरा**। संत प्रेमानंद की यात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। यात्रा उनके

स्वास्थ्य को देखकर रद्द की गई है। पिछले दो दिनों से वह पदयात्रा में नहीं आ रहे थे, लेकिन उनकी झलक पाने की चाह लिए श्रद्धालु सड़क पर ही खड़े रहते थे। श्री राधे हित केलि कुंज आश्रम की ओर से सोशल मीडिया एकाउंट के जरिए लोगों को संदेश दिया गया है कि संत महाराज का स्वास्थ्य अभी ठीक नहीं है।

### कोचिंग सेंटर में भीषण धमाका, दो की मौत

**फर्रुखाबाद**। शहर के सेंट्रल जेल चौराहे के पास संचालित सन लाइब्रेरी सेल्फ स्टडी प्वॉइंट कोचिंग के बाहर गेट पर शनिवार

दोपहर तीन बजे जोरदार विस्फोट हो गया। भीषण विस्फोट के दौरान कोचिंग में पढ़ रहे नौ छात्र-छात्राएं घायल हो गए। वहीं दो छात्रों आकाश सक्सेना व आकाश कश्यप की मौत हो गई। इस हादसे की जगह उठ रही बारूद की दुर्गंध अवैध पटाखा भंडारण की ओर इशारा कर रही है। वहीं, अधिकारी सेफ्टी टैंक में मीथेन के रिसाव को विस्फोट की वजह मान रहे हैं।

### विदा होने का नाम नहीं ले रहा ‘मानसून’, पिछले साल 5 अक्टूबर को चला गया था

# मानसून तुम कब जाओगे?

**इतनी बारिश के बाद अब लोगों के मन में यही सवाल**

*मानसून लगातार कभी भी कहीं भी सक्रिय हो जाता है और अचानक बारिश से सबको चकित कर जाता है। दीवाली से काफी पहले तक चले जाने वाले मानसून की विदाई अभी तक संभव नहीं हो पाई है। साफ है कि अब बारिश का पैटर्न बहुत बदल गया है।*

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के कुछ हिस्सों में अभी बादल, बारिश का दौर जारी है। यह क्रम 7 अक्टूबर तक ऐसे ही चलेगा। इसके दो से तीन दिन बाद बारिश थमते ही 10 अक्टूबर से पहले दक्षिण पश्चिमी मानसून भोपाल से विदाई लेगा। लेकिन प्रदेश के कुछ हिस्सों में यह दो-तीन दिन और ठहरेगा। प्रदेशभर से मानसून की विदाई पिछले साल की तारीख यानि 14 अक्टूबर के आसपास होने की प्रवल संभावना है।

प्रदेश के जिन जिलों से मानसून विदा ले चुका है, वहां हल्की गुलाबी सर्दी जल्द शुरू जाएगी। भोपाल में भी 15 अक्टूबर के बाद हल्की गुलाबी सर्दी शुरू होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार प्रदेश और आसपास अभी दो-तीन सिस्टम होने से 7 अक्टूबर तक बारिश का यह दौर चलेगा। लेकिन 10 अक्टूबर से पहले राजधानी से मानसून विदाई लेगा।

**इस बार अनुमान**
**10 को भोपाल व 14 को प्रदेश से मानसून की विदाई**

*दीपावली तक शुरू होगी हल्की गुलाबी सर्दी*

*अभी ट्रफ और आसपास सिस्टम से 7 अक्टूबर तक ऐसा रहेगा मौसम*

### अक्टूबर में मानसून विदाई का ट्रेंड

मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार पिछले तीन साल से प्रदेश से अक्टूबर में मानसून की विदाई का ट्रेंड है। अरब सागर में शुक्रवार-शनिवार से जो तूफान शक्ति सक्रिय है, यह दरअसल बंगाल की खाड़ी से होकर अरब सागर की ओर बढ़ा है। दो दिन पहले यह खाड़ी में डीप डिप्रेशन के रूप था। इसके बाद आगे बढ़कर तूफान में बदल गया है। यह अभी लगातार आगे बढ़ रहा है, जो अगले दो दिन में ओमान की ओर बढ़कर अरब सागर में ही कमजोर हो जाएगा।

### आज यहां मध्यम बारिश का अलर्ट

मौसम केंद्र के अनुसार रविवार से सोमवार तक भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, मंदसौर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, रीवा, सतना, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा आदि जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है।

### महाकाल दर्शन को आए 6 श्रद्धालु शिप्रा नदी में बहे, टीम ने बचाई जान

**उज्जैन**। उज्जैन, देवास और इंदौर में हुई तेज बारिश के बाद शनिवार को शिप्रा नदी का जल स्तर अचानक बढ़ गया।

उज्जैन का रामघाट पूरी तरह जलमग्न हो गया और नदी का बहाव तेज हो गया। इसी दौरान यूपी से महाकाल दर्शन आए 6 श्रद्धालु स्नान के दौरान बहाव में फंस गए। मौके पर मौजूद एसडीआरएफ, होमगार्ड और मां शिप्रा तैराक दल के सदस्यों ने तुरंत रेस्क्यू कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना शनिवार सुबह की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। शनिवार सुबह उत्तर प्रदेश से आए 6 श्रद्धालु महाकाल के दर्शन से पहले रामघाट पर स्नान कर रहे थे। इस दौरान शिप्रा नदी का पानी तेज बहाव में था। गहराई का अंदाजा न लग पाने के कारण सभी श्रद्धालु अचानक नदी के अंदर चले गए और बहने लगे।

### बड़ा सवाल कि इन्हें किसने फेंका?

# छतरपुर के तालाब में पोटली में मिले ‘सैकड़ों’ वोटर कार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ छतरपुर

जिले के बिजावर नगर में शनिवार सुबह राजा तालाब की सफाई के दौरान सैकड़ों असली मतदाता परिचय पत्र पानी में मिले हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी मतदाता परिचय पत्र वार्ड नंबर 15 के हैं। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई है। सफाईकर्मी जब राजा तालाब की सफाई कर रहे थे, तभी पानी में एक बैग तैरता हुआ दिखाई दिया। बैग को बाहर निकाला गया तो उसमें सैकड़ों ओरिजिनल वोटर आईडी कार्ड बरामद हुए।

*ये सभी मतदाता परिचय पत्र वार्ड नंबर 15 के*

**कांग्रेस बोली**

### यह राहुल गांधी की मुहिम को सही ठहराने वाली घटना

कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष एवं संभागीय प्रवक्ता दीप्ति पांडे ने कहा कि बिजावर की यह तस्वीर राहुल गांधी की ‘वोट चोर गद्दी छोड़’ मुहिम को साफ तौर पर दर्शा रही है। इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

### करीब 500 वोटर आईडी कार्ड मिले

मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना नगर परिषद और प्रशासनिक अधिकारियों को दी। प्रत्यक्षदर्शी हीरालाल साहू ने बताया कि बैग में करीब 400 से 500 वोटर आईडी कार्ड थे, जिनमें मेरे बेटे का कार्ड भी शामिल है। वहीं मतदाता रितेश अग्निहोत्री ने कहा, ये सभी कार्ड वार्ड नंबर 15 के हैं और पूरी तरह असली हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ये वोटर कार्ड हैं, जो अब तक नागरिकों को बांटे नहीं गए थे। इससे बड़ा सवाल उठ रहा है कि इतनी बड़ी संख्या में वोटर कार्ड तालाब में कैसे पहुंचे और इन्हें किसने फेंका?

### डॉ. भागवत ने मां शारदा के दर्शन किए

# संघ प्रमुख उतैली में प्रांत स्तरीय विस्तारक वर्ग को संबोधित करेंगे

*दो दिवसीय दौरे पर आए हैं सरसंघचालक*

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैहर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत दो दिवसीय दौरे पर मध्य प्रदेश आए हैं।

शनिवार को उन्होंने मैहर जिले में स्थित मां शारदा धाम में मातारानी के दर्शन किए। वे सतना के उतैली में संघ के प्रांत स्तरीय विस्तारक वर्ग को संबोधित करेंगे। वे यहां विजय ग्राउंड में सभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद वे नागपुर रवाना होंगे। उनके आगमन को लेकर मैहर और सतना को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। डॉ. भागवत शनिवार सुबह मैहर पहुंचे और मां शारदा देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की है।

### भांग से शिवलिंग क्षरण का लगा आरोप

# भांग श्रृंगार मामले में कोर्ट जाएंगे महाकाल मंदिर के सभी पुजारी

*महेश पुजारी का दावा-शास्त्रों में भगवान पर भांग चढ़ाने और लेपन करने का प्रमाण उपलब्ध*

हरिभूमि न्यूज ⏭ उज्जैन

महाकालेश्वर मंदिर में भांग श्रृंगार को

लेकर सवाल उठाने पर महाकाल मंदिर पुजारी समिति ने कोर्ट जाने की बात कही है। मंदिर के महेश पुजारी ने सभी पुजारी-पुरोहितों की तरफ से पूर्व कमिश्नर डॉ. मोहन गुप्त को पत्र लिखा है। जिसमें उन पर मंदिर के पुजारी-पुरोहित की छवि बिगाड़ने का आरोप लगाया है। पत्र में कहा है कि आपने भांग चढ़ाने और श्रृंगार करने को शास्त्र विरोधी बताया है लेकिन शास्त्रों में भगवान पर भांग चढ़ाने और लेपन करने का प्रमाण उपलब्ध है। पुजारियों पर मोटी रकम लेकर परंपरा के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया है।

### ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे और टी20 टीम का ऐलान

# अब वनडे की भी कमान संभालेंगे शुभमन गिल, रोहित की जगह बने कप्तान

*श्रेयस अय्यर वनडे में टीम के उपकप्तान होंगे, विराट भी टीम में*

*भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से वनडे सीरीज*

एजेंसी ⏭ मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे और टी20 टीम का ऐलान कर दिया है। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि श्रेयस अय्यर वनडे में टीम के उपकप्तान होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19

अक्टूबर से वनडे सीरीज खेली जाएगी। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने शनिवार को टीम की कप्तानी पर बड़ा निर्णय लिया है।

### विराट की वापसी श्रेयस का प्रमोशन

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए जो टीम चुनी गई है उसमें विराट कोहली को भी शामिल किया गया है। कोहली मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद पहली बार भारत के लिए खेलते दिखेंगे। वहीं, श्रेयस अय्यर का प्रमोशन हुआ है और उन्हें वनडे टीम का उपकप्तान बनाया गया है। श्रेयस वनडे टीम के अहम खिलाड़ी हैं और अब वह लीडरशीप की भूमिका में भी नजर आएंगे।

### पूर्व मंत्री व कांग्रेस नेता वर्मा का विवादित बयान

# कैबिनेट मंत्री विजयवर्गीय को कह दिया राजनीति का ‘रावण’

**दी चुनौती- मैं गलत हूं तो मानहानि का दावा कर दें**

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

पूर्व मंत्री कांग्रेस नेता सज्जनसिंह वर्मा ने कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पर निशाना साधा है। उन्होंने विजयवर्गीय को राजनीति का रावण बताया। वर्मा ने उन पर करोड़ों के घोटाले का आरोप भी लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें कभी भी मंत्रिमंडल से बाहर किया जा सकता है। वर्मा पहले भी कैलाश विजयवर्गीय पर कई विवादित टिप्पणियां कर चुके हैं। वर्मा के इस बयान पर अभी तक विजयवर्गीय या भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वर्मा ने कहा कि ईडी के छापों ने पोल खोल दी है। अभी और नाम सामने आएंगे। वर्मा ने कहा कि इस मुद्दे को मैंने पहले ही उठाया था, अब सुप्रीम कोर्ट में इसकी सुनवाई चल रही है। मैं गलत हूं तो मानहानि का दावा कर दें।

**वर्मा पहले भी कैलाश विजयवर्गीय पर कई विवादित टिप्पणियां कर चुके हैं**

### मौत की जांच के लिए बनी एसआईटी के सामने सिंगर के बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी ने किया खुलासा

# असमिया गायक जुबीन गर्ग को जहर दिया गया था, आखिरी पलों में वे हांफ रहे थे, मुंह और नाक से झाग निकल रहा था

**साजिश को छिपाने के लिए जानबूझकर एक विदेशी जगह को चुना**

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इन दिनों असमिया सिंगर जुबीन गर्ग की मौत को लेकर जांच चल रही है। इस दौरान सिंगर के एक बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी ने नया खुलासा किया है। गोस्वामी ने एसआईटी को बताया है कि जुबीन गर्ग को जहर दिया गया।

गोस्वामी ने अपने बयान में जुबीन गर्ग के शो के आयोजक श्यामकानु महंत और मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा ने जहर दिया। साथ ही इस साजिश को छिपाने के लिए जानबूझकर एक विदेशी जगह को चुना। गोस्वामी ने यह भी बताया कि मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा ने उन्हें यॉट के वीडियो शेयर करने से मना किया था। साथ ही सिंगर के बैंडमेट शेखर ने यह आरोप भी लगाया कि मैनेजर ने खुद शराब अरेंज करने पर जोर दिया था। आयोजकों को इसके लिए मना कर दिया। इस बात से ही शक बढ़ जाता है। शेखर ने कहा कि आखिरी पलों में जुबीन गर्ग हांफ रहे थे, मुंह और नाक से झाग निकल रहा था। लेकिन मैनेजर ने इन बातों को एसिड रिफ्लक्स बताकर खारिज कर दिया। वह कहते सुनाई दिए- जाबो दे, जाबो दे (जाने दो, जाने दो)। इस बयान पर आगे जांच होगी।

**आयोजक श्यामकानु महंत और मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा ने रची साजिश**

**मैनेजर ने जुबीन की हालत पर कहा कि ऐसा एसिड रिफ्लेक्स से हुआ**

### किस तरह हुई जुबीन गर्ग की मौत

सिंगर जुबीन गर्ग का निधन 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग दुर्घटना में हुआ। सिंगर जुबीन, पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के लिए सिंगापुर में थे। जुबीन गर्ग की मौत से उनके फैंस काफी दुखी हुए।

### जुबीन की पत्नी को सौंपी गईं दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट

असम पुलिस ने शनिवार को सिंगापुर से आई जुबीन गर्ग की दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट उनकी पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग को सौंप दी। एसआईटी का एक अधिकारी यह रिपोर्ट सौंपने के लिए गुवाहाटी के काहिलीपारा इलाके में गरिमा के घर गया था। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी कहा था कि राज्य सरकार ने सिंगापुर में हुए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट गुरुवार को गरिमा को सौंप दी है।

पीएम मोदी के मिशन 'सुदर्शन चक्र' लक्ष्य का हिस्सा

किसी भी तरह के हवाई खतरों से बेहतर सुरक्षा मिलेगी

## भारत 6 नए एके-630 एयर डिफेंस गन सिस्टम खरीदेगा

*यह सिस्टम 30 मिमी मल्टी बैरल मोबाइल एयर डिफेंस गन होगा, जिसकी फायरिंग दर बहुत तेज है। इसका इस्तेमाल यूएवी, रॉकेट, आर्टिलरी और मोर्टार जैसी खतरनाक हमलों से रक्षा और अंतरराष्ट्रीय सीमा व नियंत्रण रेखा के पास प्रमुख आबादी और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए किया जाएगा*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना ने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर घोषित महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय सुरक्षा पहल मिशन 'सुदर्शन चक्र' के तहत एके-630 एयर डिफेंस गन सिस्टम खरीदने के लिए स्टेट ओनड एडवांस्ड वेपन एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल) को टेंडर जारी किया है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि सेना ने 6 एके-630 एयर डिफेंस गन सिस्टम्स की खरीद के लिए रिक्वेस्ट ऑफ प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया है।

### आबादी की सुरक्षा हो सकेगी

इसका इस्तेमाल यूएवी, रॉकेट, आर्टिलरी और मोर्टार (यूआरएएम) जैसी खतरनाक हमलों से रक्षा और अंतरराष्ट्रीय सीमा व नियंत्रण रेखा के पास प्रमुख आबादी और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए किया जाएगा।

## एक मिनट में 3000 राउंड फायर, 4 किमी की रेंज, पाकिस्तान सीमा पर होगी तैनाती

### मई में हुआ था परीक्षण

सेना ने मई में एके-630 का आंतरिक परीक्षण किया था, जो पाकिस्तान के साथ संघर्ष के तुरंत बाद हुआ। परीक्षणों में सिस्टम ने प्रशिक्षण हवाई लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से नष्ट किया, हालांकि कुछ सुधार के क्षेत्रों की पहचान भी की गई। साल के चार दिवसीय सीमा पार संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर, पंजाब, गुजरात और राजस्थान के सीमावर्ती राज्यों में नागरिकों और धार्मिक स्थलों पर सीधे हमले किए थे।

### आयरन डोम की तरह करेगा काम

*मिशन सुदर्शन चक्र आंशिक रूप से इजरायल की प्रसिद्ध आयरन डोम की तरह मॉडल किया गया है। इसका उद्देश्य 2035 तक भारत के लिए एक व्यापक, बहु स्तरीय, स्वदेशी सुरक्षा ढाल तैयार करना है, जिसमें निगरानी, साइबर सुरक्षा और एयर डिफेंस सिस्टम को एकीकृत किया जाएगा।*

### हर मौसम में कारगर

*यह गन सिस्टम ट्रेलर पर माउंट किया जाएगा और उच्च गतिशीलता वाले वाहन से टो किया जाएगा। सिस्टम में ऑल वेदर इलेक्ट्रो ऑप्टिकल फायर कंट्रोल सिस्टम के जरिए लक्ष्य का पता लगाने और उसे निशाना बनाने की क्षमता होगी। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, इन गन सिस्टम की जरूरत ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महसूस हुई, जब पाकिस्तान सेना ने जम्मू कश्मीर, पंजाब, गुजरात और राजस्थान के सीमावर्ती राज्यों में नागरिकों और धार्मिक स्थलों पर सीधे हमले किए थे। अब इनकी तैनाती से इन इलाकों में हवाई खतरों से बेहतर सुरक्षा मिलेगी।*

### स्वदेशी सिस्टम का पहला परीक्षण पूरा

भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) के बनाए स्वदेशी इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम (आईएडीडब्ल्यूएस) का पहला परीक्षण कामयाब रहा था। यह टेस्ट 24 अगस्त को ओडिशा के तट पर किया गया था। आईएडीडब्ल्यूएस एक मल्टीलेयर एयर डिफेंस सिस्टम है, ये दुश्मन के हवाई हमले नाकाम करेगा। इसमें सभी स्वदेशी क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम), एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें (वीएसएचओआरएडीएस) और हाई पावर लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (डीईडब्ल्यू) शामिल हैं।

---

## खबर संक्षेप

### प्रत्यर्पण से बचने नीरव ने ली कोर्ट की शरण

**नई दिल्ली।** पंजाब नेशनल बैंक से धोखाधड़ी का आरोपी भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी ने कहा है कि अगर उसे भारत भेजा गया तो जांच एजेंसियां पूछताछ के दौरान टॉर्चर करेंगी। इसको लेकर उसने लंदन की वेस्टमिंस्टर कोर्ट में प्रत्यर्पण केस पर फिर से सुनवाई की मांग की है, जो 23 नवंबर को हो सकती है। एक अधिकारी ने कहा कि हमने इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। अभी उससे पूछताछ की जरूरत नहीं है। हमारी जांच लगभग पूरी हो चुकी है। उसे सिर्फ मुकदमे का सामना करना है।

### यूएस में भारतीय युवक की गोली मारकर हत्या

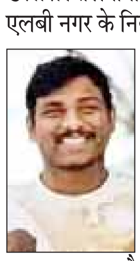

**डलास।** तेलंगाना के हैदराबाद स्थित एलबी नगर के निवासी 25 वर्षीय पोले चंद्रशेखर की अमेरिका के डलास शहर में लुटेरों ने गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। वह उच्च शिक्षा के साथ-साथ एक गैस स्टेशन पर पार्ट-टाइम नौकरी कर रहा था। शुक्रवार सुबह कुछ अज्ञात लुटेरे स्टेशन में घुसे और लूटपाट के इरादे से गोलीबारी शुरू कर दी। चंद्रशेखर को सीने में दो गोलियां लगीं और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी सांसें थम गईं। डलास पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया है, लेकिन जांच जारी है।

---

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हवाई हमला

## पैसेंजर ट्रेन और स्टेशन पर दागे बम, 30 लोग घायल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूक्रेन के उत्तरी क्षेत्र सुमी में रूस ने हवाई हमलों में एक पैसेंजर ट्रेन को निशाना बनाया गया है। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह ह्रीहोरोव ने बताया कि रूसी हमले में रेलवे स्टेशन और कीव जा रही ट्रेन को टारगेट किया गया। ट्रेन को काफी नुकसान पहुंचा है। ओलेह ने कहा कि इस हमले में 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं, राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि सुमी क्षेत्र के शोस्तका में रेलवे स्टेशन पर एक क्रूर रूसी ड्रोन हमला हुआ।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने क्षतिग्रस्त, जलती हुई यात्री बोगी और अन्य बोगियों की खिड़कियां उड़ती हुई दिखाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया।

जेलेंस्की ने कहा कि इस घटना में कई रेलकर्मी भी घायल हुए हैं। उन्होंने इसे आतंकवाद बताया जिसकी दुनिया को अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

### गैस संयंत्रों को बनाया निशाना

एक दिन पहले शुक्रवार को रूस ने यूक्रेन की सरकारी ऊर्जा कंपनी नाफ्टोगैज के ठिकानों पर 35 मिसाइलें और 381 ड्रोन दागे थे। ये हमले खारकीव और पोल्टावा क्षेत्रों में हुए थे। नाफ्टोगैज के सीईओ सर्जी कोरेत्स्की के अनुसार यह अब तक की सबसे बड़ी बमबारी थी जिससे गैस उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ। इस हमले में करीब 8000 उपभोक्ताओं की बिजली कट गई। उन्होंने कहा कि हमारे कई प्लांट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, कुछ जगहों पर नुकसान बहुत गंभीर है। इस हमले का कोई सैन्य औचित्य नहीं है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की थी कि उसकी सेनाओं ने यूक्रेन के गैस और ऊर्जा ढांचे पर बड़े पैमाने पर रातभर हमले किए। रूस ने दावा किया कि उसने सैन्य-औद्योगिक स्थलों को भी निशाना बनाया है। सर्दियों के करीब आते ही रूस ने यूक्रेन के एनर्जी स्ट्रक्चर पर हमले तेज कर दिए हैं।

### पावर ग्रिड पर हमला, बिजली गुल

रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने शनिवार रात को यूक्रेन के पावर ग्रिड पर हमला किया। क्षेत्रीय ऑपरेटर चेर्निहिवोब्लेनेर्गो के अनुसार, हमले से रूसी सीमा के निकट उत्तरी शहर चेर्निहिव के पास ऊर्जा सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं और ब्लैकआउट हो गया, जिससे लगभग 50,000 घर प्रभावित होंगे। चेर्निहीव के सैन्य प्रशासन के प्रमुख दिमित्रो ब्रायजिन्स्की ने पुष्टि की कि शहर पर रात के समय हुए रूसी हमले के कारण कई स्थानों पर आग लग गई।

---

पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले टीआरएफ पर बड़ी कार्रवाई

यूएपीए की धारा 25 के तहत लिया एक्शन

## श्रीनगर में सरगना सज्जाद गुल की 2 करोड़ रु. की 'संपत्ति' कुर्क

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

पहलगाम टेरर अटैक को लेकर श्रीनगर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने शनिवार को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकवादी समूह 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के संस्थापक सज्जाद गुल की दो करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क कर दी।

सज्जाद पर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का आरोप है। इसमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टूवाला मारा गया था।

एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने रोज एवेन्यू, एचएमटी में स्थित 15 मरला जमीन (सर्वे संख्या 43 मिनट, एस्टेट खुशीपोरा) पर बने एक तीन मंजिला आवासीय मकान को कुर्क किया है।

राजस्व रिकॉर्ड और तहसीलदार सेंट्रल श्रीनगर के अनुसार, लगभग 2 करोड़ रुपए मूल्य की यह संपत्ति गुलाम मोहम्मद शेख, पुत्र ख्वाजा अनवर शेख, नामित आतंकवादी सज्जाद अहमद शेख उर्फ सज्जाद गुल के पिता के नाम दर्ज है।

पुलिस के अनुसार यह कुर्की श्रीनगर पुलिस की आतंकवाद के वित्तीय, रसद और संचालन नेटवर्क को ध्वस्त करने की चल रही रणनीति का हिस्सा है। इसमें उनके सीमा पार प्रायोजक और समर्थक भी शामिल हैं। यह कार्रवाई एक स्पष्ट संदेश देती है कि आतंकवाद को सहायता देने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं को सख्त कानूनी परिणाम भुगतने होंगे

*कार्रवाई कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में की गई*

राष्ट्र विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने में शामिल रहा है

### एफआईआर दर्ज की थी

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुर्की की कार्रवाई पुलिस स्टेशन परिमपोरा में दर्ज एफआईआर के तहत की गई है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई एफआईआर संख्या 235/2022 के तहत की गई है, जो कि थाना परिमपोरा में यूएपीए की धाराएं 13, 38, 20 और ईआईएमसीओ एक्ट की धाराएं 2/3 के अंतर्गत दर्ज है। यह कार्यवाही गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 25 के तहत शुरू की गई थी। जो अधिकारियों को आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल की गई या इस्तेमाल की जाने वाली संपत्तियों को कुर्क करने का अधिकार देती है।

### पुलिस कार्रवाई ने दिया बड़ा संदेश

*पुलिस के अनुसार, यह कुर्की श्रीनगर पुलिस की आतंकवाद के वित्तीय, रसद और संचालन नेटवर्क को ध्वस्त करने की चल रही रणनीति का हिस्सा है। इसमें उनके सीमा पार प्रायोजक और समर्थक भी शामिल हैं। पुलिस ने आगे कहा कि यह कार्रवाई एक स्पष्ट संदेश देती है कि आतंकवाद को सहायता देने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं को सख्त कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। इसमें अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को जब्त करना भी शामिल है। टीआरएफ अनुच्छेद 370 के बाद अस्तित्व में आया। पुलिस के अनुसार यह 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले सहित कई आतंकी हमलों में शामिल रहा है।*

### संपत्ति पिता के नाम सज्जाद हितधारक

यह कार्रवाई तहसीलदार सेंट्रल शालटेंग द्वारा सत्यापन के बाद कार्यपालक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पूरी की गई। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि संपत्ति आतंकवादी के पिता के नाम पर पंजीकृत है, लेकिन जांच से पता चला है कि सज्जाद गुल इसमें एक सक्रिय हितधारक है। उन्होंने कहा कि सज्जाद आतंकवाद को बढ़ावा देने, राष्ट्र-विरोधी प्रचार करने और अलग-अलग ऑनलाइन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकार के खिलाफ असंतोष भड़काने में शामिल रहा है।

---

## मंत्री मांडविया ने मलेशिया में की साइकिलिंग

**कुआलालम्पुर।** केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को मलेशिया के टिटिवांगसा पार्क में प्रवासी भारतीयों के साथ साइकिलिंग की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि टिटीवांग्सा पार्क में साइकिलिंग का आनंद लिया। इस दौरान प्रवासी भारतीयों के साथ अपनेपन को महसूस किया। मांडविया भारत सरकार की ओर से 'सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि' के लिए अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ पुरस्कार 2025 प्राप्त करने के लिए मलेशिया दौरे पर हैं। मलेशिया में 29 लाख से ज्यादा भारतीय मूल के लोग रहते हैं।

---

सोनम वांगचुक की पत्नी का आरोप

## मेरी आवाजाही पर हो रही है निगरानी कार से पीछा कर रहे, कर्मचारी अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने उनके आवागमन पर लगातार नजर रखने का आरोप लगाया है। अंगमो ने बताया कि दिल्ली में हर जगह उनका पीछा किया जा रहा है।

वे जहां भी जाती हैं एक कार उनका पीछा करती है। साथ काम करने वाले एक कर्मचारी को हिरासत में लिया गया है। वह पुलिस हिरासत में है और उसे पीटा जा रहा है और मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, एक शीर्ष संस्था के सदस्य का फोन आया कि उन्हें डीएसपी का फोन आया है और इसमें कहा गया है कि कुछ लोग (सोनम वांगचुक) से मिल सकते हैं लेकिन जब यह लिखित में मांगा गया तो उन्होंने इंकार कर दिया।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और कानून मंत्री को लिखे पत्र के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा उनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को किसी भी तरह का कोई खतरा नहीं है।

---

अरब सागर में बंदरगाह बनाने के लिए पाकिस्तान का प्रस्ताव

## अमेरिका बलूचिस्तान के पसनी में पोर्ट बनाए, खनिजों तक पहुंच आसान होगी

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सलाहकारों ने अमेरिका से बलूचिस्तान में एक पोर्ट डेवलप करने का प्रस्ताव दिया है। पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिकी निवेशक बलूचिस्तान के पसनी शहर में अरब सागर के किनारे एक नया पोर्ट डेवलप करके चलाएं।

प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि यह बंदरगाह सिर्फ व्यापार और खनिजों के लिए है। अमेरिका का कोई सैन्य बेस बनाने की इजाजत नहीं होगी।

### 11 हजार करोड़ की लागत से रेल लाइन बिछेगी

फाइल फोटो

*इस प्रस्ताव के तहत एक नई रेल लाइन भी बनेगी जो इस बंदरगाह को पश्चिमी प्रांतों से जोड़ेगी। इसकी लागत करीब 1.2 अरब डॉलर (11 हजार करोड़ रुपए) हो सकती है। अमेरिकी विदेश विभाग, व्हाइट हाउस या पाक के विदेश मंत्रालय ने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।*

### बांग्लादेश सरकार ट्रंप को लीज पर देगी सेंट मार्टिन द्वीप

ट्रंप ने बांग्लादेश के पूर्वी सेंट मार्टिन द्वीप में रिसॉर्ट (रिवेरा) निर्माण का प्लान बनाया है। यहां पर विदेशियों के लिए स्पेशल जोन बनेगा। बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने ट्रंप के साथ मुलाकात की थी। ये लीज 99 साल की होने वाली है। सेंट मार्टिन द्वीप बंगाल की खाड़ी में 9 वर्ग किमी में फैला हुआ है।

---

पाक सेना का बलूचियों पर कहर

## 3 दिन पहले अगवा किए लोगों के गोलियों से छलनी शव मिले

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इस सप्ताह बलूचिस्तान में चार शवों की खोज ने प्रांत में जबरन गायब किए जाने और हत्याओं की चल रही लहर पर आक्रोश को फिर से भड़का दिया है। परिवारों और अधिकार समूहों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और राज्य समर्थित मिलिशिया को नागरिकों के खिलाफ व्यवस्थित हिंसा के लिए दोषी ठहराया है। तीन लोगों की पहचान उम्मेद के पुत्र कुद्दूस बलूच, दिलवाश के पुत्र नीक साल बलूच और अर्ज मुहम्मद के पुत्र नजर अर्ज मुहम्मद के रूप में हुई है, जो केच जिले के बुलेदा के सोराप बांध क्षेत्र में मृत पाए गए। तीनों सीमा पार व्यापार में लगे ड्राइवर थे।

उनके परिवारों ने बताया कि 30 सितंबर को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और सरकार समर्थक मिलिशिया, जिसे स्थानीय तौर पर 'डेथ स्क्वाड' कहा जाता है, के सदस्यों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। अगले दिन, 1 अक्टूबर को, गोलियों से छलनी उनके शव मिले।

---

## जापान में तकाइची पहली महिला पीएम

**टोक्यो।** जापान को पहली बार महिला पीएम मिलने जा रही है। सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को नया अध्यक्ष चुना है। जापान में बहुमत वाली पार्टी का अध्यक्ष ही पीएम बनता है। ताकाइची पूर्व पीएम शिंजो आबे की करीबी मानी जाती हैं। ताकाइची ने पूर्व पीएम जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे को हराकर चुनाव जीता। कोइजुमी अभी देश के कृषि मंत्री हैं। ताकाइची को पीएम बनाने के लिए जल्द ही संसद में वोटिंग होगी।

---

## अमेरिका में शटडाउन जारी, डेमोक्रेट्स समर्थन देने को राजी नहीं

14 अक्टूबर तक शटडाउन रहने की आशंका

## ट्रंप चौथी बार फंडिंग बिल पास कराने में फेल, गैरजरूरी सरकारी कामकाज 'ठप'

*सीनेट में 60 की जगह सिर्फ 54 वोट मिले 7 लाख कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजा गया*

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को लगातार चौथी बार फंडिंग बिल पास नहीं करा पाए। इस वजह से देश में लगातार चौथे दिन भी शटडाउन जारी है। संसद के ऊपरी सदन (सीनेट) में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के फंडिंग बिल को 54 वोट मिले, जबकि इसे 60 वोट की जरूरत थी। फंडिंग बिल पास न होने से गैरजरूरी सरकारी कामकाज ठप है। वोटिंग के बाद विपक्षी डेमोक्रेट्स सांसद हॉल छोड़कर चले गए।

दरअसल, डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि कोविड के समय दी गई टैक्स क्रेडिट्स (हेल्थ केयर सब्सिडी) बढ़ाई जाए। जिससे लाखों अमेरिकियों को सस्ता स्वास्थ्य बीमा मिल सके। बता दें, अमेरिका में सरकार को हर साल अपना बजट पास कराना पड़ता है। अगर संसद बजट पर सहमत नहीं होती, तो फंडिंग बिल पास नहीं होता और सरकार को मिलने वाला पैसा रुक जाता है।

### डेमोक्रेट्स का समर्थन जरूरी

100 सदस्यों वाली सीनेट में 53 रिपब्लिकन और 47 डेमोक्रेट हैं। 2 निर्दलीय सांसद बिल का समर्थन कर चुके हैं। रिपब्लिकन पार्टी के लिए डेमोक्रेट्स का समर्थन जरूरी है, लेकिन फिलहाल वे बिल के पक्ष में वोट देने को राजी नहीं हैं। रिपब्लिनक नेता जॉन थ्यून का आरोप है कि डेमोक्रेट्स ने कट्टर समर्थकों के दबाव में आकर सरकार को बंद कर दिया। सेना, बॉर्डर एजेंट और एयर ट्रैफिक कंट्रोलर बिना वेतन काम कर रहे हैं।

### बुधवार से शुरू हुआ शटडाउन

*अमेरिका में मंगलवार को वोटिंग के बाद बुधवार से शटडाउन लागू हुआ था। यहां, सरकारी संस्थान फिलहाल बंद हैं। सीनेट में सोमवार से पहले कोई वोटिंग नहीं करेगा। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स (निचला सदन) में भी अगले हफ्ते की सभी वोटिंग 14 अक्टूबर तक के लिए रद्द हो चुकी है।*

### शटडाउन के लिए ट्रंप जिम्मेदार

*वहीं डेमोक्रेट नेता चक शूमर कह चुके हैं कि ट्रंप अमेरिका के हेल्थ केयर प्रोग्राम को सिक्योर करने से इनकार कर रहे हैं और शटडाउन के लिए जिम्मेदार हैं। स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि सरकार का खुला रहना पूरी तरह डेमोक्रेट्स के हाथ में था।*

### हाईकोर्ट का फैसला, क्वार्टर खाली कराने के आदेश के खिलाफ दायर याचिका निरस्त

# सरकारी क्वार्टर परिवार के रहने के लिए है, न कि पालतू जानवरों के लिए

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा कि सरकारी आवासीय परिसर में रहने वाले को उस परिसर के अन्य निवासियों की सुविधा के लिए निर्धारित अनुशासन का पालन करना जरूरी है। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने कोर्ट ने कहा कि सरकारी क्वार्टर परिवार के रहने के लिए है, न कि पालतू जानवरों के लिए। पड़ोसियों की शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि याचिकाकर्ता डॉग पालना चाहते हैं, तो वह किराए का मकान लेकर अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। ऐसा भी नहीं है कि उसे इतने बड़े शहर में किराए पर मकान नहीं मिल रहा है। इस मत के साथ कोर्ट ने वह याचिका खारिज कर दी जो व्हीकल फैक्ट्री के आवासीय क्वार्टर को खाली कराने के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी।

व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर के जूनियर वर्क्स मैनेजर सैफ उल हक सिद्दीकी की ओर से यह याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया कि व्हीकल फैक्ट्री के सेक्टर 2 में उसे सरकारी आवास आवंटित किया गया था। लेकिन पड़ोसियों की शिकायत पर फैक्टरी प्रशासन ने क्वार्टर खाली करने के आदेश इसलिए दिए थे कि उन्होंने अपने घर में कई डॉग्स को पाल रखा है, यह आदेश अवैधानिक है। तर्क दिया गया कि पशु क्रूरता अधिनियम के तहत पालतू पशुओं की देखरेख करना उसका दायित्व है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के द्वारा पाले गए डॉग्स से पड़ोसियों को परेशानी हो रही थी। ऐसे में फैक्ट्री प्रशासन द्वारा क्वार्टर से बेदखली का आदेश सही है। कोर्ट ने यह भी कहा कि डॉग को पालने की यदि याचिकाकर्ता पर जिम्मेदारी है, तो वह जबलपुर शहर में कहीं भी मकान लेकर उसे निभा सकता है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि याचिकाकर्ता आवास का मालिक नहीं है बल्कि उसे क्वार्टर परिवार के साथ रहने के लिए आवंटित किया गया है।

## प्रवेश पत्र पर विवि के नाम के आधार पर लिया गया निर्णय अनुचित : हाईकोर्ट

**जबलपुर**। मप्र हाईकोर्ट ने प्रवेश पत्र पर विश्वविद्यालय के नाम को आधार बनाकर लिए गए निर्णय को अनुचित करार दिया। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने विवि द्वारा परीक्षा का आयोजन व परिणाम घोषित होने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया निरस्त करने को ठीक नहीं माना। इसी के साथ विवि का आदेश निरस्त करने का आदेश पारित कर दिया। इससे याचिकाकर्ताओं को राहत मिल गई।

याचिकाकर्ता शहडोल निवासी रवि कुमार पटेल व रूपा त्रिपाठी सहित अन्य की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि शहडोल के पंडित शंभूनाथ शुक्ल विवि ने सहायक ग्रेड-थ्री, पुस्तकालय सहायक व प्रयोगशाला तकनीशियन सहित अन्य पदों के लिए विज्ञापन निकाला था। जिसके आधार पर परीक्षा का आयोजन किया गया। किंतु अंत में नियुक्ति प्रक्रिया महज इस तर्क के आधार पर निरस्त कर दी कि प्रवेश पत्र में विवि का संक्षिप्त नाम पंडित एसएन शुक्ल के स्थान पर पंडित शंभूनाथ शुक्ल अंकित हो गया, इससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि परीक्षा पढ़े-लिखे स्नातकों की थी, तो वे विश्वविद्यालय के नाम को लेकर भला कैसे भ्रमित हो सकते हैं।

### 25 हजार की जगह अब देना होगा 1.25 लाख का शुल्क, वह भी नहीं होगा वापस

# स्टेट बार काउंसिल का चुनाव लड़ना हुआ पांच गुना महंगा

हरिभूमि जबलपुर।

स्टेट बार काउंसिल का चुनाव लड़ना अब आसान नहीं रह गया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने एक आदेश के जरिए नामांकन शुल्क में सीधे पांच गुना बढ़ोत्तरी कर दी है, जो कि रिफंडवेल भी नहीं है। जिससे प्रत्याशियों में खासा रोष है। जिसकों लेकर विरोध के स्वर भी उठ रहे है। पहले एसबीसी का चुनाव लड़ने के लिये नामांकन फीस पच्चीस हजार रुपये थी, जिसे बढ़ाकर एक लाख पच्चीस हजार रुपये कर दिया गया है। इतना ही नहीं उक्त राशि अब वापस भी नहीं होगी।

बताया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 सितंबर को एक आदेश जारी करके स्टेट बार काउंसिल के चुनावों के लिए सात सदस्यीय चुनाव समितियां गठित करके 31 जनवरी 2026 तक सभी चुनाव कराने के निर्देश बार काउंसिल ऑफ इण्डिया को दिए थे। सुको के इसी आदेश के बाद बार काउंसिल ऑफ इण्डिया द्वारा मप्र स्टेट बार काउंसिल को एक पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि लॉ ग्रेजुएट्स के नामांकन के लिए पहले फीस 16 हजार रुपए थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने घटाकर 6 सौ रुपए कर दी है। स्टेट बार काउंसिल की आय घटने के कारण अब स्टेट बार काउंसिल के पास चुनावी खर्च के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं बच रही। इसके लिए जरूरी है कि नामांकन की फीस 25 हजार से बढ़ाकर 1 लाख 25 हजार रुपए की जाए। मप्र स्टेट बार काउंसिल की मौजूदा कार्यकारिणी का कार्यकाल अगले माह पूरा होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में जनवरी 2026 तक नई कार्यकारिणी के चुनाव कराये जाने है।

### वैकेशन में प्रत्याशियों ने शुरू किया जनसंपर्क

आगामी कार्यकारिणी को लेकर चुनाव की तैयारी कर रहे प्रत्याशियों ने जहां नामांकन शुल्क बढ़ाये जाने पर रोष व्यक्त किया है तो वहीं अपनी जोर अजमाईश भी शुरु कर दी है। दशहरा पर्व पर पड़ी छुट्टियों पर अपना भाग्य आजमा रहे प्रत्याशियों ने वकीलों के घरों में पहुंचकर जन संपर्क करना शुरु कर दिया है। वहीं सोशल मीडिया पर भी मतदाताओं से अपने पक्ष में मत का प्रयोग करने की अपील की जा रहीं है।

### शुल्क बढ़ाया जाना अनुचित- सैनी

एसबीसी के वाईस चेयरमेन आरके सिंह सैनी ने कहा है कि चुनाव में नामांकन शुल्क सीधे पांच गुना बढ़ाया जाना अनुचित है। इसकों लेकर एसबीसी ने बीसीआई को पत्र भेजकर अपनी आपत्ति दर्ज करायी है। जल्द ही बीसीआई की सामान्य सभा की बैठक होने वाली है, जिसमें संभवतः शुल्क घटाने पर विचार विमर्श होगा।

### अन्नदाताओं ने दुखी मन से कलेक्टर से की शिकायत

# अधिकारी नहीं उठाते किसानों के फोन!

**जबलपुर**। किसानों के गैर राजनैतिक, वर्ग विहीन, राष्ट्रीय संगठन भारत कृषक समाज के पदाधिकारियों ने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह से भेंट कर किसानों की ओर से शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि गांव, खेत, किसान व कृषि के सभी विभागो से जुड़े अधिकांश अधिकारी, कर्मचारी किसानों व ग्रामीण जनो के फोन नही उठाते, यदि कभी कभार उठा लेते हैँ तो उनका व्यवहार अत्यंत रूखा एवं चिड़चिड़ा रहता है, व्हाट्सअप के मैसेज भी संज्ञान में नही लिए जाते, कार्यालयों में उनसे मिलना बहुत दूभर होता है। पहले तो चपरासियो की खुशामद करना पड़ती है, जैसे तैसे अंदर जाने मिलता है तो किसानों से अछूतों जैसा व्यवहार किया जाता है. अधिकारी के सामने खड़े रहकर गिड़गिड़ा कर,निराश होकर, अपने स्वाभिमान से समझौता कर लुटा, असहाय व दुखी मन से घर लौट आता है। अन्नदाता की यह स्थिति अत्यंत असहनीय व पीड़ा दायक है।

कलेक्टर से मांग की गई की वे कृषि से संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित करें कि वे किसानों के साथ मधुर व्यवहार करें तथा अपने कार्यालय में सम्मान पूर्वक उनकी समस्या सुनकर निराकरण कर उन्हें संतुष्ट करें । साथ ही किसानों के फोन उठाएं तथा उन्हें उचित जवाब देवे, किसानों के व्हाट्सएप मैसेज संज्ञान में लिए जाएं। ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं के सम्बन्ध में अखबारो में प्रकाशित समाचारों को अधिकारी संज्ञान में लेकर कार्यवाही करें।

भारत कृषक समाज के अध्यक्ष इंजी. के के अग्रवाल ने कहा कि यह विडंबना है अन्नदाता को केवल दिखावे में अन्नदाता कहा जाता है, वास्तव में दिल से किसी ने उसे अन्नदाता स्वीकार किया ही नहीं, नहीं तो उसकी यह दुर्दशा नहीं होती। किसान को कभी अन्नदाता जैसा सम्मान नही मिला। श्री अग्रवाल ने बताया की किसानों का सम्मान पुनर्स्थापित करने एक अभियान चलाया जायेगा, जिसमे जिला तथा तहसील स्तर पर सभी कार्यालयों में अधिकारियों से भेंट कर चर्चा की जाएगी तथा इस सम्बन्ध में उनको पत्र सौपकर आश्वासन लिया जायेगा। इसके अलावा किसानों ने अपनी अन्य मांगों में किसानों के लंबित भुगतान शीघ्र कराने, धान की पंजीयन अवधि बढ़ाने, नहरों से अंतिम छोर तक सिचाई हेतु पानी उपलब्ध कराने के साथ ही प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजनांतर्गत निर्मित ग्राम सिमरिया से छपरी लापता सड़क का मुद्दा प्रमुख रूप से उठाया । इस अवसर पर भारत कृषक समाज के रामकिशन पटेल, विवेक पटेल, संजय जैन, जितेंद्र देसी, सुशील जैन, हरनारायण सिंह राजपूत, रामेश्वर अवस्थी, प्रशांत जैन, महेन्द्र पटेल, संतोष बर्मन आदि उपस्थित थे।

### संत रविदास विचार मंच की सभा आज

**जबलपुर**। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 05 अक्टूबर को मध्यान्ह 12.30 बजे से लालकुंआ पोलीपाथर में तुलसीराम एवं चंदाबाई के निवास पर मंच की सभा आयोजित है। सभा के मुख्य अतिथि रामसिपाही सेठ होंगे, जो अध्यक्षता करेंगे। सभा में सदस्यता अभियान विषय पर चर्चा की जाएगी। मंच के तुलसीराम चौधरी, अनिल, दिनेश अहिरवार, मीना चौधरी, श्यामाबाई, रामबाई, सियाबाई, मोहनलाल चौधरी, श्यामलाल चौधरी, बृजलाल चौधरी, डॉ. मानिकलाल जाटव, आशु चौधरी सहित अन्य ने सभा में उपस्थिति की अपील की है।

### माँ सिद्धिदात्री, माँ काली जवारा विसर्जन चल समारोह आज

**जबलपुर**। माँ सिद्धिदात्री मंदिर समिति द्वारा इस शारदेय नवरात्र पर 22 सितम्बर को मां के (घट) जवारे रखे गए थे, जिनका विसर्जन चल समारोह 05 अक्टूबर को मंदिर प्रांगण से निकाला जाएगा। सर्वप्रथम 101 जवारा कलशों की पूजा अर्चना मुन्नू पंडा द्वारा की जाएगी तदोपरांत शाम 7.30 बजे विसर्जन चल समारोह हनुमानताल तालाब के लिए आरंभ होगा। उपस्थिति की अपील संस्कारधानी के सभी धर्म प्रेमियों से मंदिर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र जांगड़े, अखिल पटारिया, राजू पटारिया, मंदिर समिति एवं 360 गौत्रीय खटीक समाज ने की है।

### संगमरमरी वादियों में गूंजेंगे भजन

# भेड़ाघाट में दो दिवसीय नर्मदा महोत्सव आज से

**जबलपुर**। संगमरमरी सौंदर्य के लिए मशहूर पर्यटन स्थल भेड़ाघाट में नर्मदा महोत्सव का आयोजन 5 और 6 अक्टूबर को होगा। नर्मदा महोत्सव का यह लगातार 22 वें वर्ष आयोजन होगा। पूर्व के वर्षों की तरह नर्मदा महोत्सव का इस बार का आयोजन भी धुआंधार जलप्रपात के समीप मुक्ताकाशी मंच पर होगा। खास शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित किये जा रहे इस दो दिवसीय आयोजन में भजनों की सरिता बहेगी, वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य और पराक्रम पर केन्द्रित नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की जायेगी एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा भरतनाटयम और शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया जायेगा। वहीं, राजस्थानी लोक नृत्य कालबेलिया चरी और घूमर का आनंद भी नर्मदा महोत्सव में दर्शक ले सकेंगे।

जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद द्वारा जिला प्रशासन, जिला पंचायत, नगर निगम जबलपुर, नगर परिषद भेड़ाघाट एवं जबलपुर विकास प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित किये जा रहे नर्मदा महोत्सव के पहले दिन 5 अक्टूबर की सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण ₹हर हर शंभु₹ फेम पूरी की सुश्री अभिलिप्सा पांडा के भजन होंगे। वहीं, दूसरे दिन 6 अक्टूबर की सांस्कृतिक संध्या में मधुबनी की सुश्री मैथिली ठाकुर और पँजाब के लखवीर सिंह लक्खा अपनी सुरीली और खनकती आवाज में भजनों का गायन कर भक्ति रस की सरिता बहायेंगे।

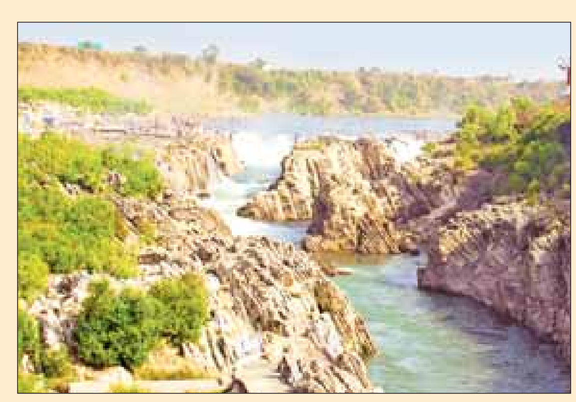

### नर्मदा महोत्सव के पहले दिन का आकर्षण

नर्मदा महोत्सव के पहले दिन 5 अक्टूबर का आकर्षण प्रख्यात भजन गायिका सुश्री अभिलिप्सा पांडा द्वारा भजनों की प्रस्तुति होगी । महोत्सव के पहले दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत शाम 7 बजे माँ नर्मदा की पूजा अर्चना से शुरू होगी।
पहले दिन के कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्रीउदय प्रताप सिंह होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक करेंगी। राज्य सभा सदस्यविवेक कृष्ण तन्खा, विधायकअजय विश्नोई, विधायकनीरज सिंह, विधायकलखन घनघोरिया, विधायकसुशील तिवारी इंदु, विधायकसंतोष वरकड़े एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा गोंटिया को कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।
नर्मदा महोत्सव के पहले दिन की सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत शाम 7.30 बजे कटनी के युवराज सिंह के शास्त्रीय गायन से होगी । शाम 7.45 बजे जबलपुर की सुश्री कामना नायक एवं उनके समूह के कलाकारों द्वारा भरतनाट्यम एवं रात 8 बजे से राजस्थान केजवाहरनाथ एवं समूह द्वारा कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति दी जायेगी। पुरी की सुश्री अभिलिप्सा पांडा द्वारा भजनों का गायन रात 8.15 बजे से प्रारंभ होगा।

### दूसरे दिन का आकर्षण

नर्मदा महोत्सव के दूसरे और समापन दिवस 6 अक्टूबर को भी शाम 7 बजे नर्मदा पूजन, अतिथियों के स्वागत व दीप प्रज्जवलन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। दूसरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि प्रदेश के लोक निर्माण मंत्रीराकेश सिंह होंगे। प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)धर्मेंद्र सिंह लोधी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसदआशीष दुबे, विधायकनीरज सिंह एवं डॉ अभिलाष पांडे, नगर निगम जबलपुर के महापौरजगत बहादुर सिंह अन्नु एवं भेडाघाट नगर परिषद के अध्यक्षचतुर सिंह विशिष्ट के रूप में मौजूद रहेंगे। दूसरे दिन की सांस्कृतिक संध्या में शाम 7.30 बजे संस्कार भारती जबलपुर की ओर से कमलेश यादव एवं उनके समूह द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती पर केंद्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जायेगी। शाम 7.45 बजे राजस्थान के जवाहर नाथ ग्रुप द्वारा चरी और घूमर नृत्य की प्रस्तुत किये जायेंगे। रात 8.05 बजे से मधुबनी की सुश्री मैथिली ठाकुर तथा रात 9 बजे से पंजाब के लखवीर सिंह लक्खा द्वारा भजनों का गायन होगा। नर्मदा महोत्सव के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी आयोजन स्थल पर व्यंजन मेला का आयोजन किया जायेगा तथा हस्तशिल्प सामग्री की प्रदर्शनी लगाई जायेगी।

### प्रवेश निशुल्क रहेगा

शरद पूर्णिमा पर भेडाघाट में धुआंधार जलप्रपात के समीप बने मुक्ताकाशी मंच पर दोनों दिन शाम 7 बजे से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आमजनों का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

### ग्रामीण कांग्रेस के बैनर से मचा बवाल, जबलपुर के चल दशहरा समारोह में लगाया था मंच

# बैनर से पूर्व मंत्री गायब, सांसद को दिया अंतिम स्थान

हरिभूमि, जबलपुर।

इन दिनों कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में अपना वजूद बचाने के लिए पसीना बहाती इस पार्टी को जैसे तैसे बड़े नेता सही राह पर लाते हैं और इनके कुछ नेता दोबारा आपसी मनमुटाव को लेकर पार्टी को गर्त की ओर खींच लाते हैं। जबलपुर के चल दशहरा समारोह में भी ऐसा ही नजारा देखने मिला। जहां ग्रामीण कांग्रेस ने स्वागत मंच तो लगाया पर यहां लगा बैनर चर्चा का विषय बन गया। दरअसल हुआ यूं कि बैनर में पूर्व वित्त मंत्री तरुण भानोत का फोटो गायब था। इसके साथ ही सांसद विवेक कृष्ण तन्खा को भी अंतिम में जगह दी गई। इस मामले में पूर्व वित्त मंत्री ने यहां तक कह दिया कि मुझे ये लोग नेता नहीं मामनते तो क्या कहूं।

### शहर में मंच नगर अध्यक्ष को जानकारी नहीं

बात बैनर तक ही सीमित नहीं रही। नगर के मध्य लगे मंच पर शहर कांग्रेस के लोगों को स्थान भी नहीं मिला। बड़ा सवाल तो ये है कि जब इस पूरे मामले में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा से बात की गई तो उनका कहना था हमें जानकारी ही नहीं दी गई। कार्यकर्ताओं के फोन आए तो पता चला कि ऐसा कोई मंच भी लगाया गया है। पूर्व वित्त मंत्री का फोटो न लगाना और हमारे सांसद को अंत में स्थान देना ठीक बात तो नहीं है।

### सोशल मीडिया में हो रहा ट्रोल

दशानन पर प्रभु राम की विजय के इस पर्व पर कांग्रेस के मंच से राहुल गांधी सहित 10 लोगों के फोटो को भी सोशल मीडिया में ट्रोल किया जा रहा है। पूरे मामले में भाजपा के नेता खुलकर तो कुछ नहीं बोल रहे पर दबे शब्दों में कह रहे हैं कि कांग्रेस के लिए ये कोई नहीं बात नहीं यहां बड़े नेताओं के साथ ऐसा ही होता है।

### मुझे तो जानकारी ही नहीं दी

नगर के चल दशहरे में ग्रामीण कांग्रेस ने अपना मंच लगाया पर मुझे जानकारी तक नहीं दी गई। मेरे पास शहर और ग्रामीण नेताओं के फोन आए। उन्हें मंच पर जगह भी नहीं दी गई सभी दुखी हैं। पूर्व मंत्री का फोटो भी नहीं लगाया। ऐसे कार्य से कार्यकर्ता भी दुखी हैं।

**सौरभ नाटी शर्मा**/ नगर अध्यक्ष, कांग्रेस

### मुझे नेता नहीं मानते तो क्या कहूं

बैनर मैं मेरी फोटो नहीं लगाई इसकी जानकारी मिली। ये लोग मुझे नेता नहीं मानते तो क्या बोल सकते हैं।

**तरूण भानोत**
पूर्व वित्त मंत्री

# पड़ाव की माता महाकाली की विसर्जन यात्रा आज

**जबलपुर**। नवीन महाकाली विकास युवा संस्था बड़ी महाकाली पड़ाव चौक गढाफाटक लिंक रोड (लटकारी पड़ाव) की भव्य काली की प्रतिमा का विसर्जन जुलूस आज 5 अक्टूबर रविवार को शाम 4 बजे से प्रतिमा स्थापना स्थल से प्रारंभ होगा और जिसके विसर्जन स्थल भिटौली कुंड गौरीघाट पहुंचने में करीब 18 घंटे का समय लगेगा और दूसरे दिन 06 अक्टूबर सुबह 7-8 बजे प्रतिमा का विसर्जन हो पाएगा। पिछले 70 वर्षो से भव्यता और आस्था व चमत्कार का इतिहास संजोए यह प्रतिमा लाखों और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। इस प्रतिमा के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विसर्जन यात्रा में 18 घंटे का वक्त लग जाता है। छोटी लाईन फाटक से गौरीघाट स्थित भिटौली कुंड तक करीब एक लाख लोग डग-डग पर पूजन-अर्चन करते हैं। लाखों की संख्या में नारियल भेंट किये जाते हैं। मां के भक्त जबलपुर में ही नहीं पूरे देश में हर साल शिर्डी सांई सेवा संस्थान द्वारा गुलाब की माला मातारानी के लिए भेजी जाती है। नागपुर से भक्तों द्वारा मखाने की माला प्रतिवर्ष आती है। जयपुर और गुजरात के लोग यहां आकर माता को चुनरी चढ़ाते हैं और उनके जूलूस में भी शामिल होते हैं। समिति के अध्यक्ष एवं आयोजक एडवोकेट अखिल राज ने बताया कि सन 1955 में प्रतिमा की स्थापना पहली बार की गई थी। उन्होंने कहा कि समिति अपने विधान के मुताबिक 13 दिन के लिए प्रतिमा की स्थापना करती है। विसर्जन जुलूस में गोरखपुर से गौरीघाट के बीच कम से कम 1 लाख लोगों का सैलाब प्रतिमा के दर्शन पूजन करने उमड़ता है। श्रद्धालु जुलूस मार्ग की स्वयं सफाई करते हैं और धुलाई करते हो। लाखों की तादाद में नारियल फूटते है। माता का नींबू और भभूत पाने होड़ लगी रहती है। पंडा द्वारा भक्तों को दिया जाने वाला नीबू चमत्कारी होता है जिससे भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि महाकाली जबलपुर की महारानी के नाम से विख्यात हैं।

## सैकड़ों बाना धारण किए भक्तों के साथ भारी जनसमूह रहा मौजूद

# श्री बड़ी खेरमाई का भव्य जवारा जुलूस निकला

**हरिभूमि जबलपुर।**

सन 1652 ई. से प्रारंभ श्री बड़ी खेरमाई मंदिर का ऐतिहासिक जवारा विसर्जन चल समारोह आज 374 वें वर्ष में प्रविष्ट होकर अपने विराट स्वरुप में संपन्न हुआ। भानतलैया स्थित मंदिर प्रांगण से प्रारंभ हो कर दीनानाथ क्रॉसिंग, हनुमानताल, राजा रसगुल्ला की गली, तमरहाई चौक, मिलौनीगंज चौक, घोड़ा नक्कास से होते हुए हनुमानताल थाने के सामने पहुंची जहां तालाब में जवारों का विसर्जन किया गया।

### भव्य रही यात्रा

चल समारोह में धर्म ध्वजा धारी सैकड़ों युवक, अश्वरोही दल, विविध वाद्य यंत्र, दर्जनों नर्तक दल व भजन मंडलियों के साथ शीश पर पर्यावरण का पावन संदेश देने वाले जवारों को धारण किये हजारों महिलायें, बाना स्थापित कर दिया था। मां बड़ी खेरमाई के विग्रह को पखारने भक्त जनों का सिलसिला लगा था। चल यात्रा में बड़ी संख्या में झांकियां भी सम्मिलित थीं।

### स्थान-स्थान पर स्वागत

चल समारोह का अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मप्र प्रगतिशील ब्राम्हण महासभा, बजरंग दल, विश्व हिंदू, परिषद, जय रेवाखंड, विजय नगर दमोहनाका क्षेत्र रामलीला समिति, मानव अधिकार, कल्याण समिति आदि अनेक संगठनों ने मंच लगाकर चल समारोह का स्वागत किया।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ट्रस्ट के शरद अग्रवाल, शशिकांत मिश्रा, आशीष त्रिवेदी, अनिल पाल, जयकांत उपाध्याय, महेंद्र जांगडे, सुरेश आहूजा, दीपचंद साहू आदि मौजूद रहे।

## शोभायात्रा निकालकर विसर्जित की देवी की प्रतिमा

**जबलपुर।** जिले के बरगी तहसील के ग्राम पिपरिया में मां दुर्गा की शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। इसके साथ ही समीप के नदी में मां की प्रतिमा को धूमधाम से विसर्जित किया गया। पिपरिया गांव में पिछले वर्षों से आदिशक्ति मां जगदंबा की प्रतिमा पूजा का नौ दिवसीय उत्सव मनाया जाता है इस वर्ष भी धूमधाम से शारदीय नवरात्र पर मां की विशाल प्रतिमा स्थापित कर नौ दिवसीय पूजन अर्चन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं ,पुरुष व बच्चे विसर्जन जूलूस में शामिल हुए।

## रोशनी के साथ बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा पॉवर हाउस "अस्पताल"

**जबलपुर।** बैतूल जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर एक छोटा सा कस्बा सारनी स्थित है। वर्ष 1965 के आसपास वहां सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की स्थापना हुई थी। वर्ष 2007 तक सतपुड़ा थर्मल पावर स्टेशन मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा पावर प्लांट था लेकिन कुछ पुरानी यूनिट बंद होने के बाद वर्ष 2019 से यह मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी का मध्य प्रदेश का तीसरा बड़ा थर्मल पॉवर स्टेशन बन गया। वर्ष 2014 से 250-250 मेगावाट की दो यूनिट यहां बिजली का उत्पादन कर रही हैं। सारनी के आसपास सुरम्य वन क्षेत्र है। यहां भरपूर वन संपदा उपलब्ध है। वनों में स्थित सागौन, साल, पलास तथा अन्य वृक्ष यहां की हरी-भरी घाटियों को बेहद सुंदर बनाते हैं। इस क्षेत्र की आबादी करीब 86 हजार के आसपास है। सारनी पावर हाउस अस्पताल आसपास के क्षेत्र में संजीवनी साबित हो रहा।

## सेवा पखवाड़ाः छात्रों ने जिला स्तर पर किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

**बरेला।** पी एम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाडा से वरिष्ठ वर्ग से अंशुल कुशवाहा ने वाद विवाद मे प्रथम स्थान और चित्रकला मे विद्या विश्वकर्मा कनिष्ठ वर्ग से द्वितीय स्थान प्राप्त किए। इसी प्रकार जन शिक्षा केंद्र सालीवाड़ा से कनिष्ठ वर्ग में निबंध प्रतियोगिता मे शा मा शाला महगवॉ की छात्रा वैण्णवी यादव ने प्रथम, मा शा तिलहरी की छात्रा श्रध्दा यादव ने संगोष्ठी में द्वितीय स्थान , वाद विवाद मे नीरज अहिरवार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संकुल प्राचार्य पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाडा गौर श्रीमती आभा वानखेड़े ने कहा की बच्चों को इस स्तर तक ले जाने में शिक्षकों श्रीमती मीरा पांडे, जयप्रकाश धुर्वे, राम रतन जंघेला की अहम भूमिका रही। शिक्षकों एवं बच्चों को प्राचार्य एवं संकुल स्टाफ द्वारा बधाई दी गयी।

## ओएफके में राजभाषा पखवाड़ा का उत्साह पूर्वक समापन

**जबलपुर।** भारत सरकार रक्षा मंत्रालय के उपक्रम यंत्र इंडिया लिमिटेड की महत्वपूर्ण इकाई आयुध निर्माणी जबलपुर (जीआईएफ) में कार्यकारी निदेशक विनीत शर्मा के मुख्यातिथ्य व संरक्षण में राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह उत्साह पूर्वक सम्पन हुआ। इस दौरान राजभाषा हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों ने उत्साहित होकर भाग लिया विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। मुख्यातिथि ओएफजे के कार्यकारी निदेशक विनीत शर्मा, महाप्रबंधक सुधीर यादव, उप महाप्रबंधक हेमंत पाखले, विशिष्ट अतिथि प्रमोद दुबे, अनिल शुक्ला ने सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यर्पण करते हुए दिप प्रज्वलित कर समारोह का सरस्वती माँ की वंदना के साथ शुभारंभ किया। इस अवसर पर मनोज मिश्रा, प्रफुल्ल मिश्रा, हरिराम साहू ने हिंदी से ओतप्रोत मनमोहक काव्य पाठ किया।

## 6 अक्टूबर को मनाया जाएगा 'बरेला गौरव दिवस'

**बरेला।** नगर में कल 6 अक्टूबर को भव्य 'बरेला गौरव दिवस – बरेला महोत्सव' का आयोजन बस स्टैंड में दादा दरबार के सामने किया जाएगा। यह आयोजन नर्मदा खंड के प्रसिद्ध संत श्री हरि दादा ठन ठन पाल जी महाराज को समर्पित है। नगर के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम के सांस्कृतिक आकर्षण के रूप में इंडियन आइडल के लोकप्रिय गायक सवाई भाट अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। कार्यक्रम पनागर विधायक सुशील तिवारी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न होगा।

## डॉ. टी.आर. शर्मा बने जनेकृविवि के संचालक, विस्तार सेवाएं

**जबलपुर।** जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद मिश्रा की अनुशंसा पर ख्यात उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ. टी.आर. शर्मा को 'संचालक, विस्तार सेवाएं' नियुक्त किया गया है। डॉ. शर्मा को कृषि विस्तार क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने किसानों के हित में कई नवाचार किए, जैसे सिवनी जिले में मक्का फसल को बढ़ावा देना। उनके मार्गदर्शन में अनेक शोध, परियोजनाएं एवं किसान हितैषी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हुए। नियुक्ति पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

## ऑल इंडिया समता सैनिक दल ने सामूहिक माल्यार्पण किया

**जबलपुर।** आल इंडिया समता सैनिक दल जिला इकाई जबलपुर ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक हाईकोर्ट में सामूहिक माल्यार्पण कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में आल इंडिया समता सैनिक दल रजि. जिला इकाई जबलपुर मप्र के अध्यक्ष बिंदुसार कापसे, प्रदेश अध्यक्ष अशोक रामटेके और ओपी चाटे, कोषाध्यक्ष संतोष अतुलकर, सहसचिव डॉ. संजय शेन्डे, सदस्य पंकज पाटिल, राकेश थोरात, संजय ऊडकुडे, देवराज पाटिल, सहसंयोजक सुनिता शेन्डे, भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष यादवराव मेश्राम, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज वाघमारे, शैलेश पुनवटकर, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सिद्धार्थ खरे, डॉ. प्रशांत पुणेकर, उमाकांत गजभिये, नंदकिशोर टेभुरणे, उदय भद्र, बैद्यनाथ पटेल एवं समस्त बुद्ध विहार के पदाधिकारी एवं बौद्ध उपासक एवं उपासिकाए उपस्थित थे।

## "भक्तिमति शबरी" नाटक ने सभी को किया भाव विभोर

**जबलपुर।** विजयादशमी के पावन अवसर पर संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश शासन के सौजन्य से तथा जिला प्रशासन, जबलपुर के सहयोग से "दशहरा पर्व" का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन मालवीय चौक, समरसता सेवा संगठन जबलपुर के मंच पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था द्वारा विशेष लीला-नाट्य "भक्तिमति शबरी" का मंचन किया गया। इस नाट्य प्रस्तुति का पुनर्गठन जबलपुर के निर्देशक संजय गर्ग द्वारा किया गया। प्रबंधन, वेशभूषा, संयोजन दविन्दर सिंह ग्रोवर का था, यह मंचन भक्ति, श्रद्धा और आदर्श मूल्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत करता हुआ दर्शकों को भावविभोर कर गया।

## गणतंत्र दिवस अंतर समूह प्रतियोगिता 15 तक

**जबलपुर।** वन-एमपी आर्टीयलरी रेजिमेंट एनसीसी ने 15 अक्टूबर 2025 तक भोपाल में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस शिविर अंतर समूह प्रतियोगिता के लिए 39 एनसीसी कैडेट्स को सफलतापूर्वक मैदान में उतारा है। कमांडर ब्रिगेडियर रितेश बहल के दूरदर्शी नेतृत्व और कमांडिंग ऑफीसर कर्नल विक्रांत त्यागी, एसएम के कुशल निष्पादन के तहत एसएम राकेश कुमार, वरिष्ठ पीआई हवलवार प्रदीप, हवलदार सेथिल और हवलदार कोहले की उनकी समर्पित टीम के साथ, कैडेट्स ने 06 अगस्त से 06 अक्टूबर 2025 तक चार गहन शिविरों में 40 दिनों तक कठोर प्रशिक्षण लिया।

**श्रीमती उमा देवी शर्मा-** सदर काली मंदिर के पास निवासी श्री हनुमान प्रसाद शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती उमा देवी शर्मा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती राजकली बाई-** गोरखपुर गुरूद्वारा के सामने निवासी श्री केदारनाथ की धर्मपत्नी श्रीमती राजकली बाई (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री रेवा राम केवट-** मड़ई व्हीकल निवासी श्री रेवा राम केवट (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री लल्लू प्रसाद डुमार-** कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री लल्लू प्रसाद डुमार (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती फूल कुमारी वाजपेयी-** दीक्षितपुरा छोटी देवन के पास निवासी श्री जय नारायण वाजपेयी की धर्मपत्नी श्रीमती फूल कुमारी वाजपेयी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री सनी अर्खेल-** प्रेमसागर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री संतोष अर्खेल के पुत्र श्री सनी अर्खेल (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती शिव कुमारी कुशवाहा-** साउथ सिविल लाइन एसपी बंगले के पीछे निवासी श्री राम भजन कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती शिव कुमारी कुशवाहा (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री पवन कुमार यादव-** सरकारी कुआं घमापुर निवासी श्री प्रदीप कुमार यादव के पुत्र श्री पवन कुमार यादव (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री सौरभ गौतम-** नेहरू नगर पुल नं. 2 के पास कैंट निवासी श्री राजू गौतम के पुत्र श्री सौरभ गौतम (27) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती उर्मिला समुंद्रे-** सिद्धबाबा वार्ड हनुमान होटल लालमाटी निवासी श्री दिलीप समुंद्रे की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला समुंद्रे (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती शांति चौधरी-** सिंधी कैंप फकीरचंद अखाड़े के पास निवासी रमेश चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति चौधरी (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री मन मोहन यादव-** शीतलामाई वार्ड निवासी श्री मन मोहन यादव (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती राधिका वर्मा-** नर्मदा नगर गोहलपुर निवासी श्री विजय कुमार वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती राधिका वर्मा (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री रूपेंद्र दुबे-** ग्राम चंद्रपुर ठेमी नरसिंहपुर निवासी श्री उमेश दुबे के पुत्र श्री रूपेंद्र दुबे (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती सुनीता मुखर्जी-** रामकृष्ण कॉलोनी बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्री विश्वजीत मुखर्जी की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता मुखर्जी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती सरोज सिंह-** आस्था परिसर न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री उदयभान सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज सिंह (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री चंद्रभान चौधरी-** रविदास नगर बादशाह हलवाई मंदिर के पास पोलीपाथर निवासी श्री चंद्रभान चौधरी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री प्रमोद राजपूत-** सरकारी कुआं घमापुर निवासी श्री प्रमोद राजपूत (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती कौसा बाई-** राजीव गांधी नगर कटंगा कैंट निवासी श्री राम प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती कौसा बाई (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती जानकी बाई-** अनुराधा कॉलोनी धोबीघाट गोराबाजार रोड निवासी श्री भगवान दास की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी बाई (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

**श्री गंगाराम मेहरचंदानी-** दत्त टाउनशिप तिलहरी निवासी श्री गंगाराम मेहरचंदानी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती कमला नाहतकर-** न्यू पीपी कॉलोनी निवासी श्री कृष्णकांत नाहतकर की धर्मपत्नी श्रीमती कमला नाहतकर (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

**श्री मुन्नालाल नामदेव-** पाटन निवासी श्री मुन्नालाल नामदेव का शनिवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृह निवास पाटन में आज रविवार को सुबह 10 बजे किया जायेगा।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति वर्ग से.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

## ई-केव्हायसी कराना सभी के लिए है अनिवार्य

**जबलपुर।** निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार समस्त नागरिकों एवं नगर निगम के अलावा अन्य संस्थाओं में भी कार्य करने वाले अधिकारियां कर्मचारियों के साथ आउटसोर्स के कर्मचारियों को समग्र आधार ई-केव्हायसी कराना अनिवार्य किया गया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि आगामी माह में शासन द्वारा केवल आधार लिंक्ड समग्र आई.डी. को ही आधार इनेबल्ड पेमेंट के माध्यम से हितलाभ वितरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभी तक 8 लाख 63 हजार 2 सौ 4 समग्र आधार ई-केव्हायसी अपडेट हो चुकी है और 7 लाख 10 हजार 3 सौ 81 शेष बची हुई हैं। आधार ई-केव्हायसी नहीं कराने वाले नागरिकों को लाभ से वंचित होना पड़ेगा, इसलिए सभी नागरिकों से निगमायुक्त ने अपील की है कि हरहाल में समग्र आधार ई-केव्हायसी अवश्य कराएँ। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि भविष्य में स्कूल, कॉलेज में बच्चों के एडमिशन हेतु भी समग्र आई.डी. में ई-केव्हायसी नहीं होने पर आप शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं से वंचित हो सकते है। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने नागरिकों से अपील की है कि जिन नागरिकों द्वारा अभी तक अपना समग्र आधार ई-केव्हायसी नहीं करवाया है वे अतिशीघ्र स्वयं अपने घर बैठे या अपने निकटम संभागीय कार्यालय अथवा एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से रिक्वेस्ट दर्ज करवा लेवे। आप अपनी सुविधानुसार घर बैठे भी लिंक से अपना ई-केव्हायसी स्वयं भी कर सकते है। समग्र आई.डी. पर आधार लिंक नहीं होने की स्थिति में समग्र आई.डी. को डुप्लीकेट समझते हुए डिलीट होने पर आप स्वयं जिम्मेदार होगें।

## सांसद दुबे ने लिखा रेल मंत्री को पत्र

# सांसदों की रेलवे समिति की बैठक में उठा रीवा नागपुर इतवारी तथा शहडोल नागपुर ट्रेनों के सिहोरा में ठहराव का मुद्दा

**सिहोरा।** पश्चिम मध्य रेल जोन संसद की समिति की जबलपुर में विगत दिनों हुई बैठक में सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन से होकर नागपुर जाने वाली रीवा नागपुर इतवारी तथा शहडोल नागपुर ट्रेनों का सिहोरा रोड स्टेशन में स्टापेज का मुद्दा जबलपुर सांसद आशीष दुबे द्वारा पत्र के माध्यम से उठाया है इसके लिए सांसद ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम पश्चिम मध्य रेल जोन प्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय को पत्र भी सौपा पत्र में बताया गया कि सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन जबलपुर कटनी के ठीक बीच जबलपुर ग्रामीण का सबसे बड़ा स्टेशन है इस स्टेशन को आदर्श स्टेशन का दर्जा प्राप्त है स्टेशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमृत भारत योजना में शामिल कर पूरे स्टेशन का कायाकल्प कर विकास किया गया है इस स्टेशन से जबलपुर जिले की दो विधानसभा सिहोरा मझौली तथा कटनी जिले की बहोरीबंद ढीमरखेड़ा विधानसभा के एक हजार से अधिक ग्रामों के आठ लाख से अधिक लोग रेल सुविधा प्राप्त करते हैं चार विधानसभा का इतना महत्वपूर्ण स्टेशन होने के बावजूद सिहोरा रोड स्टेशन में उक्त दोनों ट्रेन का स्टॉपेज नहीं होने से जबलपुर कटनी जिलों की चार विधानसभा के रेल उपभोक्ता यात्री बहुत परेशान हैं यात्री जबलपुर कटनी पहुंचकर नागपुर की यात्रा करने को विवश होते हैं सबसे बड़ी परेशानी मरीजों की बनती है जो इलाज के लिए नागपुर जाते हैं बहोरीबंद मझौली पान उमरिया की दूरी मजह 15 से 20 किलोमीटर है जबलपुर कटनी जाने के लिए यात्रियों को 50 से 60 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करना पड़ती है। विदित हो स्थानीय लोगों की मांग के चलते पूर्व में भी सांसद द्वारा पत्र लिखकर रेल मंत्रालय को जनभावना से अवगत कराया गया था। किन्तु अपेक्षित राजनैतिक प्रयाशो की कमी के चलते सिहोरा के वाशिंदों को उक्त सौगात नहीं मिल सकी थी।मालूम रहे सिहोरा रोड स्टेशन में उक्त दोनों ट्रेनों का सिहोरा रोड स्टेशन में 2 मिनट का स्टॉपेज दिलाने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ एवं पूर्व जिला महामंत्री अरुण जैन की अगुवाई में अनेक लोगों ने सांसद आशीष दुबे के आगमन पर ज्ञापन सौंपा था।

## राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शस्त्र पूजन सम्पन्न

**मझौली।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मझौली खंड द्वारा संघ की शताब्दी वर्ष की श्रृंखला में आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन भव्यता से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, परम पूजनीया हट्टेवार एवं परम पूज्य गुरूजी एम.एस. गोलवलकर के चित्रों पर पुष्प अर्पण से हुई। इसके पश्चात परंपरागत विधि से शस्त्र पूजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अपने-अपने शस्त्रों की पूजा कर राष्ट्रीय गौरव और रक्षा भावना को प्रकट किया।

**CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH**

I, ARMY NO. 15433062A RANK HAV NAME PRASENJIT KAR S/O KAJAL CHANDRA KAR OF UINT MH, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 5281 4967 4595 I, have changed name and date of birth of my FATHER from name KAJAL CH KAR and date of birth 25/05/1960 (name and date of birth as per my Army service records) to name KAJAL CHANDRA KAR and date of birth 01/01/1965 (name and date of birth as per my FATHER, AADHAR CARD NO. 8699 4235 2934 vide affidavit dated 04/10/2025 formerly before Public Notary Jabalpur.

CORRECT NAME
KAJAL CHANDRA KAR
INCORRECT NAME
KAJAL CH KAR
CORRECT DATE OF BIRTH
01/01/1965
INCORRECT DATE OF BIRTH
25/05/1960

## हैरानी

### दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में मानते हैं कुछ बेहद विचित्र पर्व

# अक्टूबर में दुनियाभर में मनाए जाने वाले विचित्र त्योहार, जिनकी धूमधाम व जश्न है वाकई अनोखा

हर मौसम के अपने खास पर्व होते हैं, जो जीवन का जश्न मनाने का अच्छा तरीका होते हैं। अक्टूबर का महीना अपने साथ कई त्योहार लेकर आता है, जिनमें दिवाली भी शामिल है। हालांकि, इस महीने में कुछ बेहद विचित्र पर्व भी मनाए जाते हैं। आज हम ऐसे ही त्योहारों के बारे में बात करने वाले हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। ये सभी दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में मनते हैं।

### मास्क पहनने वाला फिलीपींस का मासकारा महोत्सव

अक्टूबर महीने में फिलिपींस में मासकारा महोत्सव होता है, जिसका इतिहास जानकर आप दंग रह जाएंगे। इसके नाम का मतलब है 'कई चेहरे' और इसके दौरान लोग रंग-बिरंगे मास्क पहनते हैं। यह पर्व हर साल अक्टूबर महीने के चौथे रविवार को नीग्रोस द्वीप के बैकोलॉड शहर में आयोजित होता है। इसकी शुरुआत 1980 में हुई, जब शहर के अधिकारियों ने एक नौका दुर्घटना की असामयिक त्रासदी के जवाब में उत्सव मनाया। इसमें 700 लोगों की जान चली गई थी।

### नार्वे का बुनाई वाला त्योहार

बुनाई तो हर देश में की जाती है, लेकिन नॉर्वे के लोग इसका जश्न मनाते हैं। अक्टूबर में इस देश के बुनाई करने वाले लोग एकत्रित होते हैं और 'स्ट्राइकफेस्टिवल' मनाते हैं। इसका कारण यह है कि नॉर्वे में बुने जाने वाले कपड़े और उनके डिजाइन पूरी दुनिया में मशहूर हैं। यह त्योहार 29 सितंबर से शुरू होता है और 1 अक्टूबर तक चलता है। इसके दौरान लोग बुनाई करते हैं और अपने बुने हुए कपड़े बेचते हैं।

### जी भरकर बियर पीने वाला त्योहार

जर्मनी के म्यूनिख में एक अद्भुत वार्षिक उत्सव मनाया जाता है, जिसे ओकटोबरफेस्ट कहते हैं। इस त्योहार की शुरुआत 12 अक्टूबर, 1810 से हुई थी, जब बवेरिया के राजकुमार लुई प्रथम ने राजकुमारी थेरेसी वॉन साक्सेन-हिल्डबर्गहाउसेन से शादी की थी। यह पर्व अपने साथ खुशियां लेकर आता है, जिसके दौरान एक बीयर उत्सव और एक यात्रा कार्निवल शामिल होता है। इस दिन लोग जी भर के बियर पीते हैं, नाचते-गाते हैं और जर्मन भोजन का आनंद लेते हैं।

### स्वीडन के लोग मनाते हैं सिनेमन बन वाला पर्व

सिनेमन बन एक लजीज मीठा व्यंजन है, जो कई देशों में चाव से खाया जाता है। हालांकि, आपने कभी नहीं सोचा होगा कि इससे जुड़ा कोई पर्व भी मनाया जाता होगा। स्वीडन के लोगों के हाथ के सिनेमन बन सबसे स्वादिष्ट होते हैं और वे हर साल इससे जुड़ा 'कनेलबुलेंस डाग' पर्व मनाते हैं।

### डरावना त्यौहार है कावासाकी हेलोवीन पर्व

हैलोवीन के बारे में सभी ने सुना होगा, जो एक डरावना त्योहार होता है। इसका एक मजेदार संस्करण जापान में भी मनाया जाता है, जिसे 'कावासाकी हैलोवीन' कहते हैं। 28 या 29 अक्टूबर को यह पर्व मनाया जाता है, जिसके दौरान सभी लोग विचित्र पोशाकों में दिखाई देते हैं।

## बिजली के नियमित, संविदा और पेंशनरों को मिलेगा स्वास्थ्य योजना का लाभ

**भोपाल।** मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी (एमपीपीजीसीएल) ने प्रदेश की समस्त विद्युत कंपनियों में कार्यरत अभियंता व कार्मिकों के लिए बहुप्रतीक्षित पावर कंपनी अंशदाई कैशलेस स्वास्थ्य योजना (एमपीपीसीएचएस) के क्रियान्वयन के लिए एजेंसी का चयन कर लिया गया है। इसके पश्चात देश भर के सभी अस्पतालों से योजना के नियम, शर्तों व दरों पर बातचीत की जाएगी। जो अस्पताल योजना की शर्तों व दरों पर सहमत होंगे उन्हें अनुबंधित किया जाएगा। इस प्रक्रिया में लगभग एक माह का समय लग सकता है। जैसे ही ये प्रक्रिया पूर्ण होगी कंपनी की कैशलेस योजना की सेवाएं प्रारंभ कर दी जाएंगी।


**पश्चिम मध्य रेल**
उप मुख्य विद्युत अभियंता (प्रोजेक्ट शाखा-भोपाल)
**खुली निविदा**

**उप मुख्य विद्युत अभियंता (प्रोजेक्ट) शाखा - भोपाल, पश्चिम मध्य रेल,** भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा सूचना क्रमांकः** BPL-ELP-OHE-T-2025-02, दिनांक 03.10.2025. **कार्य का नाम लोकेशन सहितः पश्चिम मध्य रेल के भोपाल डिवीजन के इटारसी - सुखीसेवनियां सेक्शन में 3000 मीट्रिक टन लोडिंग लक्ष्य को पूरा करने के लिए 1x25 केवी से 2x25 केवी तक इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। निविदा की कीमतः** ₹ 1072558855.32. **कार्यालय का पता जहां टेन्डर फार्म खरीदी जा सकती है:** उप मुख्य विद्युत अभियंता (प्रोजेक्ट) शाखा–भोपाल। **बयाना राशिः** ₹ 5512800/-. **समापन अवधिः** 18 माह। **निविदा जमा करने की तिथि एवं समयः 15.00 बजे तकः** 30.10.2025, 15.00 Hrs. **स्थान पर तकनीकी बोलियां खोलने का समयः** 30.10.2025, 15.30 Hrs. निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है।

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर


### मेला देखकर लौटे दो युवकों की मौत, खड़े ट्रक से टकराई थी बाइक

# एम्बुलेंस के अटेंडर की संदिग्ध मौत, ग्रामीण आक्रोशित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

जिले में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो जाने के बाद अटेंडर बनकर संजीवनी 108 में अस्पताल जा रहा युवक अचानक एंबुलेंस से गायब हो गया और फिर कुछ देर बाद घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी भी मौत हो गई। इस घटना के बाद सुबह मृतक के परिजन एवं गांव के ग्रामीण शव को थाने के सामने सड़क में रखकर जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार दशहरा देखकर घर लौट रहे बाईक सवार दो युवक आशीष राठिया और सरोज भोय, निवासी खम्हार सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गए जिससे दोनों युवकों की मौत हो गई।

### *एम्बुलेंस तो पहुंची अटेंडर गायब था*

*इस घटना के बाद मौके पर पहुंचे संजीवनी 108 में खम्हार गांव का ही रहने वाला युवक नरेश कुमार राठिया अटेंडर बनकर धर्मजयगढ़ सिविल अस्पताल जा रहा था। लेकिन आश्चर्य की बात यह थी कि जब एंबुलेंस अस्पताल पहुंची तो वाहन में दो शव थे अटेंडर नरेश कुमार राठिया एंबुलेंस से गायब मिला। बताया जा रहा है कि इस घटना के तकरीबन 20 से 25 मिनट बाद ही डायल 112 की टीम नरेश कुमार राठिया को लेकर अस्पताल पहुंची जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। डायल 112 के एएसआई ने बताया कि नरेश कुमार राठिया भंवरखोल गांव के पास मुख्यमार्ग में घायल अवस्था में मिला था जिसे अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। नरेश कुमार राठिया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने के बाद आज खम्हार गांव के सभी ग्रामीण अपना काम काज छोड़कर भारी संख्या की तादाद में ट्रैक्टर में मृतक नरेश राठिया का शव लेकर थाने के सामने पहुंचे।*

### *एक पहिया वाहन पर मनाली से लद्दाख की चुनौतीपूर्ण यात्रा की शुरू*

**जयपुर।** यात्रा करना कई लोगों का जूनून होता है, जिसके चलते वे हैरतअंगेज कारनामे करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। मनाली से लेह तक का रास्ता 400 किलोमीटर का है, जो चुनौतीपूर्ण भी है। लोग इसे तय करने के लिए बाइक या कार ही चुनते हैं। हालांकि, यात्रा के शौकीन शक्ति सिंह शेखावत ने मनाली से लेह-लद्दाख जाने के लिए एक विचित्र वाहन चुना है। दरअसल, वह एक पहिये वाले वाहन से यह सफर तय करने वाले हैं। **30 सितंबर से शुरू हुआ शक्ति का सफर :** शक्ति जयपुर के निवासी हैं और पेशे से एक ट्रेवल व्लॉगर हैं। उन्हें यात्रा करते समय नई-नई चुनौतियां लेना बहुत पसंद है, जिससे उन्हें रोमांच महसूस होता है। उन्होंने 27 सितंबर को एक घोषणा की थी, जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गए थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करके बताया कि वह केवल एक पहिया वाहन पर सवार हो कर मनाली से लेह-लद्दाख जाएंगे।

### *आईईडी बिछाने के दौरान महिला नक्सली गंभीर रूप से घायल*

**बीजापुर।** जिले के मद्देड़ थाना क्षेत्र के बंदेपारा के जंगल में शनिवार को हुए एक आईईडी विस्फोट में एक नक्सली महिला सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के मुताबिक नक्सलियों द्वारा जंगल में आईईडी बिछाया जा रहा था, तभी अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट में घायल हुई महिला नक्सली को उसके साथी जंगल में ही छोड़कर हथियार लेकर भाग गए। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस दल मौके पर पहुँचा और ग्रामीणों की सहायता से घायल नक्सली को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराते हुए जिला अस्पताल बीजापुर पहुँचाया गया। फिलहाल घायल महिला का उपचार जारी है। पुलिस ने बताया कि घायल नक्सली की पहचान गुज्जा सोढ़ी के रूप में हुई है, जो पिछले 6-7 वर्षों से मद्देड़ एरिया कमेटी में एसीएम कन्ना बुच्चना के साथ बतौर पार्टी सदस्य सक्रिय थी।

### ग्राम सभा में सरपंच की बजाए बैठे मिले सरपंच पति

**भोपाल।** गांधी जयंती के साथ ही भोपाल की 222 ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओ का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत ग्राम सभाओं में पहली बार दशहरा मिलन समारोह भी मनाया गया। इस दौरान सरकारी योजना के बारे में आम लोगों को जानकारी अफसरों द्वारा दी गई। शहर से नजदीक आदमपुर छावनी ग्राम पंचायत कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह पहुंचे। यहां पर उन्होंने सरकारी योजनाओं के बारे में अफसरों के जरिए आम लोगों का जानकारी दी। हालांकि इस दौरान यहां महिला सरपंच मौजूद रहीं। वहीं भोपाल से विदिशा रोड स्थित चौपड़ाकला ग्राम पंचायत की सभा में महिला सरपंच मोनिका शेरु मीना के स्थान पर उनके पति शेरु मीना बैठे दिखाई दिए। उन्होंने सभा में भावांतर समेत कई योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गई।


**कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं पदेन वनसंरक्षक**
**छिंदवाड़ा वनवृत्त, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश-480001**
Email-ccf.cdw@mp.gov.org Tel./Fax No.07162-245470

**ईमारती काष्ठ, के परिवहन हेतु संक्षिप्त निविदा / नीलाम सूचना की विज्ञप्ति वर्ष 2025-26**

छिंदवाडा वनवृत्त के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में पश्चिम उत्पादन वनमंडल छिंदवाडा में उत्पादित ईमारती काष्ठ को निर्धारित डिपों तक परिवहन हेतु परिवहन समूहों की निविदाएं वनवृत्त कार्यालय छिंदवाडा में निम्न तिथियों में मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार प्राप्त निविदायें वनवृत्त कार्यालय में निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी।

| निविदा क्रम | वनवृत्त कार्यालय छिंदवाडा मे निविदा प्राप्त करने की तिथि व समय | खुलने की तिथि एवं समय | स्थान |
|---|---|---|---|
| प्रथम निविदा | 09.10.2025 - 14.00 बजे तक | दिनांक 09.10.2025 - 15.00 बजे तक | संवाद सदन वनवृत्त कार्यालय छिंदवाडा |
| द्वितीय निविदा | 15.10.2025 - 14.00 बजे तक | दिनांक 15.10.2025 - 15.00 बजे तक | |
| तृतीय निविदा | 28.10.2025 - 14.00 बजे तक | दिनांक 28.10.2025 - 15.00 बजे तक | |

दिनांक 28.10.2025 को तृतीय चक्र की निविदा खुलने के पश्चात शेष बचे परिवहन समूहों का निर्वर्तन दिनांक 28.10.2025 को दोपहर 04.00 बजे से वनवृत्त कार्यालय छिंदवाडा में नीलाम द्वारा निर्वर्तन किया जावेगा। नीलाम की शर्ते निविदा शर्तो के अनुरूप रहेगी।

निविदा की विस्तृत शर्ते, परिवहन समूहों की सूची टेण्डर फार्म एवं अन्य जानकारियां संबंधित उत्पादन वनमंडल छिंदवाडा कार्यालय में कार्यालयीन दिवस व समय में प्राप्त की जा सकती है। परिवहन समूहों की विस्तृत जानकारी तथा निविदा फार्म विभागीय वेबसाईड (www.mpforest.gov.in) पर उपलब्ध है। टेण्डर फार्म वेवसाईड से सीधे डाउनलोड कर रुपए 100/- डिमाण्ड ड्राफ्ट / सी. डी. आर. जो संबंधित वनमंडलाधिकारी (उत्पादन) छिंदवाडा वनमंडल के नाम देय होगा, जमा करना होगा। निविदा प्राप्त होने पर निविदाकार द्वारा सभी शर्तो का अध्ययन किया गया व निविदा की सभी शर्ते मान्य है।

निविदा/नीलाम के संबंध में अन्य जानकारी उत्पादन वनमंडल 'छिंदवाडा के कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 07162-243460 से प्राप्त की जा सकती है एवं विभागीय www.mpforest.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

(मधु व्ही. राज)
वन संरक्षक, छिंदवाडा वनवृत्त

G-19594/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"



**हिन्दुजा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड**
HINDUJA HOUSING FINANCE
कार्पोरेट कार्यालय: 167-169, द्वितीय तल, लिटिल माउंट मेट्रो स्टेशन, साईपेठ, चेन्नई- 600015
रीजनल ब्रांच ऑफिस: 101-बी, प्रथम तल एनआर के विजिनेस पार्क विजय नगर, इंदौर (म.प्र.) 452010 Email - auction@hindujahousingfinance.com

**परिशिष्ट IV कब्जा नोटिस ( अचल संपत्ति हेतु )**

जहां तक अधोहस्ताक्षरी के अधिकृत अधिकारी होने के नाते हिन्दुआ हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (HHFL) के प्राधिकृत अधिकारी और वित्तीय परिसंपत्तियो के पुर्ननिर्माण और सुरक्षा इंट्रेस्ट एक्ट 2002 के प्रवर्तन के तहत और सेक्शन 13(12) के तहत (प्रदत्त) शक्तियों के प्रयोग में सुरक्षा इंटरेस्ट (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाता है। उधारकर्ताओं को कंपनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किए गए नोटिस उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर नोटिस में उल्लेखित राशि को चुकाने के लिए नीचे दिए गए निर्देशों का उल्लेख किया गया है उधारकर्ता राषि को चुकाने में विफल रहा है, इस बात की जानकारी उधारकर्ताओं, गारंटरो और आम जनता को दी गई है कि अधोहस्ताक्षरी ने संपत्ति के अधिकार में नीचे वर्णित संपत्ति का अधिग्रहण कर लिया है, जो उस पर प्रदान की गई शक्तियों के खंड (4) के अधीन है। उक्त अधिनियम के 13 सुरक्षा इंट्रेस्ट प्रवर्तन नियम 2002 के सह नियम (8) के साथ पढ़े जाते हैं। आम तौर पर जनता को इस बात के सावधान किया जाता है कि उधारकर्ता संपत्ति का सौदा न करें और संपत्ति के साथ किसी भी सौदे के लिए एचएफएल के बदलाव का विषय होगा। राशि के अनुसार ब्याज के साथ यहां उल्लेख किया है।

| नाम और पता उधारकर्ता गारंटर/सहउधारकर्ता | डिमांड नोटिस तिथि देय राशि | सुरक्षित संपत्ति का विवरण | कब्जा तारीख एवं प्रकार |
|---|---|---|---|
| MP/JBR/CDWR/A000000470 श्री अजय कुमार विश्वकर्मा श्रीमती गुड़िया विश्वकर्मा श्रीमती गीता विश्वकर्मा | 05-07-2025 Rs. 9,85,272/- | मौजा ग्राम भंडरिया नगर पालिका परासिया वार्ड क्रमांक 16 पीएचएन 40 बी.एन. क्रमांक 423 तहसील परासिया जिला:- छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश कुल क्षेत्रफल- 550 वर्ग फीट सीमा - पूर्व - कृष्णकांत का मकान, पश्चिम - नंदलाल का मकान, उत्तर - साहू जी का मकान, दक्षिण - सीसी रोड | 30/10/2025 Symbolic |
| MP/JBR/JBLP/A000000673 श्री करण लाल पटेल श्रीमती हेमलता बाई | 05-07-2025 Rs. 6,36,076/- | मोजा पिपरिया पी एच एन, 24 हल्का पिपरिया तहसील पनागर जिला जबलपुर मुख्यमंत्री रोड के अंदर, पनागर, खसरा 723, भू खंड क्रमांक 168, शहरी जबलपुर, मध्य प्रदेश, भारत - 483220 कुल क्षेत्रफल - 71 वर्ग मीटर, परिसीमा - पूर्व - जवाहर दहिया और सरवन दहिया का घर, पश्चिम - सड़क, उत्तर - सुरेश असाटे का घर, दक्षिण - राम किशोर पटेल का घर | 01/10/2025 Symbolic |
| MP/JBR/NRSP/A000000167 श्री फ़तेह सिंह श्रीमती त्रापती बाई | 05-07-2025 Rs. 19,78,982/- | मौजा- घाघरौला कला, पीएचएन 117, एन.बी. 131, तहसील- गाडरवारा, जिला- नरसिंहपुर, सर्वे नं. 115/6, क्षेत्रफल 0.030 हेक्टेयर, कुल क्षेत्रफल 0.169 हेक्टेयर, क्षेत्रफल 0.020 हेक्टेयर, नरसिंहपुर, शहरी, नरसिंहपुर, मध्य प्रदेश, भारत - 487441, कुल क्षेत्रफल- 0.169 हेक्टेयर, सीमा - पूर्व - छोटी बाई कौरव की भूमि, पश्चिम - सड़क, उत्तर - फतेह सिंह कौरव की भूमि, दक्षिण - फतेह सिंह कौरव की भूमि | 01/10/2025 Symbolic |
| MP/KTN/SHDL/A000000304 श्री प्रमोद सिंह गौड श्रीमती काशी बाई श्री दीपक बर्मन | 05-07-2025 Rs. 5,76,519/- | खसरा नंबर 72/1/2/1/1 नौरोजाबाद तहसील बांधवगढ़ जिला उमरिया, खसरा नंबर 72/1 पीएचएन 91 ग्राम देवगवां नौरोजाबाद तहसील बांधवगढ़ जिला उमरिया, खसरा नंबर 72/1 फोन नंबर 91 ग्राम देवगवां नौरोजाबाद तहसील बांधवगढ़ जिला उमरिया, शहरी उमरिया, मध्य प्रदेश, भारत - 484555 कुल क्षेत्रफल-1008 वर्ग फुट, सीमा इस प्रकार है - पूर्व - बबली बर्मन की भूमि, पश्चिम - ईश्वरदीन विश्वकर्मा की भूमि, उत्तर - सीसी रोड, दक्षिण - ईश्वरदीन विश्वकर्मा की भूमि | 04/10/2025 Symbolic |
| MP/JBR/CDWR/A000000243 श्री सूरज बावने श्री विष्णु बावणे श्रीमती चिंधी बाई बावने | 05-07-2025 Rs. 5,00,050/- | ग्राम लोधीखेड़ा खसरा नंबर 173/2,173/3 ख.न. 55 पीएचएन 17 तहसील सौसर लोधीखेड़ा, छिंदवाड़ा, सेमीअर्बन, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश, भारत - 480108 कुल क्षेत्रफल - 1200 वर्ग फुट सीमा - पूर्व - सड़क, पश्चिम - 13 रास्ता पूर्व विक्रेता द्वारा, उत्तर - मधुकर की भूमि, दक्षिण - 12 फीट कच्ची सड़क | 04/10/2025 Symbolic |
| MP/JBR/CDWR/A000000487 श्री संजय डहारे श्रीमती मीना डहारे श्री सुरेंद्र डहारे | 05-07-2025 Rs. 5,22,783/- | सभी सामान:- ग्राम राजना फोन 32 बी.एन. 342 तह पांढुर्ना जिला छिंदवाड़ा खसरा संख्या 1237/1 मी से पांढुर्ना, जिला छिंदवाड़ा शहरी, पांढुर्ना, मध्य प्रदेश, भारत - 480334 कुल क्षेत्रफल- 1269 वर्ग फीट सीमा - पूर्व - जंगल्या डबल का फार्म, पश्चिम - कौशल्या बाई देशमुख का प्लॉट, उत्तर - बोबड़े का खुला प्लॉट, दक्षिण - 9 फीट कच्ची सड़क | 30/10/2025 Symbolic |
| MP/JBP/CDWR/A000000069 श्री राकेश पखाले श्रीमती गनश्याम पाखले श्री मीरा पखाले | 05-07-2025 Rs. 4,32,259/- | सभी टुकड़े और पार्सल:- मौजा नगर पालिका सौसर बीएन नंबर, 411 पीएचएन 34/29 आरएनएम सौसर खसरा नंबर 838/01, सौसर, शहरी छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश, भारत - 480106 कुल क्षेत्रफल - 645 वर्ग फुट सीमा - पूर्व - सड़क, पश्चिम - गणपति का घर, उत्तर - शंकर का घर, दक्षिण - रमेश देहारे का घर | 04/10/2025 Symbolic |
| MP/JBP/GDWR/A000000133 श्री कैलाश प्रसाद मिश्र श्रीमती रेखा मिश्रा, श्री आशीष मिश्रा | 05-07-2025 Rs. 7,71,483/- | सभी टुकड़े और पार्सल:- मोजा गाडरवारा एन.बी.116 पी.एच.एन. 82/1 खसरा नंबर 813/6 रकवा 867030 वर्ग फीट में से 750 वर्ग फीट, गाडरवारा, मेट्रो, नरसिंहपुर, मध्य प्रदेश, भारत - 487551 कुल क्षेत्रफल- 750 वर्ग फीट सीमा - पूर्व - ठाकुर का प्लॉट, पश्चिम - कुलिया, उत्तर - कोस्ती बाबू का प्लॉट, दक्षिण - रोड | 03/10/2025 Symbolic |

**वैधानिक नोटिस उधारकर्ताओं / जमानतदार**
**उधारकर्ताओं / जमानतदारों को स्टेटमेंट नोटिस द्वारा सावधानी पूर्वक कहा जाता है कि संपत्ति को किसी भी समय सार्वजनिक नीलामी / निविदाओं के माध्यम से बेंचा जा सकता है और इस तरह इसे सुरक्षा ( बयाज ) प्रवर्तन नियम 2002 नियम 6, 8 और 9 के तहत एक नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है। प्राधिकारी अधिकारी मोबाईल नं.- Vaibhav Shrivastav - 7987969803, Rajesh Chakotiya - 84355 71111, Ajay Bhatiya - 78986 07955, Gourav Naik - 75877 48188**

दिनांक - 05/10/2025
प्राधिकृत अधिकारी, हिन्दूजा हाऊसिंग, फायनेंस लिमिटेड



**कार्यालय कलेक्टर डिण्डौरी एवं पदेन अपर सचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग**

क्रमांक/भू-अर्जन /2023-24/51(अ-82) 2023-24/846 **अधिसूचना** डिण्डौरी, दिनांक - 26/09/2025

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची (1) में वर्णित भूमि की कालम नम्बर (6) में वर्णित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है, इस हेतु अनुसूची (1) के कॉलम नम्बर (4) में वर्णित प्रभावित कृषको की भूमि, भू-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (क्रमांक 30 सन् 2013) की धारा-19 के अन्तर्गत यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है।

**अनुसूची-1** **धारा-19**

| जिला | तहसील | ग्राम एवं प.ह.नं. | भूमि का क्षेत्रफल (हेक्ट. में) | प्रभावित परिवारों की सख्या | सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 |
| डिण्डौरी | डिण्डौरी | सुबखार रैयत प.ह.नं. 70 | 1.984 | 20 | राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना हेतु |
| | | कुल | 1.984 हेक्ट. | | |

**अनुसूची-2 (प्रभावित धारको की सूची)**

| क्र. | प्रभावित खातेदार (कृषक का नाम) | खसरा नं. | कुल रकबा (हेक्ट.) | अर्जित रकबा (हेक्ट.) | परिसंपत्तियों का विवरण | वृक्षों का विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रीतमलाल पिता रघुनाथ गुप्ता, अमरिया बाई नायक पति तेज सिंह नायक जाति बंजारा पता बाटौंधा डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी | 65/2/1/1 | 0.380 | 0.1006 | - | - |
| 2 | सौरभ शुक्ला पिता स्व. श्री जगदीश प्रसाद शुक्ला जाति ब्राम्हण पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 65/2/1/2 | 0.010 | 0.0064 | - | - |
| 3 | रविराज बिलैया पिता अयोध्या जाति बानी पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 74/1 | 0.283 | 0.026 | - | - |
| | मायादेवी बिलैया पति राजाराम जाति बानी पता डिंडोरी मध्य प्रदेश, शिवम पिता राजाराम जाति बानी पता डिंडोरी मध्य प्रदेश, सुंदरम पिता राजाराम जाति बानी पता डिंडोरी मध्य प्रदेश, शिवांश पिता राजाराम जाति बानी पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 74/3 | 0.280 | 0.072 | - | लिप्टिस-32 |
| 4 | लालबहादुर पिता बुद्धलाल कोल पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 75 | 1.11 | 0.045 | - | |
| 5 | महेशप्रसाद पिता लक्ष्मणप्रसाद जाति ब्राम्हण पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 82/1 | 2.08 | 0.256 | - | |
| | महेशप्रसाद पिता लक्ष्मणप्रसाद जाति ब्राम्हण पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 82/2 | 3.28 | 0.240 | - | |
| 6 | जयेन्द्र पिता महेशप्रसाद जाति ब्राम्हण पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 83 | 2.79 | 0.241 | - | आम-1,उमर-3,कंजी-1,खारी-3,बांस-12, मुडी-3,लिप्टिस-153, शोबबूल-8,सगोन-12 |
| | | 90 | 1.01 | 0.441 | - | लिप्टिस-187,खमेर-1, बेर-1, सेमर-1 |
| 7 | महेशप्रसाद पिता लक्ष्मणप्रसाद जाति ब्राम्हण पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 88 | 1.76 | 0.050 | - | केकर-2,बांस-4 लिप्टिस-45 |
| | | 91 | 1.27 | 0.099 | - | लिप्टिस-32 |
| 8 | ज्योति पिता जीवनदास जाति पनिका पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी | 92/1/1/1 | 0.4784 | 0.004 | - | |
| | ज्योति पिता जीवनदास जाति पनिका पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी | 92/1/1/2 | 0.1416 | 0.1060 | - | गुलमोहर-8, बेर-1, बबूल-1 |
| | संदीप मरकाम पिता रामसिंह मरकाम जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 92/1/2 | 0.28 | 0.036 | - | |
| | ओमकार सिंह पिता ननकूसिंह जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 92/2 | 0.88 | 0.120 | बोंड्री बाल RCC, पक्का पानी टंकी, बोंड्री बाल पक्का टेक | |
| 9 | रामचन्द बिलैया पिता श्री नाथूराम बिलैया जाति बानी पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 94 | 0.26 | 0.047 | - | - |
| 10 | ओमकार सिंह पिता ननकूसिंह जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश | 96 | 2.05 | 0.094 | - | केकई-3,कौया-1जामुन-1लिप्टिस-6,साजा-1 |
| 11 | देववती पिता अमृत | 02 | - | - | कच्चा मकान-1 | - |
| | सिकंदर नाथ पिता यादव नाथ | | - | - | पक्का मकान-1पक्का फर्श पक्की सीढी | - |
| 12 | अनिल नाथ पिता शुभनाथ | | - | - | फर्श एवं प्लंथ पक्का | - |
| 13 | गोरखनाथ पिता शुभनाथ | | - | - | पक्का फर्श पक्का प्लेटफार्म मार्बल | - |
| 14 | रामजी नाथ पिता संपत नाथ | | - | - | पक्का फर्श प्लंथ | - |
| 15 | साहू बाबा अखिलेश | | - | - | पक्का मकान - 1, पक्का चबूतरा | - |
| 16 | शुभम शुक्ला पिता स्व. श्री जगदीश प्रसाद शुक्ला | 65/2/1/2 | - | - | पक्का मकान 2, पक्का टंकी | - |
| 17 | लखन दास पिता कारन सिंह | 62 | - | - | पक्का मकान छत टिन शेड-1 | - |
| 18 | विष्णु गिरी पिता गोपाल गिरी | 72 | - | - | पक्का मकान एवम मंदिर पक्का मकान गुम्बज, नर्मदा जी द्वार, पक्का फर्श, पक्का मंदिर रेड टाइल्स, शोचालय, पक्का पानी टंकी, पक्की बॉड्री चबूतरा | - |
| 19 | विष्णु गिरी पिता गोपाल गिरी | 72 | - | - | पक्की पानी टंकी, गुम्बज | - |
| 20 | रामजीनाथ पिता संपतनाथ | | - | - | कच्चा घर छत खपरेल 1,पक्का मकान छत टिन शेड 1, पक्का दिवाल डोर लेवल तक, शौचालय पक्का 1, पक्का पानी टंकी | - |
| | अनिलनाद पिता शुबनाद | 70 | - | - | पक्का मकान छत टिन शेड पक्का शौचालय पक्का, पक्का पानी टंकी | - |
| | अनिलनाद पिता शुबनाद | | - | - | पक्का मकान छत खपरैल 2 शौचालय पक्का, पक्का पटटी पक्का फर्श | - |
| 21 | अविनाश मूर्ति पिता श्रीराम मूर्ति | 68 | - | - | बॉड्री बाल पक्का 4, पक्के कालम 15, पक्का मकान छत टिन शेड पक्की सीढ़ी, | - |
| | योग :- | | 18.343 | 1.984 | | |

(2) उपरोक्त घोषणा भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के उपबंधों के अधीन सम्यक जांच करने के पश्चात की गई है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित कुटुम्ब की संख्या 07 है जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के लिए क्षेत्र चिंहित कर लिया गया है जिसका विवरण निम्नलिखित है- **ग्राम - मुढ़िया कला रा.नि.मं. शाहपुर तहसील डिण्डौरी की आराजी नं. 09 रकबा 27.39 है.** । परियोजना हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन स्कीम आयुक्त जबलपुर संभाग जबलपुर द्वारा पत्र क्रमांक-69/स.अ. राजस्व/2024 जबलपुर दिनांक 13/05/2024 द्वारा अनुमोदन किया जा चुका है जिसका सार निम्नानुसार है:- 1. प्रभावित कुटुंब को प्रधानमंत्री आवास योजना विनिदेर्शों के अनुसार एक निर्मित मकान उपलब्ध कराया जाएगा। 2. कंडिका-1 में वर्णित फायदों को ऐसे किसी प्रभावित कुटुंबों को, वासक्षेत्र भूमि से रहित है और जो प्रभावित क्षेत्रों की अधिसूचना की तारीख के पूर्ववर्ती क्षेत्रों की अधिसूचना की तारीख के पूर्ववर्ती तीन वर्ष से अन्यून अवधि तक लगातार क्षेत्र में रह रहा है और जिसे ऐसा क्षेत्र से अनिच्छा से विस्थापित किया गया है भी विस्तारित किया जाएगा। 3. यदि कोई प्रभावित कुटुंब जो प्रस्थापित मकान को न लेने का विकल्प करता है, तो निर्मित मकान के बदले मकान समतुल्य खर्च प्रस्थापित किया जा सकेगा। 4. अर्जन से प्रभावित किसी कुटुंब को इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन एक से अधिक मकान नहीं दिया जाएगा। 5. ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब, जिसे अर्जित भूमि से विस्थापित किया गया है, को अधिनिर्णय की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक प्रतिमाह तीन हजार रुपए के समतुल्य मासवार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। 6. ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब जो विस्थापित हुआ है, को कुटुंब, भवन सामग्री, घरेलू सामग्री पशुओं के स्थानांतरण के लिए परिवहन खर्च के रूप में एक बार पच्चास हजार रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। 7. प्रत्येक प्रभावित कुटुंब को केवल पचास हजार रुपए का एक बार "पुनर्व्यवस्थापन भत्ता " दिया जाएगा। 8. प्रभावित कुटुंबों को आवंटित भूमि या मकान के रजिस्ट्रीकरण के लिए संदेय स्टांप शुल्क और अन्य फीस का वहन अपेक्षक निकाय द्वारा किया जाएगा। 9. प्रभावित कुटुंबों को आवंटित मकान के लिए भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होगी। 10. आवंटित भूमि या मकान प्रभावित कुटुंब की पत्नि और पति दोनों के संयुक्त नाम में हो सकेगा। 11. जनसमुदाय के पुनर्व्यवस्थापन के लिए अध्यपेक्षा प्राधिकारी के खर्चे पर निम्नलिखित अवसंरचनात्मक सहूलियतें और मूलभूत न्यूनतम सुविधाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी कि नए गांव या कालोनी में पुनर्व्यवस्थापित जन समुदाय स्वंय में लिए एक युक्तियुक्त सामुदायिक जीवन स्तर प्राप्त कर सके और विस्थापन से हुए अभिघात को कम करने का प्रयास कर सकें। 11.1. युक्तियुक्त वासयोग्य और नियोजित व्यवस्थापन के लिए न्यूनतम निम्नलिखित सहूलियतें और संसाधन उपलब्ध कराई जावेगीं 11.2. सभी पुनर्व्यस्थापित कुटुंबों के लिए पुनर्व्यवस्थापित ग्रामों के भीतर सड़क और पक्की सड़क, मार्ग से जुड़ी बारहमासी सड़क और सुखाधिकार की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। 11.3 वास्तविक पुनर्व्यवस्थापन के पहले उचित निकासी और स्वच्छता योजनाएं निष्पादित की जाएं। 11.4 भारत सरकार द्वारा विहित मानकों के अनुसार प्रत्येक कुटुंब के लिए सुरक्षित पेयजल का एक या अधिक सुनिश्चित संसाधन। 11.5 उचित मूल्य की दुकान की युक्तियुक्त संख्या। 11.6 यथेचित पंचायत घर। 11. 7 जाति समुदायों और उनकी प्रथाओं के आधार पर कब्रिस्तान या शवदाह गृह। 11.8 स्वच्छता के लिए सुविधाएं जिसके अंतर्गत व्यक्तिगत प्रसाधन बिंदु 11.9 प्रत्येक घर और सार्वजनिक प्रकाश के लिए व्यक्तिगत एकल विद्युत कनेक्शन ( या सौर उर्जा जैसे उर्जा के गैर-परंपरागत संसाधनों के माध्यम से कनेक्शन)। 11.10 शिशु और माता को पूरक पोषणीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाली आंगनबाड़ी। 11.11 नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 ( 2009 का 35 ) के उपबंधों के अनुसार विद्यालय। 11.12 बच्चों के लिए कीड़ा क्षेत्र। 11.13 प्रत्येक सौ कुटुंबों के लिए एक सामुदायिक केन्द्र 11.14 प्रभावित क्षेत्र की संख्या और उनके आयाम से संगत प्रत्येक पचास कुटुंबों के लिए पूजा स्थल और सामुदायिक सभा के लिए चौपाल / वृक्ष चौतरा। 11.15 प्रभावित परिवारों को जल भराव क्षेत्र में मत्स्य पालन एवं मत्स्य आखेट का अधिकार रहेगा। परन्तु इस हेतु समुचित सरकार से निहित रीति द्वारा अनुमति प्राप्त की जावेगी। 12. विस्थापित कुटुंबों को 50 वर्ग मीटर से कम नहीं का आवासीय पट्टा दिया जावेगा। (3) अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि के बारे में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधिसूचना प्रकाशन की जानकारी वेबसाईट www.mandla.nic.in www.dindori.nic.in व मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग भोपाल की वेबसाईट www.mprevenue.nic.in पर भी देखी जा सकती है। (4) भूमि के नक्शे ( प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी ( रा.) डिण्डौरी या कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास, संभाग क्र. 2, मण्डला के कार्यालय में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(नेहा मारव्या)
कलेक्टर डिण्डौरी एवं पदेन अपर सचिव, म.प्र. शासन राजस्व विभाग

G-19586/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

**एमएम हुरुन इंडिया ने भारत के सबसे अधिक धनी व्यक्तियों 2025 की सूची जारी की है। सूची में क्रमांकित अरबपतियों के पास जो चल-अचल संपत्तियां व परिसंपत्तियां हैं, इनका कुल मूल्य भारतीय जीडीपी के लगभग आधे हिस्से के बराबर है। भारत में अरबपतियों की बढ़ती संख्या का समाचार एक साधारण दृष्टिकोण के साथ तो देशवासियों को गर्वबोध से संचित कर सकता है, किंतु अरबपतियों की तुलना में जब जीविकाहीन व जीविकायुक्त दोनों प्रकार के करोड़ों निर्धनों की वास्तविकता सम्मुख प्रकट होती है, तो अर्थभेद का दुर्बोध भी होता है। वहीं, दूसरी ओर दुनिया में भारत में अत्यधिक गरीबी में सबसे तेजी से कमी आ रही है, लेकिन भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि विश्व बैंक और आईएमएफ तक मान चुके हैं कि असमानता आर्थिक विकास की गति को धीमा कर देती है। निश्चित रूप से देश से गरीबी के तेजी से घटने और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के बावजूद अभी हमें स्वदेशी आत्मनिर्भरता की डगर पर और तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसी असमानता का विश्लेषण करता *आजकल* का खास अंक...**

# अमीर-गरीब में बढ़ती खाई बड़ी चुनौती

**विश्लेषण**

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

यकीनन इस समय जहां एक ओर वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी दुनिया में भारत के अरबपतियों की संख्या भी सबसे तेजी से बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर दुनिया में भारत में अत्यधिक गरीबी में सबसे तेजी से कमी आ रही है, लेकिन भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है।

हाल ही में एक अक्टूबर को प्रकाशित एमएम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक भारत में 9.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ रिलायंस इंडस्ट्री के मुकेश अंबानी पहले स्थान पर हैं। जबकि गौतम अडानी 8.1 5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची के इतिहास में पहली बार कोई महिला शीर्ष तीन में जगह बनाने में कामयाब रही हैं। वह महिला हैं, रोशनी नादर मल्होत्रा। उनके और उनके परिवार की संपत्ति का आकार 2.84 लाख करोड़ रुपये है। यह महत्वपूर्ण बात है कि 2025 की सूची भारत के अरबपति समुदाय में विस्तार का प्रतीक है। देश में अब 358 अरबपति हैं, जो 13 साल पहले की तुलना में 6 गुना अधिक हैं।

**एमएम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक भारत में 1687 ऐसे भारतीय हैं जिनकी संपत्ति 1000 करोड़ से अधिक है। भारत के सभी धनी व्यक्तियों ने प्रतिदिन 1991 करोड़ रुपये की दर से संपत्ति अर्जित की है। इन सभी की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपये है जो पिछले साल 2024 की तुलना में 5 फिसदी अधिक है। ऐसे में अमीर और गरीब के बीच की खाई को कम करने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। भारत की अर्थव्यवस्था स्वदेशी आत्मनिर्भरता के साथ तेजी से आगे बढ़ानी होगी और हर संभव तरीके से गरीब वर्ग के हितों का ध्यान रखना होगा।**

## देश में 1687 लोग अरबपति

इस सूची के मुताबिक भारत में 1687 ऐसे भारतीय हैं जिनकी संपत्ति 1000 करोड़ से अधिक है। इस सूची में शामिल सभी लोगों की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपये है जो पिछले साल 2024 की तुलना में 5 फिसदी अधिक है। यह भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग आधे के बराबर है। यह बात महत्वपूर्ण है कि पिछले दो वर्षों में भारत में औसतन हर सप्ताह एक नया अरबपति बना है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के सभी धनी व्यक्तियों ने प्रतिदिन 1991 करोड़ रुपये की दर से संपत्ति अर्जित की है। ऐसे में भारत में अमीर और गरीब के बीच की खाई को कम करने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। भारत की अर्थव्यवस्था स्वदेशी आत्मनिर्भरता के साथ तेजी से आगे बढ़ानी होगी और हर संभव तरीके से गरीब वर्ग के हितों का ध्यान रखना होगा। पूरी दुनिया ने हाल ही में यह भी देखा है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश अमेरिका की व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दिए हैं, तब भारत अमेरिका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों गरीब किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़े रहा। यह भारत सरकार का गरीबों के रोजगार हित में बड़ा कदम हैं।

## गरीबी संख्या में गिरावट दर्ज

निसंदेह भारत में गरीबी में कमी लाने के लिए बहु आयामी प्रयास किए जाने से गरीबी में बहुत तेजी से कमी आ रही है। पिछले दिनों प्रकाशित विश्व बैंक की वैश्विक गरीबी संबंधी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अत्यधिक गरीबी की स्थिति में रहने वाले लोगों की संख्या में पिछले 11 सालों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है और अत्यधिक गरीबी से करीब 27 करोड़ देशवासी बाहर निकले हैं। विश्व बैंक ने अत्यधिक गरीबी रेखा के निर्धारण के संबंध में जो नए अनुमान जारी किए हैं उनके मुताबिक निम्न आय वाले देशों के लिए अत्यधिक गरीबी की रेखा 2.15 डॉलर प्रतिदिन के उपभोग व्यय से बढाकर अब प्रतिदिन 3 डॉलर उपभोग व्यय पर निर्धारित की गई है। ऐसे में देश में अत्यधिक गरीब लोगों की जो संख्या 2011-12 में 27.1 फीसदी थी, वह 2022-23 में घट कर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इससे अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। निश्चित रूप से यह परिदृश्य भारत में गरीब कल्याण की दिशा में बड़ी प्रगति का स्पष्ट संकेत करता है।

## योजनाओं की सार्थकता

साथ ही यह परिदृश्य पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा गरीब कल्याण को लक्षित करके बनाई गई अत्यधिक लाभकारी योजनाओं की सार्थकता भी प्रस्तुत करता है। खासतौर से देश में करीब 55 करोड़ से अधिक जनधन खातों (जे), करीब 138 करोड़ आधार कार्ड (ए), तथा करीब 119 करोड़ मोबाइल उपभोक्ताओं (एम), की शक्ति वाले जैम से सुगठित बेमिसाल डिजिटल ढाँचा गरीबों के सशक्तिकरण में असाधारण भूमिका निभा रहा है। इस जैम के बल पर देश के गरीब लोगों के खातों में सीधे आर्थिक राहत हस्तांतरित हो रही है। गरीबों के सशक्तिकरणसे संबंधित कई और योजनाओं से गरीबी घट रही है। इनमें स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना, पेयजल सुविधा के लिए जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ शौचालय और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं शामिल हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अब आर्थिक विकास और नई तकनीकों का उपयोग गरीबों के हित में किया जाना जरूरी है। अब कर सुधारों का लाभ गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों तक पहुंचना चाहिए। हाल ही में उभरते भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नए कर सुधार देश के हर नागरिक के लिए एक बड़ा उपहार हैं। इन दिनों नए सुधारों और नई कर व्यवस्थाओं पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि इन आमूल कर सुधारों से न केवल आम आदमी की जिंदगी आसान होगी। ऐसे में कई परिवारों को अपनी आजीविका कमाने और युवाओं के लिए नौकरी के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। इससे देश के गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों की आमदनी में वृद्धि होगी। अभी हमें देश में गाँवों की मजबूती, कृषि क्षेत्र की ऊँचाई और छोटे शहरों के विकास के साथ-साथ आम आदमी की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए अधिक प्रयास करने होंगे।

## आत्मनिर्भरता की डगर

निश्चित रूप से देश से गरीबी के तेजी से घटने और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के बावजूद अभी हमें स्वदेशी आत्मनिर्भरता की डगर पर और तेजी से आगे बढ़ना होगा। हमें अभी आम आदमी के कल्याण और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के लिए मीलों चलना होगा। इसी वर्ष भारत, 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या की कुल आमदनी के आधार पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन हमें आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। स्थिति यह है कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत दुनिया के कई देशों से बहुत पीछे है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि देश में अमीर और गरीब वर्ग के बीच खाई में कमी आएगी। आम आदमी की खुशहाली बढ़ेगी। इन सब प्रयासों के आधार पर साथ ही देश वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

# देश में लगातार गहरी हो रही असमानता

**संघर्ष**

राजेश जैन

स्वतंत्र पत्रकार

भारत की असली ताक़त उसके 140 करोड़ आम लोग हैं। किसान, मज़दूर, छोटे दुकानदार और युवा, जिनके सपनों पर आज धूल जमी है। अगर यही लोग सशक्त होंगे, तभी भारत सचमुच शक्तिशाली बनेगा। असमानता केवल आर्थिक समस्या नहीं है, यह लोकतंत्र, समाज और देश की स्थिरता के लिए खतरा है। भविष्य का भारत केवल 1,687 अरबपतियों का नहीं, बल्कि करोड़ों मेहनतकश लोगों की उम्मीदों और संघर्षों से बना भारत होना चाहिए। विकास तभी सच्चा होगा जब उसका लाभ सब तक पहुंचे। भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। स्टॉक मार्केट रिकॉर्ड बना रहा है, कॉरपोरेट कंपनियां अरबों-खरबों का कारोबार कर रही हैं और भारत अरबपतियों की संख्या में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है। लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक गहरी सच्चाई छिपी है, देश में अमीर-गरीब की खाई पहले से कहीं अधिक चौड़ी हो चुकी है। 1 अक्टूबर 2025 को एम 3 एम इंडिया और हुरुन रिच लिस्ट जारी की गई, जिसमें 1,687 ऐसे भारतीय शामिल हैं जिनकी संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इनकी कुल नेटवर्थ लगभग 167 लाख करोड़ रुपये है, जो भारत की जीडीपी का लगभग आधा है। यह आंकड़ा केवल अमीरों की गिनती भर नहीं है, बल्कि पूरे आर्थिक और सामाजिक ढांचे पर सवाल खड़ा करता है। आज एक ही देश में दो बिल्कुल अलग दुनिया मौजूद हैं। एक ओर हैं वे उद्योगपति जिनके पास अरबों-खरबों की संपत्ति, विदेशी हवेलियां और निजी जेट हैं। दूसरी ओर करोड़ों लोग हैं जो रोज़ 200–300 रुपये की दिहाड़ी पर काम करते हैं, जिनके पास स्थायी नौकरी या पक्की छत तक नहीं है। करोड़ों किसान कर्ज़ के बोझ तले दबे हैं, मज़दूर शहरों की फैक्ट्रियों और निर्माण स्थलों पर पसीना बहाते हैं और युवा बेरोज़गारी से जूझ रहे हैं। महिलाओं को शिक्षा और रोज़गार के लिए अतिरिक्त संघर्ष करना पड़ता है। यह केवल आय का अंतर नहीं, बल्कि अवसरों और जीवन की गुणवत्ता का अंतर है। असमानता का असर पीढ़ी दर पीढ़ी चलता है। गरीब माता-पिता अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं दिला पाते, नतीजा यह होता है कि अगली पीढ़ी भी गरीबी में जीती है। युवाओं में निराशा और हताशा पैदा होती है और यही माहौल अपराध, नशाखोरी और हिंसा को जन्म देता है। शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों और अपराध दर का बढ़ना इसकी सीधी झलक है।

**भविष्य का भारत केवल 1,687 अरबपतियों का नहीं, बल्कि करोड़ों मेहनतकश लोगों की उम्मीदों और संघर्षों से बना होना चाहिए। विकास तभी सच्चा होगा जब उसका लाभ सब तक पहुंचे।**

लोकतंत्र पर भी असमानता का असर गहरा है। राजनीति में पैसे की ताकत सबसे अहम बन चुकी है। चुनावी चंदा बड़े कॉरपोरेट्स से आता है और नीतियां अक्सर उनके हितों के हिसाब से बनती हैं। आम नागरिक का वोट बराबर है, लेकिन उसकी आवाज़ और असर लगातार कम होता जा रहा है। धीरे-धीरे लोकतंत्र "जनता का, जनता के लिए" से बदलकर "धनवानों का, धनवानों के लिए" होने लगता है। अगर यह असंतुलन बढ़ता गया तो लोकतंत्र पर भरोसा कमजोर हो सकता है। कुछ लोग मानते हैं कि अमीरों की संपत्ति से निवेश बढ़ेगा और रोजगार पैदा होंगे। लेकिन सच्चाई यह है कि जब आम आदमी की जेब खाली होगी तो वह बाज़ार से सामान कैसे खरीदेगा? खपत घटने पर उद्योग भी ठप पड़ते हैं। निवेश उन्हीं क्षेत्रों में होता है जहां अमीरों को मुनाफ़ा दिखता है, न कि उन क्षेत्रों में जहां गरीब और मध्यमवर्ग की ज़रूरतें पूरी हों।

यही कारण है कि विश्व बैंक और आईएमएफ तक मान चुके हैं कि असमानता आर्थिक विकास की गति को धीमा कर देती है। वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब की 2024 रिपोर्ट के अनुसार भारत के शीर्ष 1% लोगों के पास देश की 40.1% संपत्ति है और उनकी आय हिस्सेदारी 22.6% है। जबकि निचले 50% वर्ग के पास केवल 6.4% संपत्ति है। यानी असमानता ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है। यह स्थिति केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि सड़कों, गांवों और कस्बों में साफ देखी जा सकती है, जहां आलीशान मॉल और हाई-राइज़ टावरों के बगल में टूटी-फूटी झुग्गियां खड़ी हैं। दुनिया के कई देशों ने साबित किया है कि असमानता को कम करना संभव है। नॉर्डिक देश, स्वीडन, नॉर्वे और डेनमार्क ने उच्च कर व्यवस्था और कल्याणकारी नीतियों से सभी नागरिकों को समान अवसर दिए। वहां शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं लगभग मुफ्त हैं और रोजगार के मौके बराबरी से उपलब्ध हैं। चीन ने भी शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर बड़े निवेश किए और करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। इसके उलट अमेरिका में असमानता लगातार बढ़ रही है और सामाजिक तनाव का कारण बन रही है। भारत में भी केरल की शिक्षा और स्वास्थ्य नीतियां पूरे देश के लिए मॉडल हैं। महिला स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ताक़त दी है।

# आर्थिक असमानता का इलाज जरूरी

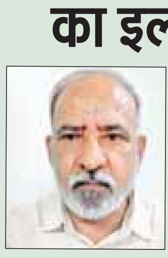

**मंथन**

महेंद्र पंडित

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दिनों जारी की गई हुरुन इंडिया की रिपोर्ट हैरान और परेशान करने वाली है। ये रिपोर्ट बताती है कि भारत के 1687 सबसे अमीर लोगों की कुल नेटवर्थ अब 167 लाख करोड़ तक पहुंच चुकी है, जो देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आधे के आसपास है। इस आंकड़े से स्पष्ट होता है कि भारत में धन की एकाग्रता बेहद उच्च वर्ग के पास है और कुछ ही परिवारों के पास देश की संपत्ति का बड़ा हिस्सा है। हमारी समाज-व्यवस्था और कानून वगैरह इस तरह बने रहते हैं कि इस गैर-बराबरी को कोई अनैतिक या अनुचित भी नहीं मानता। रिपोर्ट में सबसे चिंता का विषय है कि देश में आर्थिक असमानता लगातार बढ़ रही है और संपत्ति वितरण का संतुलन चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। ये आंकड़े यह सवाल भी उठाते हैं कि क्या देश में आम नागरिकों तक समृद्धि का लाभ सही मायने में पहुंच पा रहा है या नहीं। रिपोर्ट ने एक बार फिर देश के आर्थिक ढांचे और अमीरी के केंद्रित होने पर ध्यान आकर्षित किया है और यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि समृद्धि का लाभ सभी तक कैसे पहुंचाया जाए। तेजी से बढ़ती अमीरी, निवेश और नए उद्योगों के बावजूद, यह स्पष्ट है कि आर्थिक समावेशन और संपत्ति का न्यायसंगत वितरण अभी भी जरूरी है। अगर हम ऐसा करने में कामयाब न हुए तो अनेक प्रकार की चुनौतियों का उत्पन्न होना तय है। वैसे तो इस रिपोर्ट में ऐसा कुछ नहीं है, जो एक या दो दशक में हुआ हो। यह सब हैरान करने वाला इसलिए भी नहीं है कि देश में अमीर और गरीबी के बीच खाई कोई नई बात नहीं है। यह व्यवस्था सदियों से चली आ रही है। जब राजतंत्र हुआ करता था तो कुछ विशेष वर्ग के लोग थे, जो धनी हुआ करते थे। जो संपूर्ण समाज का महज दस प्रतिशत थे, वही बाकि के सभी लोगों पर नियत्रंण रखते थे, लेकिन अब हम राजतंत्र नहीं लोकतंत्र में पहुंच गए हैं और अमीर-गरीब की खाई कम होने की बजाए लगातार बढ़ रही है। जो गंभीर चिंता का विषय है। धन का वितरण अत्यधिक असमान हो रहा है। इस खाई के मुख्य कारणों में नीतियों का ठीक से लागू न होना, कोरोना जैसी आपदाओं का असमान प्रभाव, तकनीकी प्रगति का लाभ उच्च वर्ग तक सीमित रहना और सामाजिक-आर्थिक संरचनाएं शामिल हैं। वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा दिया जाना भी बहुत जरूरी है। वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में भी अधिकतम लाभ उसी छोटे से तबके के हिस्से में ही जा रहा है जो पहले से ही अमीर है। वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर, हम लोगों को बेहतर वित्तीय निर्णय लेने और उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने में मदद कर सकते हैं। अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा, बस जरूरत है तुरंत और बेहतर उपाए करने की। अगर हम सफल रहे तो कुछ ही समय में हालात बदल सकते हैं।

**वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में अधिकतम लाभ उसी छोटे से तबके के हिस्से में ही जा रहा है जो पहले से ही अमीर है। वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर, हम लोगों को बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं।**

# असमानता के दायरे को नियंत्रित करने के उपाय निकालें

**आर्थिकी**

सतीश सिंह

एजीएम, एसबीआई

देश में समानता और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के सबसे बड़े पैरोकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिवस के ठीक एक दिन पहले एमथ्रीएम इंडिया और हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट के संयुक्त उद्यम ने 1 अक्टूबर को 2025 के लिए 1,687 धनकुबेरों की सूची जारी की, जिनकी निवल संपत्ति 1,000 करोड़ से अधिक और सभी की कुल निवल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपये है, जोकि देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब आधा है।

## चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

भले ही भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन क्या इन अमीरों के बलबूते यह 2047 में विकसित राष्ट्र बन सकता है, शायद नहीं,क्योंकि विकसित राष्ट्र बनने के लिए, किसी भी देश में उच्च प्रति व्यक्ति आय, उच्च मानव विकास सूचकांक, उच्च दर्जे की तकनीक, उन्नत व मजबूत बुनियादी ढांचा, उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं,उत्कृष्ट उद्योग, उत्कृष्ट सेवा क्षेत्र आदि होना चाहिए, लेकिन भारत मौजूदा असमानता के साथ ऐसे उत्कृष्ट मानक नहीं स्थापित कर सकता है। भारत की आबादी अभी लगभग 140 करोड़ है और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्थिर कीमतों पर यहां प्रति व्यक्ति शुद्ध आय 1,14,710 रुपये थी,जो वित्त वर्ष 2014-15 में केवल 72,805 रुपये थी। इस प्रकार, प्रति व्यक्ति आय में 41,905 रुपये की वृद्धि हुई। हालांकि,वर्तमान मूल्यों पर वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रति व्यक्ति शुद्ध आय लगभग 205,324 रुपये रही थी। यहां बताना जरूरी है कि यह आंकड़ा वास्तविक प्रति व्यक्ति आय को नहीं दर्शाता है, क्योंकि मौजूदा व्यवस्था में प्रति व्यक्ति आय देश की कुल संपत्ति को देश की कुल आबादी से भाग देकर निकाली जाती है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2011-12 में गरीबों की संख्या 27.1% थी, जो वित्त वर्ष 2022-23 में घटकर 5.3% या 5.44 करोड़ रह गई। इस तरह, वित्त वर्ष 2011-12 से 2022-23 की अवधि में 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए। विश्व बैंक का यह भी कहना है कि मुफ्त और रियायती खाद्यान्न हस्तांतरण जैसे सरकारी कार्यक्रमों की वजह से गरीब, गरीबी रेखा से बाहर निकल सके हैं, न कि उनकी आय में कोई इजाफा हुआ है। इससे इतर धनकुबेरों की संपत्ति में निरंतर और अकूत इजाफा हो रहा है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ मौजूदा अमीर ही अमीरों की इस सूची में शामिल हैं, नए नाम भी इससे जुड़ रहे हैं, लेकिन वे आमजन नहीं हैं, बल्कि अमीर ही हैं। ऐसे में सवाल का उठना लाजिमी है कि असमानता की इस पराकाष्ठा को क्या पाटा जा सकता है?

**आर्थिक असमानता की खाई को कम करना संभव नहीं है, लेकिन सरकार और आमजन गांधी जी के आर्थिक व सामाजिक दर्शन को अमलीजामा पहनाएं तो इस खाई को कुछ हद तक पाटा जा सकेगा।**

## महात्मा गांधी की आर्थिक दृष्टि

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि असमानता की इस खाई में कभी भी अंशमात्र की कमी नहीं आ सकती है अर्थात अमीरों द्वारा बनाई गई अमीरी के इस चक्रव्यूह को तोड़ना नामुमकिन है, परंतु राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आर्थिक दृष्टि के पड़ताल से ऐसा लगता है कि समय भले जो लगे, किंतु लंबी अवधि में इस खाई नुमा किले में सेंध जरूर लगाई जा सकती है। महात्मा गांधी की आर्थिक दृष्टि मूल रूप से स्वदेशी, विकेन्द्रीकृत सूक्ष्म व लघु उद्योगों, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण-अनुकूल विकास पर केंद्रित थी। स्वदेशी अर्थात देश में सभी उत्पादों का निर्माण किया जाए इसलिए, उन्होंने हर घर में चरखा और खादी के इस्तेमाल का आह्वान किया था, जो कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने का प्रतीक है। साथ ही ग्रामीणों को हुनरमंद बनाने का भी सन्देश देता था। वे जानते थे कि सिर्फ खेती-किसानी से किसान और ग्रामीण आत्मनिर्भर नहीं बन सकते हैं. आज का "मेक इन इण्डिया"इसी स्वदेशी आन्दोलन का विस्तार है, जिसे मजबूत बनाकर देश के निर्यात में तेजी लाई जा सकती है और आयात पर से हमारी निर्भरता को कम किया जा सकता है। आर्थिक गतिविधियां ग्रामीण परिवार को आत्मनिर्भर बनायेंगी और उनका योगदान जीडीपी यानी देश के विकास में सुनिश्चित किया जा सकेगा। गांधी जी ट्रस्टीशिप सिद्धांत के पैरोकार थे, जो ऐसा सामाजिक-आर्थिक दर्शन था, जिसके अनुसार अमीर व्यक्तियों को अपनी संपत्ति पर 'ट्रस्टी' की तरह व्यवहार करना चाहिए और उन्हें केवल व्यक्तिगत लाभ के बजाय समाज के कल्याण के लिए उपयोग करना चाहिए, लेकिन एकाध अपवाद को छोड़कर आज ऐसा न तो हो रहा है और न ही होने की संभावना है। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि मौजूदा आर्थिक असमानता की खाई को कम करना संभव नहीं है, लेकिन अगर सरकार और आमजन गांधी जी के आर्थिक व सामाजिक दर्शन को अमलीजामा पहनाते हैं तो निश्चित रूप से असमानता की खाई को कुछ हद तक पाटा जा सकेगा।

# बढ़ रहे अरबपति और सिमट रहा अंत्योदय संकल्प

**चुनौती**

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

कुछ दिन पहले एमएम हुरुन इंडिया ने भारत के सबसे अधिक धनी व्यक्तियों की 2025 की सूची जारी की है। सूची में क्रमांकित अरबपतियों के पास जो चल-अचल संपत्तियां व परिसंपत्तियां हैं, इनका कुल मूल्य भारतीय जीडीपी के लगभग आधे हिस्से के बराबर है। विश्व में चतुर्थ सर्वाधिक धनी देश, विगत कई तिमाहियों से निरंतर 5 प्रतिशत मूल्य वृद्धि के साथ पुष्ट होती भारतीय अर्थव्यवस्था, वस्तु एवं सेवा कर क्रियान्वयन की सुगमता तथा दो कम मूल्य की कर श्रेणियों की घोषणा के बाद, भारत में अरबपतियों की बढ़ती संख्या का समाचार एक साधारण दृष्टिकोण के साथ तो देशवासियों को गर्वबोध से संचित कर सकता है, किंतु अरबपतियों की तुलना में जब जीविकाहीन व जीविकायुक्त दोनों प्रकार के करोड़ों निर्धनों की वास्तविकता सम्मुख प्रकट होती है, तो अर्थभेद का दुर्बोध भी होता है। यह सत्य देश में धनिकों एवं निर्धनों के मध्य बढ़ते वास्तविक अंतराल का दोष भी परिलक्षित करता है। देश में श्रमिक वर्गीय निम्न मध्यम परिवारों से संबंध रखने वाली अधि जनसंख्या आर्थिक रूप में अभी भी स्वावलंबी नहीं बन सकी है।

## कर्मियों को जीविका का संकट

इस कुल मनुष्य संख्या में जो जीविका रहित हैं, वे तो अर्थपरतंत्रता से बंधे ही हुए हैं, किंतु जो निम्न स्तरीय व कम वेतन वाली नौकरियों में लगे हुए हैं, वे भी बस जैसे-तैसे अपने व परिवार की जीविका से बंधकर निरंतर आर्थिक अवनति से ग्रस्त हैं। आज भी लघु-दीर्घ-मध्यम स्तरीय कई निजी उद्योगों, कंपनियों, संस्थानों में कर्मचारियों के सम्मुख जीविका का संकट खड़ा है। अनेक कर्मचारी कार्य करते हुये भी वेतन विलंब व विसंगतियों से त्रस्त हैं।

शासन द्वारा स्थापित श्रमिक न्यायालय व तंत्र निष्प्रभावी बने हुए हैं। देशभर में अशासकीय निजी कर्मचारियों के निर्धारित जीविका अधिकार, वेतन व पदोन्नति के अधिकार तथा अनेक अन्य सहायक प्रोत्साहन मौद्रिक अधिकार गहन संकट में हैं। निजी उद्योगों व कंपनियों के साथ लघु कार्य अनुबंधकों, एकल स्वतंत्र कर्मचारियों तथा अन्य क्रेताओं-विक्रेताओं के पदाधिकार से संबद्ध लोगों को एक निर्धारित समय पर उनका वेतन नहीं मिलता। वर्षों तक वे एक ही मूल्य पर अपनी सेवायें देते रहते हैं। इसके विपरीत ऐसे करोड़ों-करोड़ कर्मचारियों, श्रमिकों, रोजगाररत लोगों की तुलना में लाखों की संख्या में उपस्थित शासकीय कर्मचारियों का मूल वेतन तथा सहायिकियां प्रतिवर्ष बढ़ती हैं। इस परिस्थिति में शासन के सम्मुख ये प्रश्न रखना स्वाभाविक हो जाता है कि जब अर्थव्यवस्था की संपन्नता के बल पर देशभर में महंगाई नियंत्रित है तथा वस्तु व सेवा कर के अंतर्गत कम मूल्य की दो श्रेणियों के बन जाने पर अधिसंख्य वस्तुओं व सेवाओं के मूल्य में कमी होने लगेगी, तो फिर शासकीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते कम करने की क्या आवश्यकता थी। यदि शासकीय कर्मचारियों के कल्याण बोध को केंद्र में रखकर ऐसा कर भी दिया है और वह प्रतिवर्ष ऐसा करता भी आया है, किंतु शासन का ध्यान निजी क्षेत्र में कार्यरत निम्न व मध्यम वर्गीय कर्मचारियों के मूल वेतन व महंगाई भत्तों की वार्षिक नियमित वृद्धि पर क्यों नहीं ठहरता? क्या शासकीय कर्मचारियों तथा निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के लिए आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं तथा विलासी वस्तुओं-सेवाओं के मूल्य में अंतर होता है? अरबपतियों की बढ़ती संख्या के साथ गरीबों के मौलिक जीवकाधिकारों के हनन का सत्य देश की अर्थसंपन्नता को विरोधाभासी बना रहा है।

**देश में धनिकों एवं निर्धनों के मध्य बढ़ते वास्तविक अंतराल का दोष परिलक्षित करता है। निम्न मध्यम परिवारों से संबंध रखने वाली अधि जनसंख्या आर्थिक रूप में अभी भी स्वावलंबी नहीं बन सकी है।**

## असंतुलन बना संघर्ष का कारण

आर्थिक विकास का यह असंतुलन राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक संघर्ष का कारण बनता है। शासन को इस दिशा में गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रौद्योगिकी के आगमन के उपरांत सेवायोजक सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी लाखों लोगों की साधारण व अविशिष्ट कार्य निष्पादन से जुड़ी नौकरियां या तो समाप्त हो चुकी हैं अथवा आसन्न संकट से घिरी हुई हैं। निजी क्षेत्रों में कार्यकारी घंटों में तो निरंतर वृद्धि होती आयी है किंतु प्रतिफल में मौद्रिक एवं पदोन्नति का प्रोत्साहन पहले की तरह अत्यंत सीमित है। इन परिस्थितियों में अरबपतियों की संख्या में होने वाली वृद्धि हो अथवा अर्थव्यवस्था की निरंतर प्रगति, सार्वजनिक जीवन बोध को अंत्योदय के अनुभव से वंचित रखती है।

# बड़ी संख्या में बच्चों की मौत की केंद्र कर रहा है जांच

## कोयलांचल में एक माह में दस बच्चों की मौत से फैली दहशत, बच्चों के परिजनों में अफरातफरी, सीएम ने लिया संज्ञान

# एक और मासूम जिंदगी की जंग हारा, मौत का आंकड़ा 10

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छिन्दवाडा (मनीष गड़करी )

पिछले बीस दिनों में छिंदवाड़ा के कोयलांचल में बच्चों में मौत का तांडव चल रहा है। दस मासूमों की जिंदगी छींनने के बाद भी कारण अज्ञात ही है। प्रशासन सिर्फ कयास ही लगा रहा है। हालांकि खबर है कि केंद्र सरकार अन्य राज्यों में भी इसी तरह के मामलों के चलते बच्चों की मौतों की जांच करवा रहा है। बीमार बच्चों के माता पिता दशहत में है। कोयलांचल में पैर पसार रही यह बीमारी धीरे धीरे करके कई मासूमों को अपने आगोश में लेने के लिए तैयार है और कटघरे में खड़ा है प्रशासन। मासूमों की मौत का गुनाहगार कौन है। क्या सच्चाई पर पर्दा डाला जा रहा है। या फिर मौत के कारणों का सिर्फ अंदाज लगाया जा रहा है। कारण अभी भी हकीकत से दूर है। पूरा प्रशासन मुस्तैदी से काम तो लगा है परंतु उपलब्धि के नाम पर हाथ में कुछ भी नहीं है। सभी बच्चों की मौत एक कफ सिरप को वजह मानकर बैन करने की कार्यवाही की गई है। बिना जांच सिरप पर ही ठीकरा फोड़ना कितना उचित है। बच्चों की केस स्टडी से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि कोल्ड्रिफ और नेक्ट्रा डीएस बीमारी की वजह हो सकती है जिसको प्रशासन ने बैन किया है और मेडिकल स्टोर में उपलब्ध सारा स्टॉक वापस किया जा रहा है। सवाल फिर भी वहीं है कि मौत का असली कारण क्या यह सिरप ही है। अगर हाँ तो फिर सिरप बैन के बाद भी मौत का तांडव क्यों नहीं थमा और अगर कारण यह सिरप नहीं है तो फिर प्रशासन कारण ढूंढने में अब तक नाकाम क्यों? सवाल तो बहुत है परंतु उन दस परिवारों का क्या होगा जिन्होंने अपने मासूम बच्चों को खोकर अपना सब कुछ लुटा दिया। दरअसल पिछले दिनों कोयलांचल में जो हुआ वह एक स्वास्थ्य संकट ही नहीं बल्कि हमारे सिस्टम की सामूहिक विफलता का शर्मनाक दस्तावेज है जिसके कारण दस मासूमों की सांसें किडनी फैल होने से थम गई और कई मासूम नागपुर और छिंदवाड़ा के अलग अलग अस्पतालों में जिंदगी की जंग लड़ रहे है और उनके साथ लड़ रहा है उनका परिवार। मासूमों की जिंदगी के साथ परिवार की जिंदगी सपने, पैसा और धैर्य सब कुछ दांव पर लगा है। मौत का आंकड़ा बढ़ने से बीमार मासूमों के परिजनों की धड़कने भी तेज हो रही है। पांच साल का अदनान, चार साल का विकास, पांच साल की योगिता ये सिर्फ माता पिता का जीवन ही नहीं उनके परिजन का संसार थे। जिनके घरों में आज भयावह सन्नाटा पसरा हुआ है और शासन प्रशासन जांच रिपोर्ट कार्यवाही के नाम पर कारणों पर पर्दा डालने का प्रयास में लगा है। अगर बाजार में कोल्ड्रिफ और नेक्सट्रॉस डीएस सिरप उपलब्ध थे। तब क्या हमारा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग आंख में पट्टी बांधे बैठा था। पहली मौत के बाद ही अगर प्रशासन सही तरीके से सजग होकर काम करता तो मौत का यह आंकड़ा दस तक नहीं पहुंचता। यह खबर पाठक तक पहुंचने तक और कितने मासूम की जिंदगी खतरे में आ सकती है कुछ भी नहीं कहा जा सकता। मौत का कारण आज भी अज्ञात है। कयासों से मौत को थामना संभव नहीं है। शासन प्रशासन को वैज्ञानिकों को, जांच टीमों को वाजिब कारण तलाश कर उस पर काम करने की बेहद आवश्यकता है। नहीं तो कल फिर दिल दहला देने वाली कोई बात सुनने में आ सकती है, इस बात से तो इंकार नहीं किया जा सकता।

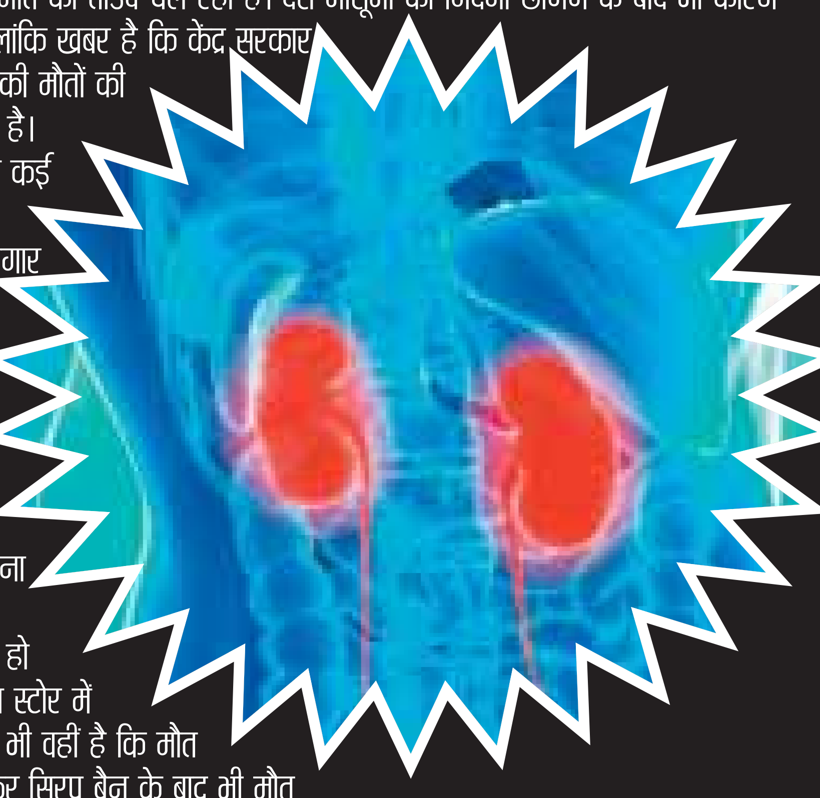

अदनान खान पिता अमीन खान
**मृत्यु 7 सितंबर 2025**

हेतांश सोनी उमरेठ
**उम्र पांच वर्ष**

## बड़कुही की मासूम योगिता भी हुई बेनाम बीमारी की शिकार

## मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, मृतक के परिजनों को चार लाख की घोषणा, निशुल्क इलाज भी कराएगी सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि छिंदवाड़ा जिले में कोलड्रिफ कप सिरप के कारण बच्चों की हुई मृत्यु अत्यंत दुखद है। कोलड्रिफ कप सिरप की जाँच रिपोर्ट आने पर मध्यप्रदेश में इस सिरप की बिक्री को पूर्णता प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रदेश में अभियान के तौर पर छापामारी कर कोलड्रिफ सिरप को जप्त किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा में इस सिरप के कारण जिन 11 बच्चों को मृत्यु हुई है, उनके परिजन को 4-4 लाख रूपये आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। साथ ही उपचाररत बच्चों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी।

### जाँच नमूने पाये गये अमान्य, सिरप में कैमिकल की संभावना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा की घटना संज्ञान में आने पर कोलड्रिफ सिरप के सैम्पल जाँच के लिए भेज गये थे। शनिवार की सुबह जाँच रिपोर्ट में पाया गया कि जाँच नमूने अमान्य पाये गये है। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कोलड्रिफ सिरप के विक्रय को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य स्तर पर भी इस मामले में संयुक्त जाँच टीम बनाई गई है। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जायेगा।

### जाँच में पाई गई 48.6% डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा

तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक, द्वारा कोलड्रिफ सिरप को "नॉट ऑफ़ स्टैण्डर्ड क्वालिटी(एनएसक्यू)" घोषित किया गया है। शासकीय औषधि विश्लेषक, औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, चेन्नई के परीक्षण अनुसार इस सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा पाई गई 48.6% पाई गई है, जो एक जहरीला तत्व है और स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से हानिकारक है। जिला छिंदवाड़ा से बच्चों की मृत्यु की घटनाओं की पृष्ठभूमि में इस औषधि की संदिग्ध भूमिका को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में कठोर कदम उठाए गए हैं। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन डॉ. दिनेश कुमार मौर्य ने प्रदेश के समस्त वरिष्ठ औषधि निरीक्षक एवं औषधि निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि उक्त दवा का विक्रय एवं वितरण तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। यदि यह दवा उपलब्ध हो तो इसे तुरंत सील कर लिया जाए तथा नष्ट नहीं किया जाए, जैसा कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 और नियमों में प्रावधान है। संबंधित औषधि के नमूने संकलित कर परीक्षण हेतु शासकीय औषधि प्रयोगशालाओं को भेजे जाएं। कोलड्रिफ सिरप के अन्य बैचेस भी यदि उपलब्ध हों तो उन्हें भी सील कर नमूने परीक्षण हेतु भेजे जाएं। जनहित को देखते हुए मेसर्स स्रेसन (**Sresan**) फार्मास्यूटिकल द्वारा निर्मित सभी अन्य औषधियों की बिक्री एवं उपयोग भी तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है और इनके नमूने कानूनी परीक्षण हेतु संकलित किए जा रहे हैं। साथ ही प्रदेश में इस दवा की आवाजाही पर सख्त निगरानी के निर्देश हैं।

## अब तक एक भी बच्चे का नहीं हुआ पोस्टमार्टम

परासिया विकासखंड में किडनी इन्फेक्शन से अब तक 10 बच्चों की मौत हो चुकी है। इस गंभीर मामले में बड़ा खुलासा यह हुआ है कि मृत बच्चों का पोस्टमार्टम अब तक नहीं किया गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट के जांच कैसे आगे बढ़ेगी। **एसडीएम का बयान** – परिजनों ने पीएम से किया इनकार परासिया एसडीएम एवं आईएएस अधिकारी शुभम कुमार यादव ने बताया कि परासिया क्षेत्र में 9 बच्चों की मौत हुई है, वहीं 13 बच्चे नागपुर के अस्पताल में भर्ती हैं और तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बच्चों का सीधे नागपुर में इलाज कराया गया, ऐसे मामलों में परिजन पोस्टमार्टम से कतराते हैं। प्रशासन और परिजनों के बीच समन्वय की कमी के चलते किसी भी बच्चे का पीएम नहीं हो पाया। दो सिरप पर लगाया गया बैन प्रशासन ने शुरुआती जांच के आधार पर दो सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी है। बताया जा रहा है कि जिन 6 बच्चों को ये सिरप पिलाए गए थे, उनमें गंभीर लक्षण सामने आए। सुरक्षा की दृष्टि से फिलहाल इन सिरप की बिक्री बंद कर दी गई है और विस्तृत जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुणे लैब में भेजे गए सैंपल एसडीएम ने जानकारी दी कि पानी, मच्छर और अन्य संदिग्ध स्रोतों के सैंपल पुणे लैब में जांच के लिए भेजे गए थे, जिनमें किसी बड़ी समस्या की पुष्टि नहीं हुई। लेकिन बच्चों की स्थिति को देखते हुए दवाओं पर बैन लगाया गया है। परासिया में वर्षों से बिक रहे थे ये सिरप एसडीएम शुभम कुमार यादव ने बताया कि यह सिरप डॉक्टरों की पर्चियों पर लंबे समय से लिखा जा रहा था और मेडिकल दुकानों में भी उपलब्ध था। संभव है कि किसी खास लॉट में समस्या आई हो। इससे पहले 2022 में भी देश के अन्य हिस्सों में ऐसी ही समस्या सामने आई थी। छिंदवाड़ा के परासिया क्षेत्र में हो रही किडनी फेलियर से हो रही मौत के मामले में यह बात निकाल कर सामने आई है कि अभी तक नौ बच्चों की मौत हो चुकी है 13बच्चे में से एक ठीक हो गया चार बच्चों का इलाज जिला अस्पताल छिंदवाड़ा में चल रहा है जिसमें में से दो की हालत नाजुक बनी हुई है 8 बच्चों का इलाज नागपुर में चल रहा है जिसमें से तीन बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है वही परासिया क्षेत्र में ड्रग इंस्पेक्टर की टीम पहुंची हुई है जो जांच कर रही है। खाजरी अंतू निवासी बच्ची संध्या के पिता रसीद बोसम ने बताया कि मेरी 14माह की बेटी को सर्दी खांसी की परेशानी हो रही थी मेरी पत्नी परासिया के प्रवीण सोनी की क्लीनिक में लेकर गई थी जहां उन्होंने दो सिरप पर्ची में लिखे थे उसने बाजू वाले मेडिकल से खरीदे थे 4 दिन में सर्दी खांसी तो ठीक हो गई मगर एक-दो दिन बाद उसकी यूरिन रुक गई फिर हम डॉक्टर प्रवीण सोनी के पास गए तो उन्होंने छिंदवाड़ा रेफर कर दिया छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में तीन दिन इलाज चला आराम नहीं लगा तो फिर नागपुर रेफर कर दिया नागपुर में दो दिन इलाज के बाद 1 तारीख को मेरी बेटी की मौत हो गई नागपुर में डॉक्टरों ने किडनी में इन्फेक्शन बताया था।

## कफ सिरप से गई इन बच्चों की जान

| नाम | उम्र | पता |
|---|---|---|
| दिव्यांश | 7 वर्ष | डुडी |
| अदनान | 5 वर्ष | न्यूटनिखली |
| हेतांश | 5 वर्ष | उमरेठ |
| उसैद | 4 वर्ष | परासिया |
| श्रेया | 18 माह | परासिया |
| विकास | 4 वर्ष | दीघावानी |
| योगिता | 5 वर्ष | बोरिया |
| संध्या | 15 माह | परासिया |
| चंचलेश | ------- | गायगोहान |
| योगिता | पांच वर्ष | बड़कुही |

विशेष जांच दल द्वारा जांच जारी है। जांच अधिकारियों के दल में स्वप्निल सिंह बालाघाट, औषधि अधिकारी गौरव शर्मा छिंदवाड़ा और पुष्पेंद्र पांडे कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा जांच की जा रही है। शनिवार को जांच दल कोयलांचल के अलग अलग क्षेत्रों में पहुंचकर कारण जानने में जुटा है।

## पूर्व सीएम कमलनाथ ने मासूमों की मौत पर उठाए सवाल, विधायक बाल्मीक ने एयर एंबुलेंस से दिल्ली एम्स में शिफ्ट करने की मांग

पूर्व सीएम कमलनाथ ने एक्स पर लिखा है कि यह जानकर स्तब्ध हूं कि बच्चों की दवा में ब्रेक ऑयल जैसे जहरीले साल्वेंट का उपयोग हो रहा है। यह बेहद चिंता की बात है। यह घटना प्रदेश में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक विफलता को उजागर करती है। आज सरकार से मांग करता हूं कि प्रदेश में बिक रही सभी दवाओं की जांच कराई और खाने पीने की वस्तुओं पर भी सख्त निगरानी रखी जाए।

वहीं बच्चों की मौत के बाद सोहन बाल्मिक विधायक की मांग (ऐयर एंबुलेंस )से पीड़ित बच्चों को एम्स दिल्ली शिफ्ट करें सरकार। नवनियुक्त कलेक्टर हरनारायण ने ज्वाइन करने के 2 घंटे में हेल्थ डिपार्टमेंट की बैठक बुलाई। परासिया विधायक सोहन बाल्मिक ने आरोप लगाया के सरकार के स्वास्थ्य मंत्री क्लीन चिट दे रहे हैं। यह गंभीर मामला है। अज्ञात बीमारी से पीड़ित भरती बच्चे को उचित इलाज और मुआवजा अब तक नहीं मिल पा रहा है। विधायक सोहन बाल्मिक ने कहां सरकार से मांग करता हूं कि एयर एंबुलेंस एवं मृतक बच्चों के परिजनों को 10-10 लख रुपए मुआवजा दिया जाए । मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के परासिया विधानसभा में पिछले दो-तीन हफ्तों में किडनी फेलियर से लगभग, 9 बच्चों; की मौत हो चुकी है, अन्य अस्पतालों में भर्ती है जो शुरुआत में मौसमी बुखार समझा जा रहा था। *स्वास्थ्य अधिकारियों को शक है कि यह मौतें दूषित खांसी के सिरप (जैसे कोल्डरेफ और नेक्सट्रो) के सेवन से जुड़ी हैं, जिसमें अवैध रसायन डायइथाइलीन ग्लाइकॉल (**DEG**) मिला हुआ है। यह रसायन कूलेंट (एंटीफ्रीज) और ब्रेक फ्लूइड में इस्तेमाल होता है, जो किडनी और दिमाग पर गंभीर असर डालता है—जैसे किडनी डैमेज, न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम्स और मौत।मुख्य तथ्यः मौतों की संख्याः 9 बच्चे (5 साल से कम उम्र के), पिछले 15-21 दिनों में। अन्य 1,400 से ज्यादा बच्चों की निगरानी चल रही है, जिनमें सर्दी-जुकाम के लक्षण हैं। **कारणः** सिरप में **DEG** की मिलावट, जो ग्लिसरीन (स्वीटनर) को सस्ता बनाने के लिए अवैध रूप से मिलाया जाता है। **स्थानः** छिंदवाड़ा जिला, मध्य प्रदेश। पड़ोसी राजस्थान (सीकर) में भी समान मामले सामने आए हैं।प्रभावः बच्चे पहले ठीक लगते थे, लेकिन कुछ दिनों बाद किडनी फेल हो जाती थी। नागपुर के अस्पतालों में इलाज के बावजूद बच नहीं सके। **की गई कार्रवाईः** दो संदिग्ध सिरप की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया। डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड वाले सिरप के बैचों की जांच शुरू, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (**NCDC**) ने सैंपल लिए।राजस्थान में 19 बैचों की बिक्री बैन, डॉक्टरों को निजी क्लिनिक से वायरल मरीजों को सिविल अस्पताल भेजने का निर्देश।

# शेयर बाजार बन रहा सांप-सीढ़ी का खेल, संभलकर करें निवेश

*बाजार के उतार-चढ़ाव में फूल रही निवेशकों की सांसे, ऐसे में क्या करें ● अपने निवेश को रोके नहीं, एसआईपी निवेश का सबसे बेहतर विकल्प ● करीब 11 इक्विटी म्यूचुअल फंड ने 5 साल में दिया 30% से ज्यादा रिटर्न ● बाजार के इस दौर में भी मुनाफा के साथ अच्छा रिटर्न दे रहे म्यूचुअल फंड*

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

**शेयर बाजार इन दिनों सांप-सीढ़ी का खेल दिखा रहा है। ऐसे में निवेशक हैरान और परेशान हैं कि क्या करें, कैसे करें कि मुनाफा मिलता रहे। निवेश में नुकसान नहीं झेलना पड़े। बाजार की उठा-पटक में कभी इंडेक्स खूब चढ़ जाता है तो कभी काफी लुढ़क जाता है, लेकिन इन तमाम झंझावातों के बीच भी कुछ ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड हैं जो निवेशकों को बीते 5 साल में 30 फीसदी या इससे ज्यादा का सीएजीआर का रिटर्न दिया है। ऐसे में नए निवेशक भी इनमें निवेश कर मुनाफा कमा सकते हैं। म्यूचुअल फंड बाजार के उतार-चढ़ाव वाले दौर में भी निवेशकों को लुभा रहे हैं। खासकर एसआईपी में निवेश सबसे बेहतर माना जाता है। करीब 11 इक्विटी म्यूचुअल फंड ने 5 साल में 30% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में आप भी इनमें निवेश कर अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं।**

*सबसे पुराना और सबसे बड़ा कॉन्ट्रा फंड, एसबीआई कॉन्ट्रा फंड, ने उक्त अवधि में 30.03% का सीएजीआर दिया। निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड आखिरी फंड था जिसने 30% से ज़्यादा का CAGR दिया। इस फंड ने पिछले पांच सालों में 30.02% का सीएजीआर दिया। बाकी 191 फंडों ने पिछले पांच सालों में 13.98% से 29.99% के बीच का सीएजीआर दिया। मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड ने उक्त अवधि में 29.99% का सीएजीआर दिया।*

### क्या है इक्विटी म्यूचुअल फंड

इक्विटी म्यूचुअल फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

### इक्विटी म्यूचुअल फंड के प्रकार

1. लार्ज-कैप फंड: ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।
3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।
4. मल्टी-कैप फंड : ये फंड विभिन्न कैप साइज (लार्ज, मिड, स्मॉल) के शेयरों में निवेश करते हैं।
5. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं।
6. थीमैटिक फंड : ये फंड विशिष्ट थीम या ट्रेंड पर आधारित निवेश करते हैं।

### झूले झूल रहा बाजार

इस समय शेयर बाजार में उठापटक का दौर चल रहा है। बीएसई सेंसेक्स कभी नीचे तो कभी ऊपर जा रहा है। ऐसे में निवेशक परेशान हैंए कि क्या करें। सेंसेक्स कभी पॉजिटिव तो कभी निगेटिव के झूले झूल रहा है। इस वजह से इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश कम होने की खबरें भी आ रही हैं। हालांकि ऐसी स्थिति में घबराने की जरूरत नहीं है। संयम और धैर्य के साथ किया गया निवेश आपको मुना देगा। अभी भी कुछ म्यूचुअल फंड ऐसे हैं, जो मुनाफा ही नहीं, बल्कि अच्छा रिटर्न दे रहे हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ इक्विटी म्यूचुअल फंड के बारे में जिसने पिछले 5 सालों में 30 फीसदी या इससे ज्यादा का सीएजीआर रिटर्न दिया है।

### 202 फंड, सभी ने दिया डबल डिजिट रिटर्न

एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 5 साल की अवधि के दौरान सक्रिय सभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को ट्रैक किया है। इस दौरान पाया गया कि इस दौरान इस सेक्टर में 202 म्यूचुअल फंड थे। उन सभी ने अपने निवेशकों को डबल डिजिट यानी 10 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। हम यहां 11 वैसे फंड का चयन किया है, जिन्होंने इस अवधि में 30% से ज़्यादा का सीएजीआर दिया है। सीएजीआर का मतलब है कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट होता है।

### कौन हैं टॉप रिटर्न देने वाले

5 साल में 30 फीसदी का ज्यादा रिटर्न देने वाले 11 फंडों में से तीन निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के थे। वहीं, क्वांट म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, बंधन म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड, इनवेस्को म्यूचुअल फंड, टाटा म्यूचुअल फंड और एसबीआई म्यूचुअल फंड जैसे फंड हाउसों का एक-एक स्कीम शामिल था।

### लिस्ट में सबसे ऊपर कौन

इस लिस्ट में क्वांट स्मॉल कैप फंड का नाम सबसे ऊपर रहा। इसने पिछले पांच वर्षों में 35.26% का सीएजीआर दिया है। इसके बाद मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड का स्थान है जिसने इसी अवधि में 34.11% का सीएजीआर दिया। इसके बाद तीन स्मॉल कैप फंड थे। निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, जो कि एसेट मैनेजमेंट के हिसाब से सबसे बड़ा स्मॉल कैप फंड है, ने पिछले पाँच सालों में 32.89% का सीएजीआर दिया। इसके बाद बंधन स्मॉल कैप फंड और एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड रहे, जिन्होंने इसी अवधि में क्रमश: 31.38% और 31.15% का सीएजीआर दिया। निप्पॉन इंडिया मल्टी कैप फंड ने पिछले पांच सालों में 30.96% का सीएजीआर दिया। इस मल्टी कैप फंड के बाद तीन स्मॉल कैप फंड थे। एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड और टाटा स्मॉल कैप फंड ने पिछले पांच सालों में क्रमश: 30.72%, 30.70% और 30.42% का सीएजीआर दिया।

# निवेश की सही प्लानिंग बनाएं और आर्थिक चिंता को निपटाएं

तैयारी
बिजनेस डेस्क

**■ भारत में 10 करोड़ का पोर्टफोलियो आर्थिक आजादी का पहला लक्ष्य**
**■ अगर 10 करोड़ को इक्विटी, फिक्स्ड इनकम और रियल एस्टेट में निवेश करें तो सालाना 7-9% रिटर्न**

वित्तीय आजादी का मतलब अक्सर बड़ी संपत्ति, कई प्रॉपर्टीज और बहुराष्ट्रीय निवेश समझा जाता है। लेकिन भारत में असली वित्तीय आजादी का पैमाना इससे काफी कम है। कई अमीर लोगों के लिए यह सिर्फ 10 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो है, जो जीवनभर की आरामदायक और सुरक्षित जिंदगी के लिए शुरुआती लक्ष्य माना जाता है। यह संख्या बेशक कम लगती है, लेकिन बेहद तार्किक है। दरअसल, फाइनेंशियल फ्रीडम खर्च करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जीवन को सहज और सुरक्षित ढंग से चलाने के लिए होती है। 10 करोड़ रुपये के सही तरीके से निवेश किए पोर्टफोलियो से आप अपनी लाइफस्टाइल, हेल्थ इंश्योरेंस, बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं को लंबे समय तक चला सकते हैं।

### वित्तीय आजादी का असली मतलब

कई बार लोग फाइनेंशियल फ्रीडम का मतलब सिर्फ बेशुमार दौलत से समझते हैं। लेकिन, असल में इसका मतलब है कि आपकी संपत्ति और निवेश से इतनी कमाई हो कि आपकी जिंदगी की जरूरतें पूरी हों, बिना किसी नौकरी या नियमित आय पर निर्भर रहे बिना। यह संख्या ज्यादा नहीं, बल्कि आपके समय और विकल्प की स्वतंत्रता को दिखाती है।

### भारत में फाइनेंशियल फ्रीडम के पहलू

भारत में फैमिली स्ट्रक्चर बाकी दुनिया के मुकाबले काफी अलग है। इसके चलते फाइनेंशियल फ्रीडम में और भी जिम्मेदारियां जुड़ी होती हैं। बच्चों की पढ़ाई, शादी, बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल और प्रॉपर्टी ट्रांसफर जैसी जिम्मेदारियां यह तय करती हैं कि आजादी कितनी है।

### 10 करोड़ क्यों सबसे बेस्ट

**1. स्थायी पैसिव इनकम :** अगर 10 करोड़ रुपये को इक्विटी, फिक्स्ड इनकम और रियल एस्टेट में निवेश किया जाए तो सालाना 7-9% रिटर्न मिल सकता है। इसका मतलब 70-90 लाख रुपये सालाना या 6-7.5 लाख रुपये प्रति माह। यह आम भारतीय हाई-मिडिल क्लास फैमिली के लिए आरामदायक जीवनशैली, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और मनोरंजन के लिए पर्याप्त है।

**2. महंगाई से सुरक्षा :** भारत में औसत महंगाई 5-6% रहती है। 10 करोड़ का सही तरह से निवेश किया पोर्टफोलियो इतना रिटर्न देगा कि महंगाई से ऊपर रहेगा। साथ ही, आपके पास जरूरी खर्चों के लिए पर्याप्त लिक्विडिटी बनी रहेगी।

**3. इमरजेंसी खर्च :** जीवन अनिश्चित है। मेडिकल इमरजेंसी या बच्चों की विदेश में पढ़ाई जैसी बड़ी जरूरतें कभी भी आ सकती हैं। 10 करोड़ का पोर्टफोलियो अप्रत्याशित खर्चों को पूरा करने में मदद करता है। व्यापक बीमा इस सुरक्षा को मजबूत बनाता है।

**4. जीवनशैली की इच्छाएं :** अधिकतर मिलियनेयर शानदार जीवनशैली की नहीं सोचते। उनका ध्यान आरामदायक घर, समय-समय पर घूमना-फिरना, भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवा और बच्चों के भविष्य पर होता है। ऐसे में 10 करोड़ रुपये उनके लिए अच्छी रकम बन जाते हैं।

**5. मानसिक राहत :** 10 करोड़ रुपये एक मानसिक सीमा भी है। यह आर्थिक अनिश्चितता से सुरक्षा की भावना देती है और लोग पैसिव आय पर निर्भर होकर अपने शौक, विरासत योजना या चैरिटी पर ध्यान दे सकते हैं।

**6. लचीलापन और सुविधा**
एसआईपी की सबसे खास बात यह है कि इसे कभी भी बदला या रोका जा सकता है। आप चाहें तो निवेश की रकम बढ़ा सकते हैं, घटा सकते हैं या कैंसल कर सकते हैं। इसमें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता। एसआईपी को इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड फंड- किसी में भी लगाया जा सकता है। यही लचीलापन इसे हर निवेशक की जरूरतों के अनुकूल बनाता है।

### अलग-अलग पीढ़ी में वित्तीय आजादी का मतलब

युवा पेशेवर (25-35 साल) जल्दी आर्थिक आजादी पाना चाहते हैं। वे अक्सर 3–5 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो बनाने का लक्ष्य रखते हैं। उनका लक्ष्य होता है कि 40 की उम्र तक काम छोड़कर अपने मनमुताबिक जिंदगी बिता सकें। इस उम्र में उनके लिए समय और लचीलापन ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं। मिडल-एज लोग (35–50 साल) घर के लोन, बच्चों की पढ़ाई और माता-पिता की देखभाल जैसी जिम्मेदारियों में व्यस्त रहते हैं। उनके लिए 10-15 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो पर्याप्त हो सकता है, जिससे वे अपने खर्चों और परिवार की जरूरतों को आराम से पूरा कर सकें। वरिष्ठ मिलियनेयर (50 साल से ऊपर) रिटायरमेंट के करीब होते हैं। उनके लिए स्वास्थ्य, जीवन के आखिरी हिस्से की योजना और संपत्ति अगली पीढ़ी को देने की जिम्मेदारी सबसे बड़ी होती है। उनके लिए 20–25 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो उन्हें सुरक्षित जीवन और बच्चों को संपत्ति देने में मदद करता है।

### 10 करोड़ के फंड तक कैसे पहुंचे

- 25 साल का युवा अगर 50,000 रुपये प्रति माह निवेश करता है और 12% रिटर्न पाता है, तो 55 की उम्र तक 10 करोड़ आसानी से बन सकते हैं।
- इक्विटी, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड इनकम, रियल एस्टेट और गोल्ड का तालमेल जोखिम कम करता है। यह सुरक्षित तरीके से संपत्ति बढ़ाता है।
- जैसे-जैसे कमाई बढ़ती है, खर्च भी बढ़ते हैं। ऐसे में बोनस और अन्य आय को निवेश में लगाना जरूरी है।
- इमरजेंसी फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और रिस्क कवरेज से वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इससे मुश्किल वक्त में बचत को नहीं छेड़ना पड़ता।

# सोना-चांदी ने मचाई धूम, गोल्ड 22% और सिल्वर 39% चढ़ा

दोनों धातुओं ने 30 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, आगे भी ऐसी ही उम्मीद ■ दो वर्षों में सोने और चांदी की कीमतों की राह ऊपर की ही रही ■ चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में इनमें भारी बढ़त देखी गई ■ निवेशकों के सबसे प्रिय बनकर उभरी दोनों धातुएं

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अमेरिका में ऊंची मुद्रास्फीति और धीमी वृद्धि को लेकर पैदा अनिश्चितताओं ने सोने-चांदी में तेजी को हवा दी है। इनके साथ-साथ अमेरिका के बढ़ते कर्ज और ट्रंप प्रशासन के आयात/निर्यात शुल्कों के कारण दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कीमती धातुओं के दामों में लगातार रिकॉर्ड तेजी का केंद्र बन गई है। पिछले दो वर्षों में सोने और चांदी की कीमतों की राह ऊपर की रही है। लेकिन चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में इनमें भारी बढ़त देखी गई है। वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में अंतरराष्ट्रीय सोने ने 22.1 फीसदी का रिटर्न दिया है जो कम से कम 30 वर्षों के बाद किसी पहली छमाही में दर्ज अब तक का सबसे ज्यादा रिटर्न है। इसी तरह चांदी ने 39.5 फीसदी का रिटर्न दिया है जो पिछले तीन दशकों में दूसरा सबसे अच्छा रिटर्न है। इससे पहले, कोविड महामारी के कारण ऐतिहासिक लॉकडाउन वाले वर्ष 2020-21 की पहली छमाही में चांदी ने 66.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की थी। ये रिटर्न और कीमतें 30 सितंबर शाम 5.40 बजे की कीमतों पर आधारित हैं। रुपये के लिहाज से वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में सोना 29.5 फीसदी बढ़ा है जो पिछले तीन दशकों में पहली छमाही का सबसे ज्यादा रिटर्न है। चांदी ने 43.1 फीसदी का रिटर्न दिया है जो लॉकडाउन वर्ष (वित्त वर्ष 21) की पहली छमाही की 53 फीसदी बढ़त के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है।

विविधीकरण

### लगातार बढ़ रही कीमतें

हालांकि, मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट के साथ तेजी थमी। सुबह के कारोबार में 3,871 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद सोने की कीमतों में गिरावट आई और यह 3,815 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। चांदी भी 47.1 डॉलर प्रति औंस से गिरकर 46.3 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है,जो अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 49 डॉलर प्रति औंस से थोड़ा कम है। मुंबई के हाजिर बाजार में 995 शुद्धता वाला 24 कैरेट सोना 1,14,887 रुपये प्रति 10 ग्राम (1,16,435 रुपये की शुरुआती कीमत से कम) पर बंद हुआ। चांदी 1,42,434 रुपये प्रति किलोग्राम (सुबह के कारोबार में 1.45 लाख रुपये की कीमत से कम) पर बंद हुई जो अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप है।

### तेजी के ये कारण

सोने में हालिया तेजी का मुख्य कारण अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप होने की आशंका है। रिकॉर्ड 37.5 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज का वित्तपोषण मुश्किल है और अमेरिका में ट्रंप प्रशासन और कांग्रेस के प्रतिनिधियों के बीच हाल में हुई बैठक में भी बंदी के मुद्दे को सुलझाने को लेकर कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकला। 1971 में अमेरिका में बंद की आशंकाओं के चलते निक्सन प्रशासन ने अमेरिकी डॉलर को सोने में बदलने पर रोक लगा दी थी। पिछले कुछ महीनों से अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी, अमेरिका में मुद्रास्फीति की आशंका, अमेरिकी फेड अधिकारियों के खिलाफ सरकार की टिप्पणियों और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने कीमती धातुओं में तेजी को बढ़ावा दिया है। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक भी सोने के बड़े खरीदार रहे हैं।

### आगे की राह भी ऐसी ही रहेगी

पिछले कुछ महीनों से चांदी की सिफारिश करते रहे हैं। उन्होंने कहा, चांदी में अब जरूरत से ज्यादा खरीद हुई दिखती है। तेजी की एक और लहर इसे नई ऊंचाई पर ले जाएगी, लेकिन उससे पहले इसमें गिरावट की संभावना है। उद्योग और निवेशकों के बीच चांदी की उच्च मांग है। इस कारण भारत में बाजार 50 सेंट के प्रीमियम पर पहुंच गया है, जबकि तत्काल डिलिवरी मिलना मुश्किल है। वैश्विक स्तर के बारे में एक प्रमुख व्यापारी ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता चांदी के बड़े खरीदार हैं जो बैटरी निर्माण के लिए आवश्यक है और सौर पैनल निर्माताओं और निवेशकों की मांग से इसे समर्थन मिल रहा है। चांदी की भारी मांग है। लेकिन स्थानीय स्तर पर सोने की मांग फिलहाल कमजोर है। ग्राहक सिक्के खरीद रहे हैं और पुराने जेवरों को नए आभूषणों से बदल रहे हैं।

### चांदी को लेकर भी काफी आशावादी

अमेरिका में सरकारी शटडाउन से बचना मुश्किल होने के कारण सोने की कीमत को 4,000 डॉलर से 4,100 डॉलर के बीच प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। वे चांदी को लेकर भी काफी आशावादी हैं, लेकिन चांदी की कीमतें और ऊपर जाने से पहले कई बार 49 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू सकती हैं। चांदी के 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी से पहले नौ महीनों का रिटर्न 45 साल में सबसे ज्यादा है। कैलेंडर वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में सोने का रिटर्न 45 फीसदी है जबकि चांदी का रिटर्न 59 फीसदी है।

# आखिर मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अब कवरेज बेहद ज़रूरी क्यों?

■ आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में काम का प्रेशर तो कभी पैसों की चिंता कर रही परेशान
■ समाज की उम्मीदों को भी पूरा करने का रहता है दबाव, ये सब बढ़ाते हैं तनाव
■ लगातार तनाव की वजह से चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं कर रही परेशान
■ ऐसे में जरूरी हो जाता है कवरेज, बिना किसी चिंता के करवा सकते हैं देखभाल

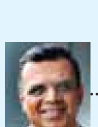

जानकारी
भास्कर नेरुरकर

मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य की तरह ही महत्वपूर्ण है। हाल के समय में कई मशहूर हस्तियों के अपने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बातों को खुलकर सामने रखने और मीडिया में हो रही चर्चा से इस समस्या के प्रति लोगों में जागरूकता आई है। बहुत से लोग इस बारे में खुलकर बात नहीं करते थे, जिस वजह से इसे कभी प्राथमिकता नहीं समझा गया। आज, चीजें बदल रही हैं। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में कभी काम का प्रेशर होता है, कभी पैसों की चिंता और ऊपर से समाज की उम्मीदों को भी पूरा करना पड़ता है और ये सब मिलकर रोज़मर्रा का तनाव बढ़ाते हैं। इस लगातार तनाव की वजह से चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं. हालांकि टेक्नोलॉजी की मदद से हम एक दूसरे से जुड़े रहते हैं, लेकिन कई बार इससे हमें अकेलापन या तनाव का एहसास भी होता है, जो हमारे मन पर असर डालता है। समय रहते मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को समाधान करने से स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है। ऐसे माहौल में, मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 2017 ने इलाज तक पहुंच को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस कानून के तहत, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने दिशानिर्देश जारी किए, जिनके अनुसार 31 अक्टूबर 2022 से सभी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को मानसिक बीमारी से जुड़े इलाज को शारीरिक बीमारी के बराबर मानते हुए कवर करना और उससे जुड़े क्लेम स्वीकार करना अनिवार्य कर दिया गया। इसका मतलब है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग अब बिना किसी चिंता के जरूरी देखभाल हासिल

### मानसिक स्वास्थ्य के लिए कॉम्प्रिहेंसिव कवरेज के मुख्य लाभ

जल्दी मदद प्राप्त करना आसान : जब मानसिक स्वास्थ्य देखभाल आपके इंश्योरेंस का हिस्सा हो, तो ज़रूरत महसूस होते ही मदद लेना ज़्यादा आसान और संभव हो जाता है। समय रहते इलाज प्राप्त करने से समस्या ज़्यादा गंभीर नहीं होती है और रिकवरी भी जल्दी हो जाती है। हेल्थ इंश्योरेंस आपको मेडिकल बिल की लागत पर चिंता किए बिना तुरंत समस्या का समाधान करने का आत्मविश्वास देता है।

### आपकी जेब पर पड़ता है कम बोझ

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल महंगी होती है। इसमें अक्सर नियमित थेरेपी सेशन, दवाएं और कभी-कभी हॉस्पिटल में भर्ती होना शामिल होता है। ये खर्च तेज़ी से बढ़ सकते हैं और एक समय पर इलाज जारी रखना मुश्किल हो जाता है। एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस कवर इन खर्चों का बड़ा हिस्सा चुका देता है, जिससे आप पैसे की चिंता किए बिना अपनी सेहत सुधारने पर ध्यान दे सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि प्लान में क्या शामिल है, यह आपके द्वारा चुने गए प्लान के प्रकार पर निर्भर करता है।

### हॉस्पिटलाइज़ेशन के बिना ली गई थेरेपी के लिए कवरेज

कुछ हेल्थ इंश्योरेंस प्लान में ओपीडी(आउटपेशेंट डिपार्टमेंट) की सुविधा मिलती है, जिसका मतलब है कि हॉस्पिटल में भर्ती हुए बिना भी थेरेपी या काउंसलिंग की सुविधा प्राप्त की जा सकती है। इससे ज़रूरत पड़ने पर नियमित मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्राप्त करना आसान हो जाता है। यह सुविधाजनक और किफायती विकल्प है, जो आपको अपनी देखभाल जारी रखने में मदद करता है।

### मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में मदद

मानसिक स्वास्थ्य तुरंत ठीक नहीं होता है। कई लोगों को लंबे समय तक मदद की ज़रूरत होती है, जैसे कि लगातार थेरेपी लेना, दवाइयां लेना या नियमित रूप से मनोचिकित्सक के पास जाना जो इंश्योरेंस प्लान मानसिक स्वास्थ्य को कवर करते हैं, वे लंबे समय तक इलाज जारी रखने में मदद करते हैं, जिससे भावनात्मक रूप से स्वस्थ बने रहना आसान होता है।

### विशेष मानसिक स्वास्थ्य प्लान

सामान्य हेल्थ इंश्योरेंस के अलावा, कुछ कंपनियां ऑटिज़्म, पार्किंसंस रोग और बौद्धिक अक्षमताओं जैसी खास मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के लिए विशेष प्लान भी प्रदान करते हैं। इन पॉलिसी में आयुष उपचारों के लिए भी कवरेज मिल सकती है, जिनमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी शामिल हैं। कुछ बीमा कंपनियां इन विशेष प्लान के तहत पहले से मौजूद कुछ मानसिक बीमारियों को भी कवर करती हैं। एक संतुलित और अर्थपूर्ण जीवन जीने के लिए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझना बहुत ज़रूरी है। बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक, हमारी मानसिक सेहत इस बात को प्रभावित करती है कि हम क्या सोचते हैं, कैसा महसूस करते हैं और दुनिया के साथ कैसे तालमेल बैठाते हैं। अगर हम मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हों और समय पर देखभाल करें, तो हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जहां इसे शारीरिक स्वास्थ्य के बराबर माना जाएगा। थेरेपी या मदद लेना कमज़ोरी नहीं, बल्कि ठीक होने, आगे बढ़ने और मजबूत बनने की एक बड़ी पहल है।

*- (लेखक बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम के हेड हैं)*

## हिंदू समाज को संगठित, चरित्रवान, चिंतनशील, स्वदेशी एवं स्वाभिमानी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा संघ

# राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाएं वास्तव में व्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी

श्रीकांत बुघोलिया
प्रांत संयोजक
स्वदेशी जागरण मंच
मध्यभारत प्रांत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 1925 में हुई थी, वह बीज आज शताब्दी पूर्ण होने पर एक विशाल वटवृक्ष के रूप में विकसित हो चुका है। जिसकी यात्रा उपहास, उपेक्षा, विरोध, सहयोग और सहभागिता से होकर गुजरी है। डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार और गुरुजी की तपस्या तथा लाखों-करोड़ों स्वयंसेवकों के त्याग, समर्पण और सत्यनिष्ठा ने इस साधना को सिद्धि तक पहुंचाया। साधना से सिद्धि, सिद्धि से शक्ति और शक्ति से समाज निर्माण का यह पथ बना।

आज संघ का कार्य हिन्दू समाज को संगठित, चरित्रवान, चिंतनशील, स्वदेशी एवं स्वाभिमानी बनाने की ओर प्रवृत्त है। संघ की शाखा न केवल स्वयंसेवकों के संपूर्ण व्यक्तित्व को निखारने का स्थान है, बल्कि अहम से वयमं की यात्रा भी यहीं से प्रारंभ होती है। संघ की शाखाएं वास्तव में व्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी हैं। आज संघ चारों दिशाओं में एक साथ बढ़ रहा है। इसका अर्थ चारों दिशाओं में समाज का संगठित होना है। संघ अपने सौ वर्ष पूरे कर रहा है। संघ से प्रेरित अनेक संगठन विद्यार्थी परिषद, सेवा भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, स्वदेशी जागरण मंच, विश्व हिन्दू परिषद, मजदूर संघ आदि आज समाज के विविध वर्गों में कार्यरत हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपने लिए कुछ भी नहीं चाहिए। भारत माता की जय हो, इसी संकल्प के साथ वह आगे बढ़ रहा है और समाज से आग्रह कर रहा है कि आईए, एक साथ मिलकर हम अपनी सभी चुनौतियों का समाधान करें। भारत को भारत बनाए, विश्व गुरु भारत बनाए, क्योंकि भारत को ही विश्व का दिशा दर्शन करना है, तब ही दुनिया शांति के साथ रह सकेगी। भारत की दुनिया को देखने की दृष्टि न तो शासक की है न बाजार की हमारी दृष्टि विश्व बंधुत्व की है, वसुधैव कुटुम्बकम की है। मैं स्वयं को गौरवान्वित और भाग्यशाली मानता हूं कि इस जन्म में मुझे संघ रूपी ईश्वरीय कार्य में योगदान करने का अवसर प्राप्त हुआ।

# कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस 7 और 8 को, प्रत्येक क्षेत्र में बताई जाएंगी सरकार की प्राथमिकताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 7 एवं 8 अक्टूबर 2025 को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होने वाली कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विषय संयोजक को प्रस्तुति के लिए अधिकतम 20 मिनट मिलेंगे। प्रत्येक क्षेत्र में राज्य सरकार की प्राथमिकताएं बताई जाएंगी। राज्य सरकार के विजन के अनुरूप केन्द्र और राज्य सरकार की क्षेत्रीय प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ 5 और कमजोर 5 जिलों की समीक्षा की जाएगी।

कांफ्रेंस में कलेक्टरों के सुझावों पर ध्यान केंद्रित कर आने वाली विशिष्ट समस्याएं और मुद्दे तथा जिला स्तर पर उस क्षेत्र के साथ अन्य किसी क्षेत्र में उनके किए गए नवाचार पर चर्चा की जाएगी। मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय और योजना विभाग चुनिंदा कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे। स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और नवाचार तथा जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर सार्वजनिक संवाद (जन संवाद) वीसी के माध्यम से इच्छित परिणाम प्राप्ति पर चर्चा होगी। जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर रोजगार सृजन, लोगों के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक आसान पहुंच और पहलों के बारे में जागरूकता पर चर्चा होगी।

### सभी 8 सेक्टरों के लिए 75 मिनट का सत्र समय रखा

कांफ्रेंस का उद्घाटन सत्र 7 अक्टूबर की सुबह 10 बजे से 10.30 बजे तक होगा। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से परिचय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के संबोधन से होगा। सत्र में संयोजक कृषि उत्पादन आयुक्त, सदस्य कृषि, बागवानी, पशु चिकित्सा, सहकारी की ओर से कलेक्टर्स के बीच कृषि एवं संबद्ध विषयों पर चर्चा की जाएगी। दूसरे सत्र में प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य सदस्य सचिव डब्ल्यूपीसी, निदेशक एनएचएम कलेक्टर्स के बीच स्वास्थ्य एवं पोषण पर चर्चा केन्द्रित होगी। तीसरे सत्र में प्रमुख सचिव उद्योग, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, वित्त विभाग की ओर से कलेक्टर्स के बीच रोजगार, उद्योग और निवेश चर्चा पर रहेगा। चौथे सत्र में संयोजक अपर मुख्य सचिव-शहरी की ओर से शहरी विषयों पर चर्चा होगी और पांचवे सत्र के दौरान संयोजक अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन, अपर मुख्य सचिव वित्त, प्रमुख सचिव राजस्व, विधि की ओर से सुशासन पर चर्चा होगी।

### 8 अक्टूबर को यह होगी गतिविधियां

कॉन्फ्रेंस में 8 अक्टूबर की गतिविधियों के अंतर्गत सुबह 9.30 से 10.15 बजे तक मुख्य सचिव अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, आयुक्त जनसंपर्क की ओर से अपेक्षाओं के साथ विविध चर्चाएं की जाएंगी। कॉन्फ्रेंस के छठवें सत्र में संयोजक प्रमुख सचिव-स्कूल शिक्षा, प्रमुख सचिव जनजाति कार्य चर्चा करेंगे। सातवें सत्र में प्रमुख सचिव पीएचई, प्रमुख सचिव जनजाति कलेक्टर्स के बीच रिसर्च और विकास एवं जनजातीय गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। आठवें सत्र में नियम और कानून पर चर्चा होगी।

## श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के दृष्टिगत होंगे निर्माण कार्य, समन्वय से कार्य करेंगे सभी विभाग

# श्रीराम पथ गमन, परिक्रमा पथ और श्रीराम राजा लोक का निर्माण भव्यता के साथ करें पूर्णः सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के बाद पर्यटकों और श्रद्धालुओं का सारा फोकस चित्रकूट पर है। श्रीराम पथ गमन और श्रीराम राजा लोक के निर्माण कार्य भव्यता के साथ किए जाएं। साथ ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को प्राथमिकता में रखें। सभी विभाग आपसी समन्वय और तालमेल के साथ प्रभावी कार्रवाई करें।

समयबद्ध योजना के अनुसार आवंटित राशि का समुचित उपयोग करें और प्रबंधन कर सभी निर्माणाधीन कार्य समय-सीमा में पूरे करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में श्रीराम पथ गमन कार्य योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि चित्रकूट में धार्मिक के साथ मेडिकल पर्यटन की भी सभी संभावनाएं विकसित करने के लिए ठोस कार्यवाही की जाए। चित्रकूट में उच्च कोटि का हेल्थ वेलनेस सेंटर बनाया जाए। इससे चित्रकूट आने वाले पर्यटकों को सामान्य सहित आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने निवाड़ी जिले के ओरछा में भगवान श्री रामराजा लोक निर्माण की अद्यतन प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ल, प्रमुख सचिव लोक निर्माण सुखवीर सिंह, आयुक्त जनसम्पर्क दीपक सक्सेना, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

» *मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की श्रीराम पथ गमन और ओरछा में श्री रामराजा लोक निर्माण की समीक्षा*

» *कहा- समयबद्ध योजना के अनुसार आवंटित राशि का समुचित उपयोग करें*

### चित्रकूट में परिक्रमा पथ जल्द तैयार करने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट के समग्र विकास के लिए सेवा के कामों से जुड़ी धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं को भी जोड़ा जाए। बड़ी कम्पनियों के सीएसआर फंड से भी चित्रकूट में सेवा गतिविधियां विकसित की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट में परिक्रमा पथ जल्द से जल्द तैयार किया जाए। यहां सोमवती अमावस्या पर उमड़ने वाले श्रद्धालुओं की भारी तादाद के चलते भीड़ प्रबंधन की माइक्रो प्लानिंग की जाए। उन्होंने अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास को निर्देश दिए कि चित्रकूट नगर परिषद हैं, इसलिए वहां नगरीय विकास से जुड़े सभी काम प्राथमिकता से किए जाएं। चित्रकूट नगर का सौन्दर्यीकरण इस तरह से हो कि वह और भी अधिक सुंदर, नियोजित और व्यवस्थित हो जाए।

### ओरछा में 239.87 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के निर्माण कार्य प्रगति पर

अपर मुख्य सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शुक्ल ने बताया कि चित्रकूट में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत 27.21 करोड़ रुपए, कामदगिरि परिक्रमा पथ के विकास के लिए 36.84 करोड़ रुपए और स्मारक यज्ञ देवी सहित अन्य विकास कार्यों के लिए 72 लाख रूपए के निर्माण कार्य वर्तमान में संचालित हैं। ओरछा में श्रीराम राजा लोक निर्माण दोनों चरण सहित 7 विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं पर कुल 239.87 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि श्रीराम पथ गमन न्यास में 33 सदस्य हैं, जिसमें 28 पदेन न्यासी एवं 5 अशासकीय न्यासी सदस्य की नियुक्ति 3 वर्ष के लिए की गई है।

### भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने जताया शोक

**भोपाल।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने खंडवा के ग्राम जामली और उज्जैन के समीप इंगोरिया थाना क्षेत्र में दुर्गा विसर्जन के दौरान हुए हादसे में कई लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

### फेस्टिव सीजन में बना महविश का करियर

**इंदौर।** फेस्टिव सीज़न की शुरुआत के साथ ही अमेज़न इंडिया उन हज़ारों-लाखों एम्प्लॉयीज़, एसोसिएट्स और पार्टनर्स की मेहनत का जश्न मना रहा है, जिनकी वजह से करोड़ों कस्टमर्स और सेलर्स तक तेज़, भरोसेमंद और बेहतर सेवाएँ पहुँच पाती हैं। इन्हीं में से एक हैं महविश खान, जो अमेज़न इंडिया में मार्केटिंग एसोसिएट हैं। महविश इंदौर में पली-बढ़ीं और कॉलेज के दिनों से ही उन्हें कविता लिखने और मंच पर पेश करने का शौक था। महविश की कॉर्पोरेट यात्रा 2021 में ग्लोरोड बाय अमेज़न से शुरू हुई, जहाँ उन्होंने कॉपीराइटिंग और मार्केटिंग कॉन्टेंट का पदभार सँभाला। महविश कहती हैं, अमेज़न का प्रयोग और विश्वास की संस्कृति मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। क्रिएटिव बैकग्राउंड से टेक्निकल काम में आना कभी मुश्किल नहीं लगा, क्योंकि लीडर्स का सहयोग का भाव हमेशा ही मेरे साथ रहे। अमेज़न ने उन्हें न सिर्फ पेशेवर, बल्कि व्यक्तिगत विकास के भी मौके दिए, जैसे कि कर्मचारियों को समाज के प्रति योगदान करने में सक्षम बनाने वाले ट्रेनिंग प्रोग्राम्स, ग्लोबल मंथ ऑफ वॉलंटियरिंग (जीएमवी) जैसी पहलें और बड़े ब्रांड कैम्पेन्स पर काम करने का रोमांच।

## राशिफल

**मेष** — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ सन्तोषजनक रहेगा।

**वृष** — रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी।

**मिथुन** — नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। यात्रा पर जाना पड़ सकता है। खर्चों से परेशान हो सकते हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी। मांगलिक कार्य होंगे।

**कर्क** — कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कुटुम्ब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। परिश्रम अधिक होगा।

**सिंह** — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। धार्मिक संगीत के प्रति रुचि हो सकती है।

**कन्या** — मित्रों का सहयोग मिल सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। मन अशान्त रहेगा। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

**तुला** — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल

**वृश्चिक** — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। आय में वृद्धि

**धनु** — किसी पुराने मित्र से पुनःसम्पर्क हो सकता हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

**मकर** — नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ

**कुंभ** — स्थान परिवर्तन भी सम्भव है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु अपनी भावनाओं को वश में रखें। क्रोध की तीव्रता में कमी आएगी।

**मीन** — कारोबार में विस्तार के लिए निवेश कर सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। माता से भी धन प्राप्ति हो सकती है। धन की स्थिति में सुधार होगा। मान सम्मान

## पीआर नए उद्यमियों को दे रहा है मुफ्त ग्रोथ टॉनिक

# स्टार्टअप्स के लिए बजट अब रोड़ा नहीं

**इंदौर।** कई बार स्टार्टअप्स में बढ़ने की क्षमता तो होती है, लेकिन मूल जानकारी की कमी, संसाधनों की कमी और सही स्टोरीटेलिंग न होने के कारण वे अपने प्रोडक्ट्स और विचार लोगों तक सही तरीके से नहीं पहुँचा पाते और उनके प्रयास भीड़ में कहीं खो जाते हैं। इस चुनौती को समझते हुए, उत्तर भारत की अग्रणी पब्लिक रिलेशन्स कंपनी, पीआर 24x7 एक विशेष पहल के साथ आगे आई है। कंपनी का उद्देश्य है कि उचित ब्रांडिंग के माध्यम से इन स्टार्टअप्स के प्रोडक्ट्स और स्टोरीटेलिंग उनकी टारगेट ऑडियंस तक पहुँचें और वे बाज़ार में अपनी पैठ बना सकें। कंपनी यह खास पहल नवरात्रि और अपने 10 वर्ष पूरे होने के जश्न के अवसर पर कर रही है, जिसमें 100 स्टार्टअप्स को प्रिंट और ऑनलाइन मीडिया के माध्यम से सहयोग मिलेगा। सबसे खास बात, इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

प्रश्न उठता है कि आखिर क्यों यह सहयोग स्टार्टअप्स को दिया जा रहा है। इसका जवाब देते हुए, पीआर 24x7 के फाउंडर डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा, स्टार्टअप्स बीज की तरह होते हैं, जिन्हें पौधे का रूप लेने में समय लगता है। सही समय पर पनपने के लिए उचित पोषण न मिलने से उनका विकास उस स्तर पर नहीं हो पाता है, जैसा वास्तव में होना चाहिए। हमारी कोशिश यही है कि हम उनकी साख स्थापित करने के लिए वह खाद बनें, जो उन्हें तेज़ी से बढ़ने, मजबूती पाने और बाज़ार में अपनी पहचान बनाने में मदद करे।

# सास-दामाद की हत्या मामले में बेटा निकला हत्यारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

जिले के घरघोड़ा थाना क्षेत्र में सास और दामाद की गला घोंटकर हत्या करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना के पीछे एनटीपीसी मुआवजा राशि का पुराना विवाद कारण बताया जा रहा है। मामला ग्राम रायकेरा का है, जहां 3 अक्टूबर को कोटवार सकिर्तन राठिया ने पुलिस को सूचना दी कि गांव के घुराउ राम सिदार (55) और उनकी सास सुखमेत सिदार (70) का शव उनके घर की आंगन में पड़ा है। जांच के दौरान पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला दबाने और मारपीट से मौत की पुष्टि हुई। शक के आधार पर पुलिस ने मृतक के बेटे रविशंकर सिदार (26) और गांव के रामप्रसाद सिदार उर्फ गरिहा (83) से पूछताछ की। दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि एनटीपीसी मुआवजा राशि के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

## सीएम, डिप्टी सीएम, सहित सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधियों ने किया स्वागत

# दो दिवसीय दौरे पर जगदलपुर पहुंचे गृह मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। इसी कड़ी में अमित शाह बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शामिल होने के लिए जगदलपुर पहुंचे। जगदलपुर में स्थित मां दंतेश्वरी हवाई अड्डे पर मंत्री, सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधियों ने गृह मंत्री का स्वागत किया।

गृह मंत्री के साथ में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी पहुंचे हैं। हवाई अड्डे पर वन मंत्री केदार कश्यप, जनजाति कल्याण मंत्री राम विचार नेताम, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ,बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, कोंडागांव विधायक लता उसेंडी, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, विधायक कांकेर आशाराम नेताम जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय, ब्रेवरेज कार्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, पूर्व विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और डीजीपी अरुण देव गौतम, प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदर राज पी., कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने स्वागत किया।

### गृहमंत्री ने दंतेश्वरी मंदिर में किया पूजन

*केंद्रीय गृह मंत्री मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे, जहां पूजा अर्चना करने के साथ ही बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने व मिशन 2026 की सफलता की कामना की। बता दें कि जगदलपुर का दंतेश्वरी मंदिर देवी दंतेश्वरी को समर्पित है, जो बस्तर की कुलदेवी हैं और शक्ति का अवतार मानी जाती हैं, यह 14वीं शताब्दी में बना एक महत्वपूर्ण शक्तिपीठ है, जो दक्षिण भारतीय वास्तुकला शैली में बना है, मंदिर का महत्व धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक है, जो बस्तर के लोक जीवन का अभिन्न अंग है और बस्तर दशहरा व मड़ई जैसे त्योहारों का केंद्र है।*

**आवश्यकता**

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 8335914373 (रायपुर /11/ अक्टूबर/25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
**हरिभूमि वैवाहिकी**
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

**छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ**

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

## शब्द पहेली - 6009

**बाएँ से दाए**
1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

**ऊपर से नीचे**
2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

### शब्द पहेली- 6008 का हल

## सूडोकु नवताल - 6019

★★★★☆ कठिन

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | 5 | | | | | | |
| 3 | | | | | | | | |
| | | | 6 | | | 7 | 4 | |
| 6 | | | 2 | | 4 | | | |
| 1 | | | | | | | | 8 |
| | | | 7 | | 5 | | | 3 |
| | 4 | 7 | | | 1 | | | |
| | | | | | | | | 6 |
| | | | | | | 5 | 2 | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल - 6018 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 3 | 9 | 2 | 6 | 8 | 5 | 1 | 7 |
| 8 | 1 | 6 | 7 | 4 | 5 | 9 | 2 | 3 |
| 7 | 5 | 2 | 3 | 9 | 1 | 6 | 4 | 8 |
| 1 | 7 | 5 | 4 | 2 | 6 | 8 | 3 | 9 |
| 6 | 4 | 3 | 8 | 5 | 9 | 2 | 7 | 1 |
| 2 | 9 | 8 | 1 | 7 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 5 | 2 | 1 | 6 | 8 | 7 | 3 | 9 | 4 |
| 9 | 8 | 7 | 5 | 3 | 4 | 1 | 6 | 2 |
| 3 | 6 | 4 | 9 | 1 | 2 | 7 | 8 | 5 |

कवर स्टोरी

डॉ. गरिमा संजय दुबे

# किस बात की है इतनी जल्दबाजी !

आज के दौर की जीवनशैली इतनी तेज हो चुकी है कि हर कोई, सब कुछ तुरंत पा लेना चाहता है। तुरंत सफल न होने पर हम तनाव और अवसाद से घिर जाते हैं। जल्दबाजी की इस प्रवृत्ति के कारण हम जीवन का आनंद लेना ही भूलते जा रहे हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि हम जरा ठहरें और जीवन को संतुलन के साथ जीने का प्रयास करें।

**महान संत कवि कबीर दास का प्रसिद्ध दोहा है-**

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आवे फल होय।।

इसमें कबीर दास जी कहते हैं कि मन में धीरज रखने से ही सब होता है। यानी किसी कार्य को पूरा होने में निर्धारित समय लगता है। इसलिए अनावश्यक जल्दबाजी या अधीर होना सही नहीं है।

अकसर लोग यह भी कहते सुने जाते हैं कि समय से पहले और भाग्य से अधिक कुछ नहीं मिलता। यदि यहां भाग्य को नकार भी दिया जाए तो समय को तो नकारा नहीं जा सकता। लेकिन आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और उस पर दिखावे के साथ भौतिकतावादी तत्वों के आकर्षण ने केवल युवा ही नहीं प्रौढ़ और अधेड़ उम्र के व्यक्तियों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। इस वजह से लोगों में धीरज कम होता जा रहा है। हर कोई सब कुछ जल्द से जल्द पा लेना चाहता है। क्यों बढ़ रही है यह मनोवृत्ति, इसके क्या हैं परिणाम और इससे बचने के उपायों के बारे में हम सभी को विचार करना जरूरी है।

## पहचान पाने की होड़

यह सही है कि इस दुनिया में हर इंसान अपनी अलग विशिष्ट पहचान बनाने के लिए संघर्ष करता है, करना भी चाहिए। लेकिन आज यह प्रवृत्ति बड़ी तेजी से असंतुलन का कारण बनती जा रही है। एक-दूसरे से अंतहीन होड़, उसकी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे की तर्ज पर, अब यह अहंकार पुष्टि का पर्याय भी बनती जा रही है। अपनी अलग पहचान बनाने की इच्छा बुरी नहीं है, लेकिन उसकी हड़बड़ी जरूर व्यक्तित्व में असंतुलन पैदा कर सकती है। सब कुछ एक साथ, अभी के अभी मुझे मिल जाए। मैं हर जगह मौजूद रहूं, हर कहीं, पुरस्कार केवल मेरे हिस्से में आएं, केवल मेरी ही चर्चा हो, सब मुझे चाहें, सब मुझे सराहें, केवल मेरे पास ही सब हो, सब मेरी सुनें, सब मेरे ज्ञान से लाभान्वित हो (गोया कि ज्ञान पर केवल आपका कॉपीराइट है) और मैं इस वाह-वाह के बादलों पर सवार हो उड़ान भरूं। ऐसी सोच ना तो पूरी तरह व्यावहारिक है और ना ही सही कही जा सकती है।

## सोशल मीडिया की भूमिका

वास्तव में देखा जाए तो पहले की तुलना में पहचान का संकट अब उतना रहा नहीं है कि आपमें कोई विशिष्ट गुण हो और आप अनदेखे रह जाएं। सोशल मीडिया ने प्रचार-प्रसार के तमाम साधन उपलब्ध करवाए हैं। हालांकि सोशल मीडिया के कई लाभ हैं तो कई नुकसान भी हैं। इसके जरिए पॉपुलर होने की धुन में इन दिनों रील बनाने की लत युवाओं को लग गई है। इस लत के चलते कई बार सफलता मिलने के बाद फिर फॉलोअर्स में कमी आने पर युवा अवसाद में भी चले जाते हैं। इससे आत्महत्याओं की खबरें भी आती रहती हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं। सोशल मीडिया के जरिए रातों-रात सफलता मिलने पर उसे सही तरीके से संतुलित करने का प्रयास होना चाहिए और उसकी लत से जीवन समाप्त कर देने की अति से भी बचा जाना चाहिए। यही नहीं इंस्टेंट सक्सेस की चाह आज के दौर में सब कुछ बहुत तेजी से बदल रहा है। जीवनशैली में इस भाग-दौड़ की प्रवृत्ति का यह असर है कि लोग कामयाबी भी जल्दी हासिल करना चाहते हैं। इसके साथ ही आजकल कुछ लोग, दूसरे सफल लोगों की उपलब्धियों को देख-देखकर हीनभावना से ग्रसित होने लगते हैं। सफलता पाने की आस कतई गलत नहीं है। सबके अपने-अपने लक्ष्य होते हैं, जिन्हें पाने का वे प्रयास करते हैं। लेकिन जीवन में कोई भी बड़ी सफलता इंस्टेंटली नहीं मिलती है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि बड़ी सफलता पाने के लिए सधी हुई निरंतर गति, प्रयास और स्तरीय रचनाधर्मिता जरूरी होती है। लक्ष्य की प्राप्ति, धैर्य के साथ सही प्रयास की मांग करती है। स्थायी सफलता, छोटे-छोटे लेकिन सार्थक कदमों का परिणाम होती है।

## सबकी क्षमताएं होती हैं भिन्न

किसी को सफल देखकर हम यह नहीं सोचते कि उस व्यक्ति की क्षमता, योग्यता, समय की उपलब्धि, जिम्मेदारियों का प्रकार अलग हो सकता है। आमतौर पर किसी को सफल देखकर हम दो तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं। एक, जब वो कर सकता या सकती है तो मैं क्यों नहीं? दूसरी, अरे उनके पास कोई काम-काज है नहीं, फुर्सत रहती है, इसलिए बस लगे रहते हैं। भई हमें तो और भी बहुत काम हैं। इसलिए उनके जैसी सफलता नहीं पा सके। दोनों ही प्रतिक्रियाएं अतिवादी हैं और गलत भी। न तो हर कोई हर कार्य कर सकता है और न ही वो इसलिए अच्छा काम कर पा रहा है, है क्योंकि उसके पास फालतू का टाइम रहता है। आपको समझना चाहिए कि उस व्यक्ति की लगन, प्रयास और समय प्रबंधन आपसे बेहतर है। जिस तरह यह कहा जाता है कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता, सबकी अपनी-अपनी क्षमता होती है, ठीक यही बात बड़ों को भी समझनी होगी कि हम सब भिन्न-भिन्न प्रकृति के, भिन्न-भिन्न योग्यता वाले इंसान हैं। कोई कवि है, कोई खिलाड़ी, कोई अच्छा खाना बनाता है तो कोई अच्छा गाता है, कोई सामाजिक स्तर पर सक्रिय है तो कोई घरेलू मोर्चे पर सफल है, किसी ने जॉब को प्राथमिकता माना है तो किसी ने घर को, हममें से कोई भी असफल नहीं है। हमें अपने क्षेत्र में प्रवीणता हासिल कर सफल होने का प्रयास करना चाहिए, न कि दूसरों की नकल करके या उससे ईर्ष्या करके उस क्षेत्र में प्रयास करना चाहिए, जिसकी प्रतिभा हम में है ही नहीं।

## खुद को ना मानें असफल

ऐसा सोचना सही नहीं है कि जिसकी चर्चा अधिक होती है, तो वह सफल है। यदि किसी व्यक्ति में दुनिया को बताने या चर्चित होने के लिए कोई विशेष गुण न भी हो, तो भी वह एक व्यक्ति एक इकाई के रूप में तो सफल है ही। आखिर हम पर सफलता का इतना दबाव क्यों होना चाहिए? हमें सोचना चाहिए कि इससे क्या फर्क पड़ता है, यदि मुझे कुछ कम लोग जानते हैं? किसी को 2000 लोग जानते हैं और किसी को 500 तो क्या फर्क पड़ जाएगा? आपकी सफलता का मानक सिर्फ आपकी सोशल पॉपुलैरिटी पर निर्भर नहीं करता है। इसका एक मानक यह भी है कि आपकी अपने परिवार, अपने सोशल और फ्रेंड सर्कल में कैसी इमेज है? आप अपने दायित्वों का कितनी अच्छी तरह से निर्वहन करते हैं?

## सही नहीं जल्दबाजी का तनाव

यह कहना गलत नहीं होगा कि आधुनिक जीवनशैली ने स्लो एंड स्टेडी की जगह हमें फास्ट एंड फ्यूरियस बना दिया है। धैर्यवान की जगह हम में से अधिकतर अधीर होते जा रहे हैं। शांति के बजाय मन में बेचैनी सी छाई रहती है। अपने साथ दूसरों की उन्नति देख प्रसन्न होने की जगह ईर्ष्या का भाव जन्म लेने लगता है। सफलता की चाह में सक्रिय होने के बजाय हाइपर एक्टिव होते जा रहे हैं हम। इससे हम अनचाहे तनाव से घिरकर अपने जीवन को अशांत और अव्यवस्थित बना लेते हैं। ऐसे में ठहरकर विचार करने की जरूरत है। कहते हैं, 'अति सर्वत्र वर्जयेत।' जरूरत से अधिक सक्रियता, तेजी और जल्दबाजी, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिरता को नष्ट कर देती है। थोड़ा धैर्य और थोड़ी स्थिरता से हम बेहतर परिणाम पा सकते हैं। *

न्यू लाइफस्टाइल / अंशु सिंह

जेन जी यानी बिल्कुल नई पीढ़ी के बच्चे और युवा, हाथ से लिखने के बजाय कीपैड पर कंपोज करना आसान मानते हैं। लेकिन हैंड राइटिंग से बढ़ती यह दूरी, इस पीढ़ी के लिए किस तरह नुकसानदेह है, इस बारे में ध्यान देने की जरूरत है।

# हैंड राइटिंग से बच रही जेन जी

आज की डिजिटल तकनीक के विस्फोट ने जहां हमारे संवाद और सीखने के तरीके को बदल दिया है। दूसरी ओर बच्चों की मोबाइल फोन और वीडियो गेम्स की लत से पहले से परेशान पैरेंट्स, अब उनकी लिखावट को लेकर भी चिंतित रहने लगे हैं। खासकर जेन जी पीढ़ी (पीयू रिसर्च के मुताबिक, जेन जी यानी जेनरेशन जेड, वह पीढ़ी है, जो 1997 और 2012 के बीच पैदा हुई है। इन्हें जूमर्स या पोस्ट मिलेनियल्स भी कहते हैं।) पेन और पेंसिल से बचने लगी है। इसलिए वे हाथ से लिखना भूलते जा रहे हैं, जो चिंता का विषय है। अध्ययनों के अनुसार, हाथ से लिखना साक्षरता और संज्ञानात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है।

**नहीं लिखना चाहती नई पीढ़ी:** कोविड के दौरान जब ऑनलाइन क्लासेज का सिलसिला शुरू हुआ, तो बच्चों का डिजिटल समय पहले से कई गुणा बढ़ गया। उस दौर में शिक्षा जारी रखने का दूसरा कोई विकल्प भी नहीं था। लेकिन एक समय के बाद शिक्षकों और पैरेंट्स दोनों को आभास हुआ कि बच्चे लिखना नहीं चाह रहे। वे हाथ से लिखने से बच रहे हैं। अब स्टेवांगर यूनिवर्सिटी का एक अध्ययन बताता है कि करीब 40 फीसदी जेन जी पीढ़ी हस्तलिखित संवाद पर अपनी पकड़ खोती जा रही है। उनकी लेखनी में न सफाई दिखाई दे रही है और न ही स्पष्टता।

**डिजिटल मीडिया ने बदला संवाद का तरीका:** दरअसल, डिजिटल टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया ने आपस में संवाद के पूरे तरीके को ही बदल दिया है। बच्चे हों या नौजवान, सभी वाट्सएप, टेलीग्राम, स्नैपचैट पर संक्षिप्त संदेशों या इमोजी के जरिए अपनी बात रखना पसंद करते हैं। कम से कम शब्दों में सूचनाएं देने की कोशिश करते हैं। कई बार सिर्फ 10 शब्दों में पूरी बात खत्म हो जाती है। ये स्लैंग के माध्यम से साझा किए गए छोटे विचार होते हैं। इससे लिखने की आदत छूटती जा रही है। स्टेवांगर यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेदरेट किलिसेरी ने जब इस प्रवृत्ति पर शोध किया तो पाया कि इन दिनों कॉलेज स्टूडेंट्स के पास बुनियादी लेखन कौशल की कमी होती जा रही है। वे लंबे वाक्य संरचनाओं के बजाय छोटे वाक्य लिख रहे हैं। कलम की जगह की-बोर्ड का प्रयोग करने के कारण कई स्टूडेंट्स के लिए कागज पर खुद को ठीक से अभिव्यक्त करना मुश्किल हो रहा है। वे न पत्र लिख पाते हैं और न ही औपचारिक ई-मेल। यही पीढ़ी जब वर्कफोर्स का हिस्सा बनती है तो उन्हें कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी प्रेजेंटेशन स्किल से लेकर अन्य कौशल प्रभावित होते हैं।

**हस्तलिपि से बढ़ती है याद्दाश्त:** शिक्षा में हस्तलेखन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो संज्ञानात्मक विकास, सीखने की क्षमता को बनाए रखने और शैक्षणिक प्रदर्शन में योगदान देता है। जब बच्चे हाथ से लिखना सीखते हैं, तो उनके मस्तिष्क के कई क्षेत्र सक्रिय होते हैं, जो गतिशील कौशल, स्मृति और भाषा अधिग्रहण के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसके अलावा, यह प्रक्रिया तंत्रिका संबंधों को बढ़ाती है, जो पढ़ने और लिखने में सहायक होते हैं। साक्षरता और समग्र संज्ञानात्मक विकास की नींव रखते हैं। हस्तलेखन केवल संज्ञानात्मक लाभ ही नहीं प्रदान करता, यह रचनात्मकता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को भी बढ़ावा देता है। प्रत्येक छात्र की अनूठी लेखन शैली उनके आत्मविश्वास और संलग्नता को बढ़ा सकती है, जिससे सीखने का अनुभव अधिक व्यक्तिगत और सार्थक बन जाता है। इसके अतिरिक्त, हस्तलेखन अनुशासन और एकाग्रता को बढ़ावा देता है। इससे याद्दाश्त तेज होती है। तभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले नोट्स बनाने पर ध्यान देते हैं। लिखने का अभ्यास करते हैं।

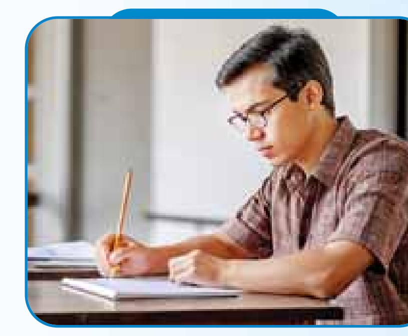

**मानसिक रोगों से निपटने में मददगार:** नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में न्यूरोसाइकोलॉजी की प्रोफेसर ऑड्रे वैन डेर मीर के अनुसार, हाथ से कुछ लिखना, टाइप करने की तुलना में मस्तिष्क पर अलग तरह से प्रभाव डालता है। इससे छात्र लिखी गई जानकारी को बेहतर ढंग से याद रख पाते हैं। कोई भी पीढ़ी हस्तलिपि के फायदों को नजरअंदाज नहीं कर सकती, क्योंकि हाथ से लिखने के अनेक लाभ हैं। इससे अलग हटकर सोचने में मदद मिलती है। यह दिमाग को दैनिक दिनचर्या से हटकर खुद को अभिव्यक्त करने की आजादी देता है। अकसर जब हमारा मन किसी खास चिंता में घिरा रहता है, तो हाथ से लिखने पर विचारों की गति धीमी होती जाती है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि हस्तलेखन से अवसाद और चिंता दूर होती है। *

दोहे

प्रो. शरद नारायण खरे

## शरद पूर्णिमा

अमिय बरसता चांद से, मंगलमय है नेह।
हृदय नवल आवेग में, हुई तरंगित देह।।
शशि की किरणें शुभ्र हैं, अंतर में आनंद।
पूर्णमासी आ गई, सबको आज पसंद।।
प्रीति चढ़ी परवान है, मादक हुए विचार।
तम ने खाई मात है, निखर रहा उजियार।।
प्रेमातुर संसार है, वादों का विस्तार।
सबको आकर्षित करे, देखो अब अभिसार।।
छत पर बैठा है युगल, ले हाथों में हाथ।
चंदा भी देने लगा, प्रेमपगों का साथ।।
खिलती ज्योत्स्ना भली, बांट रही जो प्यार।
खीर खा रहा है जगत, बढ़ने लगा दुलार।।
शरद निशा चोखी हुई, बनी एक सौगात।
कोमल है अब चेतना, दिव्य हुए जज्बात।।
शरद चांद में है दमक, नया हुआ संसार।
प्रकृति पा गई प्रेम का, अनुपम नव उपहार।।

व्यंग्य / अशोक गौतम

# मंत्री जी का जंगलारोपण इवेंट

मंत्री जी ने चमचों के साथ दो घंटे से चल रही गप्पों की गंभीर बैठक अचानक रोकी और पीए को बुलाया, 'पीए साहब! इस महीने के सारे जनहित काम हो गए न? देखो, हमें पेंडेंसी कतई पसंद नहीं।'

'जी जनाब! आपके चुनाव क्षेत्र के बाढ़ग्रस्त एरिया का भाभी जी ने पूरा दौरा कर लिया। वह भी एक बार नहीं, चार-चार बार ताकि चुनाव क्षेत्र का कोई भी बाढ़ग्रस्त कोना उनकी आंखों से ओझल न रहे। आपके बाढ़ प्रभावितों के प्रति संवेदनाओं को लेकर जितने प्रेस नोट और फोटो अखबारों में छपे, वे दूसरे मंत्रियों से दुगने ही छपे। बधाई हो सर!'

'गुड! वैरी गुड! और अब इस माह का बचा क्या है जनता को करने को?'

'सर! सॉरी! एक बात तो बताना भूल ही गया था।' कहते हुए पीए ने अपना सिर झुका लिया तो मंत्री जी ने पूछा, 'क्या?'

'सर! बरसात गुजर गई। पर सर, इस बार आपके कर कमलों द्वारा अब तक सद्भावना का पौधा नहीं लगा।'

'क्यों?'

'सर आप जनहित के दूसरे कामों में व्यस्त ही इतने थे कि मुझे लगा आप ओवर लोडेड हो जाएंगे। लेकिन सर! हर साल आपका पर्यावरण बचाने के लिए पौधा लगाना बहुत जरूरी है। आपका लगाया एक पौधा लाखों पौधों में जान फूंकता है सर! जब तक आप पौधा नहीं लगाते, जनता भले ही कितने ही पौधे क्यों न लगा ले, उनका कोई महत्व नहीं होता। वे पर्यावरण की रक्षा नहीं कर पाते। वे जंगल नहीं बन पाते।'

'पर, ये इतना जरूरी है क्या?' मंत्री जी ने पूछा।

'सर! आपको पर्यावरण हित में पौधा हर हाल में लगाना होगा। अगर आप पौधा नहीं लगाएंगे तो ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ जाएगी। अगर आप पौधा नहीं लगाएंगे तो अगले साल बसंत में ही लू चलनी शुरू हो जाएगी। इसलिए जनहित में आपको पौधा लगाना ही होगा सर!'

'अच्छा! पर यार लगाएंगे कहां?'

'इसका भी इंतजाम मैंने कर लिया है सर! आप अपने ऑफिस में ही जंगलारोपण करेंगे।' 'ऑफिस में! यहां मेरे कठोर अनुशासन के डर से पौधा सूख गया तो?'

'ऐसा नहीं होगा! सर! आपके लगाए पौधे आज तक सूखे कहां जो यह पौधा सूख जाएगा? आपके हाथों में वह जादुई शक्ति है, जो आप सूखे बांस की टहनी भी लगाएं तो वह भी दूसरे ही दिन बिन खाद पानी के हरी हो जाए। आप जैसे जनसेवक लोकतंत्र में युगों बाद जनता की रक्षा के लिए अवतरित होते हैं सर।' पीए ने चमचों के सामने उनमें हवा भरी तो जनाब आसमान में पहुंच गए।

'तो इसके लिए करना क्या होगा? इतनी जल्दी इवेंट मैनेज हो जाएगा क्या?' मंत्री जी आर्टिफिशियली गंभीर हुए, 'क्यों नहीं जनाब! बंदा है किसलिए? अभी प्रेस नोट बनाकर भेज देता हूं कि कल मंत्रीजी अपने ऑफिस में जंगलमहोत्सव मनाते प्रेम भाईचारे, तप, त्याग का अजर अमर कल्पवृक्ष लगा रहे हैं। इस अवसर पर वे एक और वृक्ष पर्यावरण को समर्पित करेंगे।'

'और भीड़ का क्या होगा?'

'आप चिंता न करे जनाब! आपके विभाग के सारे अफसर बुला लिए जाएंगे। वे और करते भी क्या हैं सर? और आपके जंगल-महोत्सव में जो सबसे हटकर होगा वह ये कि सब हरे कपड़े, हरे जूते, हरे मौजे, मुंह पर हरा रंग पोते आएंगे ताकि पौधा लगने से पहले ही वातावरण हरा-भरा हो जाए।' 'पर पौधा किस चीज का लगाएंगे? तुम्हें तो पता है कि हम सेकुलर कम नॉन सेकुलर हैं। सब में पौधे को लेकर भी मेरी तरह भ्रम की स्थिति बनी रहनी चाहिए।'

'सब समझ गया जनाब! आप चिंता न करें। ऐसा ही होगा। सर! अब बजट की बात भी हो जाए तो?'

'बजट कितना?'

'सर! मोटा-मोटा एक लाख रख लीजिए। आपके जंगलारोपण के बाद सबको लंच, गमले में लगा नॉन सेकुलर कम सेकुलर पौधा देंगे।'

'डोंट वरी, बस! इवेंट चकाचक हो जाए हर बार की तरह! और हां! मीडिया को बता देना कि पौधे से अधिक फोकस मुझ पर हो।'

'मेरे होते हुए चिंता की कोई बात नहीं जनाब!' पीए साहब ने उन्हें हद से अधिक आश्वस्त किया और कल के मंत्री जी के जंगल-महोत्सव हेतु उनके विभाग के मुखियाओं को अपने कमरे में आ मंत्री जी से भी अधिक गंभीर हो आवश्यक दिशा निर्देश देने में जुट गए। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजनरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

# महिला विश्व कप : भारत आजमाएगा बेंच स्ट्रेंथ का दम, पाकिस्तान से हाईवोल्टेज भिड़ंत आज

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत और पाकिस्तान की पुरुष टीमों के बीच पिछले तीन रविवार नाटकीयता भरे मुकाबलों के बाद अब इस रविवार को दोनों देशों की महिला टीमें वनडे विश्व कप में आमने-सामने होंगी तो क्रिकेट कौशल से ज्यादा जज्बात की जंग रहेगी और भारत का पलड़ा एक बार फिर भारी रहने वाला है।

भारत और पाकिस्तान ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तमाम प्रारुपों में 27 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से भारत ने 24 और पाकिस्तान ने तीन जीते हैं । पाकिस्तान को तीनों जीत टी20 प्रारुप में मिली है। वनडे क्रिकेट में भारत का शत प्रतिशत रिकॉर्ड है, जिसमें भारत ने दोनों टीमों के बीच खेले गए सभी 11 मैच जीते हैं।

### भारतीय टीम की नजरें नेट रनरेट बेहतर करने पर

भारत ने विश्व कप में पहले मैच में श्रीलंका को 59 रन से हराया जबकि पाकिस्तान को बांग्लादेश ने सात विकेट से मात दी। पाकिस्तानी बल्लेबाज स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों का सामना नहीं कर सके। सभी टीमें एक एक मैच खेल चुकी हैं और भारत चौथे स्थान पर है। भारतीय टीम की नजरें अब नेट रनरेट बेहतर करने पर लगी होंगी, जो टूर्नामेंट के आखिरी चरण में काफी अहम हो जाता है ।

- महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तमाम प्रारुपों में 27 मुकाबले हुए, जिनमें भारत ने 24 और पाकिस्तान ने 3 जीते
- वनडे क्रिकेट में भारत का शत प्रतिशत रिकॉर्ड, टीम इंडिया ने सभी 11 मैच जीते

### भारत की ताकत बल्लेबाजी

हरमनप्रीत कौर की टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस मुकाबले में उतरेगी। पहले मैच में एक समय छह विकेट 124 रन पर गिरने के बाद निचले मध्यक्रम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 47 ओवर में 250 रन से अधिक का लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की ताकत उसकी बल्लेबाजी है लेकिन मजबूत टीमों के खिलाफ बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। बांग्लादेश और पाकिस्तान के मैच में कोलंबो की पिच से काफी सीम मिल रही थी लिहाजा भारत तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को उतार सकता है, जो पिछले महीने आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के जरिए चोट के बाद लौटी है। वह हालांकि अभ्यास सत्र में लय में नहीं दिखी।

### पाक को करना होगा चमत्कारिक प्रदर्शन

दूसरी ओर पाकिस्तान की चिंता उसकी बल्लेबाजी है। पहले मैच में उसके बल्लेबाजों ने निराश किया और पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। फातिमा सना और डायना बेग ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन स्कोर ही बड़ा नहीं था । पाकिस्तान को सारे मैच एक ही मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा लेकिन भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उसे जीत के लिए चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा। क्रिकेट के अलावा इस मैच को लेकर काफी तनाव भी है। अब वह दिन लद गए जब 2022 विश्व कप में पाकिस्तान की पूर्व कप्तान बिस्माह मारुफ की बेटी के साथ भारतीय खिलाड़ियों को खेलते देखा गया था। पुरुष टीम की तरह भारतीय महिला टीम भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों से शायद हाथ नहीं मिलाएगी।

### संभावित टीमें

**भारत :** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

**पाकिस्तान :** फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली सिद्दीकी, आलिया रियाज, डायना बेग, ऐमन फातिमा, नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शावाल जुल्फिकार , सिदरा अमीन, सिदरा नवाज, सईदा आरुब शाह

## खबर संक्षेप

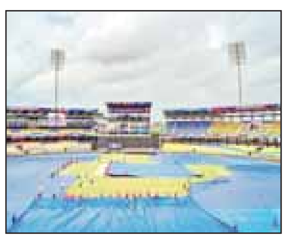

### बारिश के कारण श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया मैच में विलंब

**कोलंबो।** लगातार बारिश के कारण शनिवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला विश्व कप ग्रुप चरण मुकाबला शुरू नहीं हो सका। मैदान कवर से ढका है जबकि विशाल स्कोरबोर्ड पर 'रेन रेन गो अवे' लिखा दिखाई दिया। हालांकि बारिश कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहा है। टॉस के समय से 15 मिनट पहले दोपहर 2.45 बजे बारिश रुकी, जिससे उम्मीद बंधी लेकिन जैसे ही टॉस का समय नजदीक आया। बारिश फिर शुरू हो गई और पूरा खेल मैदान कवर से ढक दिया गया। फिर दोपहर तीन बजे तक भारी बारिश होने लगी। ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 89 रन से हराया था जबकि श्रीलंका को टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत के हाथों डकवर्थ लुईस पद्धति से 59 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

### हमें अश्विन की कमी खलती है : जडेजा

**अहमदाबाद।** वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट मैच में अपने बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन कर मैन ऑफ द मैच चुने गए हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने लंबे समय तक

टीम में रहे अपने साथी दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की बात करते हुए कहा कि हर खिलाड़ी को एक दिन इस खेल को अलविदा कहना होता है। जडेजा से पूछा गया कि क्या आपको अश्विन की कमी खलती है तो उन्होंने कहा, 'बिलकुल, हमें उनकी कमी महसूस होती है। अश्विन ने भारतीय क्रिकेट के लिए इतने सालों तक बहुत योगदान दिया है। जडेजा ने कहा, 'भारत में टेस्ट खेलना और अश्विन नहीं हों यह सोच कर अजीब लगता है। ऐसा लगता है कि अब अश्विन गेंदबाजी करेंगे, लेकिन फिर अहसास होता है कि अब वो टीम में नहीं हैं।'

### टूटने के लिए बनते हैं रिकॉर्ड : फातिमा सना

**कोलंबो।** पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने महिला वनडे विश्व कप में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ रविवार को खेले जाने वाले मैच में बेहतर प्रदर्शन की

उम्मीद जताते हुए कहा कि रिकॉर्ड तो टूटने के लिए ही बनते हैं। महिला वनडे क्रिकेट में पाकिस्तान भारत से 0-11 से पिछड़ रहा है, लेकिन फातिमा ने कहा कि उनकी टीम अतीत की बजाय वर्तमान पर ध्यान दे रही है। फातिमा ने कहा, 'सबसे पहले तो भारत और पाकिस्तान के बीच जो भी रिकॉर्ड है वो टूटने के लिए ही बने हैं। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान कभी भारत को नहीं हरा सकता।' उन्होंने कहा, 'हमारे सामने कोई भी टीम हो, हम इस सोच के साथ खेलते हैं कि हमें अच्छा क्रिकेट खेलना है।

## भारत ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रन से हराया

# घरेलू मैदान पर शुभमन की बतौर कप्तान पहली जीत, जडेजा बने 'प्लेयर ऑफ द मैच'

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

उपकप्तान रविंद्र जडेजा के बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को पहले क्रिकेट टेस्ट में तीन दिन के भीतर ही एक पारी और 140 रन से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली। भारत ने पहली पारी कल के स्कोर पांच विकेट पर 448 रन पर घोषित करके 286 रन की बढ़त बना ली थी। वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 45.1 ओवर में 146 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में नाबाद शतक जमाने वाले जडेजा ने दूसरी पारी में 54 रन देकर 4 विकेट लिए। दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा। वहीं बतौर टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की ये भारत में पहली जीत भी रही। भारत की इस बड़ी जीत में टीम के कई खिलाड़ियों को योगदान रहा, जिसमें केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ी शामिल रहे। राहुल, ध्रुव और जडेजा ने इस मैच में शतक लगाया तो वहीं सिराज ने सबसे ज्यादा 7 विकेट लिए, लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच जडेजा रहे।

### जडेजा एक बार फिर चूके

जडेजा एक मैच में शतक और पारी के पांच विकेट लेने का कारनामा एक बार फिर अपने नाम करने से चूक गए। वह पहले दो बार यह कमाल कर चुके हैं। लंच के बाद सिराज ने जस्टिन ग्रीव्स (25) और जोमेल वारिकन (0) को पवेलियन भेजा । वहीं वॉशिंगटन सुंदर ने एलिक अथानाजे (38) का रिटर्न कैच लपका । कुलदीप ने जेडेन सील्स (22) का अपनी ही गेंद पर कैच पकड़ा ।

### यह हमारे लिए परफेक्ट मैच था : गिल

कप्तान शुभमन गिल ने मैच के बाद कहा,'यह हमारे लिए परफेक्ट मैच था। तीन शतक और इतनी शानदार फील्डिंग।' तीसरे दिन पिच से मिल रही मदद का मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने पूरा फायदा उठाया। सिराज ने 40 रन देकर चार और बुमराह ने 42 रन देकर 3 विकेट लिए। भारतीय पारी में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (100) ने 9 साल बाद देश में टेस्ट शतक लगाया। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने पहला टेस्ट शतक जड़ा और जडेजा 104 रन बनाकर नाबाद रहे। तीसरे दिन सुबह के सत्र में पिच से मदद की संभावना में भारत ने पारी कल के स्कोर पर ही घोषित कर दी।

### सिराज ने किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

सिराज ने इस मैच में 61/7 के आंकड़े दर्ज किए। यह उनका भारतीय सरजमीं पर मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। उन्होंने वेस्टइंडीज की पहली पारी में तेजनाराण चंद्रपॉल (0), एलिक ऐथानेज (12), ब्रैंडन किंग (13) और कप्तान रोस्टन चेज (24) को आउट कर 40 रन देते हुए ये 4 विकेट लिए थे। इसी तरह उन्होंने दूसरी पारी में चंद्रपॉल (8), जस्टिन ग्रीव्स (25) और जोमेल वार्रिकन (0) को आउट करते हुए 31 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए।

### चंद्रपॉल और कैंपबेल ने की सकारात्मक शुरुआत

सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपॉल (आठ) और जॉन कैंपबेल ने सकारात्मक शुरुआत की लेकिन आठवें ओवर में नितीश रेड्डी ने स्क्वेयर लेग पर शानदार कैच लपककर भारत को पहली कामयाबी दिलाई। सिराज की शॉर्ट गेंद पर चंद्रपॉल ने शॉट खेला और रेड्डी ने अपनी बायीं ओर डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ा। इसके बाद जडेजा ने कैंपबेल (14) को रवाना किया। चौथे नंबर पर उतरे ब्रेंडन किंग (पांच) ने पहली स्लिप में केएल राहुल को कैच थमाया। वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेस (एक) को स्पिनर कुलदीप यादव ने आउट किया। छठे नंबर पर आए शाइ होप ने जडेजा की गेंद पर कट शॉट खेला और यशस्वी जायसवाल ने शॉर्ट थर्डमैन पर अपने दाहिने ओर डाइव लगाकर कैच पकड़ लिया।

## चैपल हैडली श्रृंखला

# ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 3 विकेट से हराया, सीरीज की अपने नाम

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

मिचेल मार्श (नाबाद 103 रन) के पहले टी20 शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराकर चैपल हैडली श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की।

- मार्श ने 50 गेंद में लगाया अपना पहला टी20 शतक

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने 50 गेंद में शतक जड़ दिया था। उन्होंने अपनी 73वीं पारी में आठ चौके और सात छक्के की मदद से 52 गेंद में 103 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बीच के ओवरों में जल्दी जल्दी कई विकेट गंवा दिए लेकिन मिचेल मार्श एक छोर पर डटे रहे, जिससे टीम ने दो ओवर रहते सात विकेट पर 160 रन बनाकर न्यूजीलैंड के नौ विकेट पर 156 रन के स्कोर को पार कर लिया। उनके अलावा केवल दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके।

### ऑस्ट्रेलिया की मजबूत तेज गेंदबाजी के सामने नहीं टिक पाई न्यूजीलैंड

मिचेल मार्श ने श्रृंखला के पहले मैच में 43 गेंद में 85 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की छह विकेट की जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। शुक्रवार को दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने नौ विकेट पर 156 रन ही बना सकी, जिसमें सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट 35 गेंद में 48 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। बारिश के कारण टॉस 15 मिनट देर से हुआ। गेंद बहुत उछाल ले रही थी, जिससे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज साझेदारियां बनाने में नाकाम रही। सिफर्ट के अलावा कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 और जिम्मी नीशाम ने 25 रन बनाए।

## चाइना ओपन

# अमांडा ने कोको को 58 मिनट में हराया, फाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ की चाइना ओपन में अपना खिताब बचाने की उम्मीद शनिवार को हमवतन तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा से सेमीफाइनल में मिली हार से टूट गई। इस साल अमेरिकी ओपन और विम्बलडन की उप विजेता अमांडा ने गॉफ को महज 58 मिनट में 6-1 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब अमांडा का सामना पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला और लिंडा नोसकोवा के बीच होने वाले सेमीफाइनल की विजेता से होगा।

- गॉफ की खिताब जीतने की उम्मीद टूटी

### सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी अमेरिकी बनीं जेसिका

जेसिका पेगुला चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अमेरिका की तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। पेगुला ने एम्मा नवारो को हराया और अंतिम चार में जगह बनाई। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने शुरुआत में छह सेट प्वाइंट गंवाए, लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने दबदबा बनाया और 6-7 (2), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला का सामना अब लिंडा नोसकोवा से होगा, जिन्होंने ब्रिटेन की सेनाय कार्टल को 6-3, 6-4 से हराया। पेगुला ने कहा, 'मैंने खुद से कहा कि ज्यादा निराश मत हो और सिर्फ शांत बनी रहो। मैंने रिलेक्स होने की कोशिश की और गेम प्लान पर आगे बढ़ने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। इससे मुझे खुलकर खेलने का मौका मिला।' 20 साल की नोसकोवा डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चेक गणराज्य की युवा खिलाड़ी हैं।

### फेनेस्टा ओपन के चैंपियन बने मनीष और वैष्णवी

**नई दिल्ली।** तमिलनाडु के मनीष सुरेशकुमार और महाराष्ट्र की वैष्णवी अदकर ने फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब अपने नाम किए। पुरुष एकल फाइनल में मनीष ने कीर्तिवासन सुरेश को दो घंटे तक चले मुकाबले में 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। वहीं महिला एकल में भी वैष्णवी ने आंकाक्षा निटुरे को 6-1, 6-2 से हराकर खिताब जीता। अंडर-18 वर्ग में हर्षिनी एन ने तीन घंटे तक चले बालिका एकल फाइनल में स्निग्धा कांता को 6-1, 2-6, 6-4 से शिकस्त दी। वहीं बालकों के एकल फाइनल में तविश पहवा ने रुतिक कटाकम के चोटिल होने के कारण हटने से खिताब जीता। तविश 7-6, 1-0 से आगे चल रहे थे।

### विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

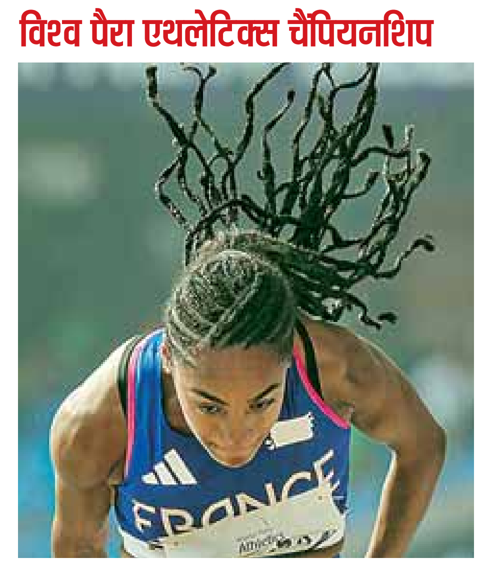

**नई दिल्ली।** विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जा रहा है। इसमें शनिवार को महिलाओं की लंबी कूद टी47 फाइनल में डेनमार्क की ब्योर्क नोएरेमार्क (बाएं), फ्रांस की मैरी न्गूसौ-न्गूई (बीच में) और चीन की जिंग यान प्रतिस्पर्धा करती हुईं। इस दौरान उनकी हेयर स्टाइल बेहद चर्चा का विषय बनी।

### सिडनी थंडर करेगी अश्विन की सुरक्षा का इंतजाम

**सिडनी।** रविचंद्रन अश्विन को बिग बैश लीग टीम सिडनी थंडर निजी सुरक्षा प्रदान करेगी चूंकि ओलंपिक एरेना मैदान पर टीम के अभ्यास सत्र के दौरान भारतवंशी क्रिकेटप्रेमियों के उमड़ने की संभावना है। समझा जाता है कि अश्विन अपने साथ निजी टीम भी लेकर आएंगे, जो उनके यूट्यूब चैनल के लिए सिडनी थंडर के साथ उनके बीबीएल के सफर को कैमरे में कैद करेंगे। पिछले साल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडीलेड ओवल पर भारतीय टीम के अभ्यास सत्र को देखने के लिये करीब 5000 भारतीय प्रशंसक पहुंच गए थे, जिससे सुरक्षा का मसला खड़ा हो गया था। बीबीएल टीम इससे बचना चाहती है। 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' के अनुसार,'भारत के अनुभवी स्पिनर के अभ्यास करने और खेलने के दौरान सुरक्षा का मसला हो सकता है।

## 19 से 25 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगी तीन मैचों की वनडे सीरीज

# आस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम इंडिया में रेड्डी और जुरेल को जगह

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

एक बड़े बदलाव के तहत भारतीय चयनकर्ताओं ने शनिवार को रोहित शर्मा को एक दिवसीय टीम की कप्तानी से हटाकर विश्व कप 2027 के मद्देनजर युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को आगामी आस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम की कमान सौंपी है। इसे गिल को सभी प्रारुपों में कप्तानी सौंपने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है । रोहित और विराट कोहली को 15 सदस्यीय भारतीय टीम में चुना गया है, जिसकी घोषणा शनिवार को बीसीसीआई ने की। श्रेयस अय्यर को तीन मैचों की श्रृंखला के लिए उपकप्तान बनाया गया है ।

### जायसवाल की वनडे टीम में वापसी

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वनडे श्रृंखला से आराम दिया गया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की वनडे टीम में वापसी हुई है। वनडे मैच 19 से 25 अक्टूबर के बीच सिडनी, एडीलेड और मेलबर्न में खेले जायेंगे जिसके बाद पांच मैचों की टी20 श्रृंखला होनी है । चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने पुष्टि की कि रोहित को कप्तानी में बदलाव के बारे में बता दिया गया है लेकिन जब यह पूछा गया कि क्या विराट और रोहित विश्व कप 2027 खेलेंगे तो उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। अगरकर ने कहा,'वे अभी इसी प्रारुप में खेल रहे हैं और हमने उन्हें चुना है।

### वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल , यशस्वी जायसवाल ।

### टी20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा,संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर ।

### जडेजा-बुमराह को वनडे में नहीं मिली जगह

चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने कहा कि स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला रविंद्र जडेजा भले ही आस्ट्रेलिया दौरे के लिये टीम में नहीं हैं लेकिन वनडे प्रारुप में भारत की रणनीति का हिस्सा हैं। चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत के लिए विजयी रन बनाने वाले जडेजा को आस्ट्रेलिया के हालात को ध्यान में रखते हुए तीन मैचों की वनडे श्रृंखला की टीम में जगह नहीं मिली है। अगरकर ने भारतीय टीम की घोषणा के बाद कहा,'आस्ट्रेलिया में दो स्पिनर ले जाना संभव नहीं है लेकिन वह रणनीति का हिस्सा है। टीम में जगह के लिए स्पर्धा तो होगी ही।' उन्होंने कहा,'वह चैंपियंस ट्रॉफी टीम में था क्योंकि हमें वहां के हालात में अतिरिक्त स्पिनर चाहिए था। अगरकर ने कहा कि जसप्रीत बुमराह ही नहीं बल्कि मोहम्मद सिराज के कार्यभार प्रबंधन का भी ध्यान रखा जाएगा। बुमराह को आस्ट्रेलिया में वनडे श्रृंखला में आराम दिया गया है।

### छिंदवाड़ा कांड के बाद औषधि प्रशासन ने जारी किया आदेश

# जिले में विवादित कफ सिरप के विक्रय पर रोक लगी

हरिभूमि जबलपुर।

कोलड्रिफ और नेस्त्रो-डीएस सिरप के क्रय विक्रय, संधारण और वितरण पर रोक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा लगाई गई है। इस बारे में कार्यालय उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है। आदेश में दवा के सभी थोक एवं फुटकर विक्रेताओं को कोलड्रिफ सिरप के बैच नम्बर-एसआर 13 तथा नेस्त्रो-डीएस के बैच नम्बर-एक्यूडी 2559 के क्रय विक्रय, संधारण एवं वितरण को आगामी सूचना तक बंद करने के निर्देश दिये हैं।

आदेश में कहा गया है कि यदि किसी दवा विक्रेता के पास पूर्व से ही ये दवायें संधारित हो तो उन्हें इसकी सूचना तुरंत कार्यालय उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन को देने कहा गया है। आदेश की प्रति जबलपुर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष और सचिव को भी दी गई है तथा सभी दवा विक्रेताओं को इससे अवगत कराने कहा गया है।

जिले में कफ सिरप कोल्ड्रिफ और नेस्त्रो-डीएस के क्रय-विक्रय, संधारण और वितरण पर जबलपुर जिले में आगामी सूचना तक रोक लगा दी गई है। यह कार्यवाही किडनी में संक्रमण से छिंदवाड़ा जिले में हुई बच्चों की मृत्यु के सामने आये मामलों को देखते हुये की गई है। इस कफ सिरप के विवाद में आने के बाद सरकार ने सख्ती से कदम उठाने शुरु कर दिए है। कफ सिरप के सैंपल भी जांच के लिए भेजे गए है।

## इथेननॉल पर जीएसटी घटने के बाद भी पेट्रोल महंगा

**जबलपुर।** केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने 17 सितंबर 2025 को भारत के राजपत्र में अधिसूचना जारी कर इथेनॉल पर जीएसटी 5 प्रतिशत से घटाकर 2.5 प्रतिशत घोषित किया है, यह अधिसूचना 22 सितंबरर से लागू होकर अब लगभग 10 दिन बीत चुके हैं, फिर भी केंद्र सरकार ने पेट्रोल के रेट घटाने पर चुप्पी साधी है। यह आपत्ति डॉ पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय तथा पेट्रोलियम मंत्रालय को भेजी है।

### इथेनॉल उत्पादन लागत घटी

आपत्ति में दलील दी है कि इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल कार्यक्रम के तहत पेट्रोल में इथेनॉल का 20 प्रतिशत तक मिश्रण किया जा रहा है, इथेनॉल उत्पादन की लागत घटाने के लिए पूर्व के 18 प्रतिशत के जीएसटी को घटाकर वर्ष 2022 में उसे 5 प्रतिशत कर दिया था। ऐसी 13 प्रतिशत की कमी जीएसटी में होने के कारण इथेनॉल उत्पादन की लागत एकदम घट गई थी, ऐसे में इथेनॉल मिश्रण के 20 प्रतिशत के हिसाब से पेट्रोल के रेट्स केंद्र सरकार को घटाने चाहिए थे। फिर भी सरकार चुप बैठी। अब तो पुनः जीएसटीरी घटाया गया, इथेनॉल उत्पादन लागत फिर से और भी घटी है। ऐसे में उसका लाभ मिलना यह उपभोक्ताओं का हक बनता है। अब इथेनॉल पर जीएसटी कुल 15.5 प्रतिशत घटा है।

### ग्राम पौनिया के पास सड़क दुर्घटना

## हाईवा ने पत्नी को कुचला पति व बहन घायल

**जबलपुर।** मझौली थाना अतंर्गत ग्राम हिनौता के आगे पुलिया के पास ग्राम पौनिया के पास एक हाईवा ने एक बाईक को सामने से टक्कर मार दी, जिसमें सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई वहीं महिला का पति व बहन गंभीर रुप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार इमलिया निवासी 42 वर्षीय श्रीमति चमन बाई गत दिवस ग्राम धनौली थाना कटंगी से बाईक में अपने पति किशोरी लाल बर्मन और अपनी बहन विनीता बर्मन के साथ रिश्तेदारी से मिलकर शाम लगभग 6.30 बजे इमलिया आ रहे थे। ग्राम हिनौता के आगे पुलिया के पास ग्राम पौनिया रोड की ओर पहुंचे, तभी सामने से आ रहा मुरुम से भरा एक हाईवा क्रमांक एमपी 20 जेड एन 6164 के चालक ने तेज गति से चलाते हुए सामने से उनकी बाईक में टक्कर मार दी, जिससे किशोरी लाल और उसकी पत्नी व साली गिर गये और हाईवा का चाक पत्नी चमन बाई के ऊपर से होते हुये गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी है। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुये आरोपी हाईवा चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125 ए, 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

### शनैःशनैः शुष्क हो रहा मौसम, ले रहा करवट

## अभी दिन गर्म रहेंगे और रातें होने लगेंगी ठंडी

**जबलपुर।** मानसून मौसम को बीते चार दिन हो गए है, लेकिन छुटपुट बारिश का दौर जारी है। धीरे धीरे मौसम शुष्क हो रहा है। बादलों की आवाजाही के बीच दिन में उमस भरी गर्मी पड़ रही, जबकि रात के दूसरे पहर हल्की गुलाबी ठंडक महसूस होने लगती है। शनैः-शनैः रातें ठंडी होंगी दिन अभी गर्म रहेगा। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरप्रदेश में बने चक्रवात के प्रभाव से बने बादल अभी छंटे नहीं है। बारिश की संभावना अभी बनी हुई है। सूर्योदय विलंब से और सूर्यास्त जल्दी होने लगा है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य रहा, वहीं न्यूनतम तापमान 22.9 सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 92 प्रतिशत और सायंकाल 75 प्रतिशत आंकी गई। वर्षा नहीं हुई। सूर्योदय सुबह 6 बजकर 4 मिनिट पर और सूर्यास्त सायं 5 बजकर 54 मिनिट पर हुआ। उत्तर पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान जिले के कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

### पुरानी रंजिश व धक्का लगने के विवाद पर हमले

## मारपीट की वारदातों में 5 युवक घायल

**जबलपुर।** घमापुर, खमरिया और सिविल लाईन थाना क्षेत्रों में बदमाशों ने धक्का लगने, पुरानी रंजिश की बात पर और अकारण गालीगलौज कर पांच युवकों के साथ मारपीट कर चाकू, डंडे से प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। घायलों को उपचार के लिए विक्टोरिया और मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घमापुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कांचघर चुंगी चौकी घमापुर निवासी 28 वर्षीय सौरभ विश्वकर्मा अपने छोटे भाई पंकज विश्वकर्मा के साथ गुटखा लेने कांचघर धक्का लगने की बात पर से गालीगलौज करने लगा, गालियां देने से मना करने पर हिमांशु ने जान से मारने की नियत से चाकू से हमलाकर घायल कर दिया। उसके भाई पंकज ने बीच बचाव किया तो हिमांशु ने उस पर भी चाकू से हमलाकर घायल कर जान से मारने की धमकी दी। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 109(1), 296, 118(1), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इसी तरह खमरिया में ईसाई मोहल्ला पिपरिया निवासी 20 वर्षीय लखन गोटिया गत सुबह लगभग 4.30 बजे खमरिया बाजार शुलभ कॉम्पलेक्स के सामने अस्पताल रोड पहुंचा, जहां पर पहले से खड़े अनमोल अहिरवार, अरूण वंशकार, उदय चौधरी तथा अन्य कुछ लड़के उसे देखकर गालीगलौज करने लगे। गालियां देने से मना करने पर अरूण एवं उदय ने मारपीट की और अनमोल अहिरवार ने जान से मारने की नियत से चाकू से हमलाकर कर घायल कर दिया। घायल लखन एम्बुलेंस से शासकीय अस्पताल रांझी पहुंचा तो वहां पर अनमोल अहिरवार, अपने साथी तरूण पटैल, मोहित राजपूत, प्रिंस के साथ आकर एम्बुलेंस का गेट खोलकर चारों जान से मारने की नियत से उस पर चाकू से हमला कर हाथ पैर जांघ, कमर, चेहरे में चोटें पहुंचा दी, वहीं उसके साथी राहुल ने बीच बचाव किया तो चारों ने डंडे, चाकू से उस पर भी हमला कर घायल कर दिया। घायलों को उपचार के लिए मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 118(1), 109(1), 3(5) बीएनएस तथा 3(2)(व्ही), 3(2)(व्ही-ए) एससी एसटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इसी प्रकार सिविल लाईन में कुचबंधिया मोहल्ला घमापुर निवासी 18 वर्षीय आर्यन कुचबंधिया गत रात 11 बजे अपने दोस्त की गाड़ी से मोहल्ले के रंगा के साथ पुल नंबर 1 के बगल में रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 1 को जाने वाली रोड़ पर खड़ा था तभी वासु और राजा पटैल अपने अन्य साथियों के साथ आया और पुरानी रंजिश को लेकर उससे बहस करते हुए जान से मारने की नीयत से वासु एवं राजा ने चाकू से हमलाकर हाथ, पैर, जांघ एवं पेट में चोटें पहुंचा दी। दोस्त रंगा बीच बचाव करने लगा तो दोनों आरोपी उसके पीछे चाकू लेकर मारने दौडे जहां से रंगा अपनी जान बचाकर भाग गया।

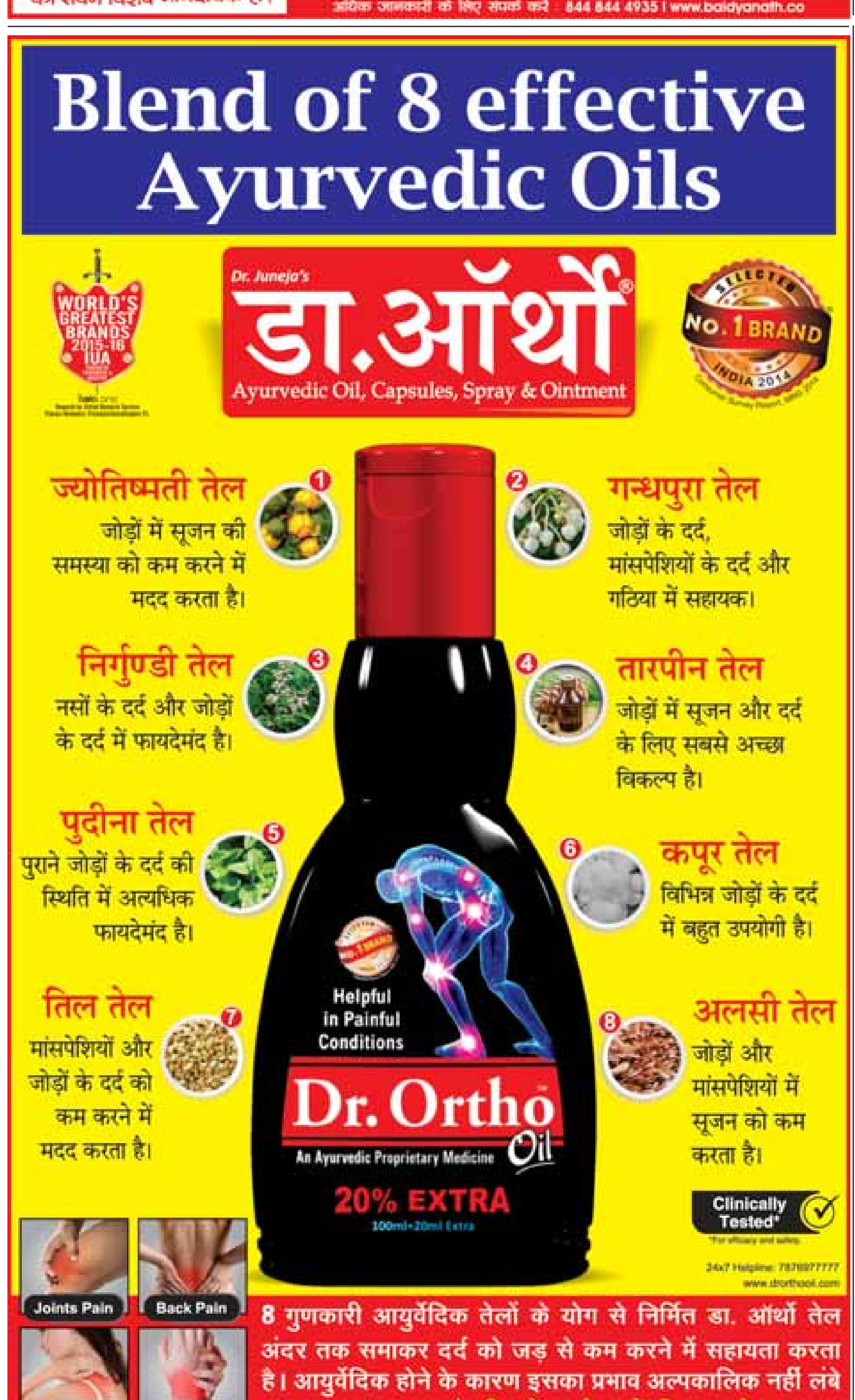

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240